



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1976/भावण 9, 1898

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1976/SRAVANA 9, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की आवश्यकता है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य के बाहर प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांबित्रिक आदेश और प्रधिसूचनाएँ।

**Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)**

मन्त्रिमंडल सचिवालय
(कार्यालय और प्रशासनिक सुदूर विभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1976

मुद्रित पत्र

का. आ. 2741.—प्रधिसूचना संख्या 12011/4/75-स्थापना (ग)
दिनांक 18 दिसम्बर, 1975 के प्रग्रेजी रूप के पैरा 1 में 'Notice is hereby given by the competent' शब्दों के स्थान पर 'In exercise of the powers conferred by tho' शब्द पढ़े जाएँ।

[संख्या 12011/4/75-स्थापना (ग)]
ए.एस. तनेजा, अवार सचिव

CABINET SECRETARIAT
(Department of Personal & Administrative Reforms)

New Delhi, the 28th June, 1976

CORRIGENDUM

S.O. 2741.—In para 1 of the English version of the Notification No. 12011/4/75-Estt. (C), dated the 18th December, 1975, for the words 'Notice is hereby given by the competent', read 'In exercise of the powers conferred by the'.

[No. 12011/4/75-Estt. (C)]
A. S. TANEJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976

का. आ. 2742.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुत और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके हुए, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण और अपील) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय गिवित मेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 को अनुसूची के भाग II में, कम संख्या 32 के अधीन, खण्ड (V) और उससे सम्बन्धित प्रबिळिया के स्थान पर निम्नलिखित रक्षा जाएगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
"(V)"	केन्द्रीय प्रशासन सभी पद	प्रशासक	प्रशासक	सभी"

[संख्या 11012/8/76-स्थापना (क)]

प्रारंभ सी. मुल्ल, अवार सचिव

New Delhi, the 14th July, 1976

S.O. 2742.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Part II of the Schedule to the Central Civil Services (Classification, Control, and Appeal) Rules, 1965 under Serial Number 32, for item (V) and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

1	2	3	4	5
"(v) The Laksh-dweep Administrator Administration All posts.		Administrator	All"	

[No. 110/2/87-Ests (A)]
R.C. GUPTA, Under Secy.

भारत निर्बाचन आयोग सचिवालय

आदेश

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1976

का० आ० 2743.—सोक प्रधिनिधित्व प्रधिनियम 1951 (1951 का 43 की घारा 22 की उप-घारा (1) द्वारा अद्वास गतियों का प्रयोग करते हुए निर्बाचन आयोग यह निवेश देता है कि इसकी तारीख 3 फरवरी, 1975 की प्रधिसूचना सं० 434/हि० प्र०/75 (1) में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे, अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में,—

(i) मद सं० 2 के सामने प्रविष्टि सं० "7-उप-युक्त, किन्नौर का सामान्य सहायक" के स्थान पर "7-उप-जन्म आफिसर (सिविल) काल्पा" प्रविष्टि रखी जाएगी;

(ii) मद सं० 4 के सामने प्रविष्टि सं० 8 के पश्चात् "9-उप-जन्म आफिसर (सिविल) हमीरपुर" और "10-सामान्य सहायक एवं जिला विकास तथा पंचायत आफिसर, ऊना" प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी।

[सं० 434/हि० प्र०/75(1)]
ए० एन० सेन, सचिव

Election Commission of India ORDER

New Delhi, the 12th July, 1976

S.O. 2743.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby directs that the following amendments shall be made in its Notification No. 434/HP/75 (1), dated the 3 February, 1975, namely :—

In column 2 of the Table appended to the said notification,—

- (i) against item 2, for the entry "7-General Assistant to Deputy Commissioner, Kinnaur" the entry "7-Sub-Divisional Officer (Civil) Kalpa" shall be substituted;
- (ii) against item 4, after entry 8, the entries "9-Sub-Divisional Officer (Civil), Hamirpur" and "10-General Assistant-cum-District Development and Panchayat Officer, Una" shall be added.

[No. 434/HP/75(1)]
A. N. SEN, Secy.

विधि, न्याय और कल्पनी कार्य मंत्रालय

(कल्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1976

का० आ० 2744.—एकाधिकारी व्यापार प्रयोग प्रधिनियम 1969 (1969 का 54) की घारा 26 की उपधारा (3) के प्रत्युत्तरण में, केन्द्रीय एतद्वारा मैमर्स प्राइस्को स्टेन्टन पाइप एंड फाउंड्री कल्पनी निं० के कठिन अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 255/70) के निरस्तीकरण की प्रधिसूचित करती है।

[संख्या 2/19/74-एम-2]
एम० एम० वर्मा, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 8th July, 1976

S.O. 2744.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Iisco Stanton Pipe and Foundry Co. Ltd. under the said Act (Certificate of Registration No. 255/70).

[F. No. 2/19/74-M. II]
M. C. VARMA, Dy. Secy.

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली 8 जुलाई, 1976

का० आ० 2745.—इसके हारा, लेख्य प्रमाणक नियम (मोटरीज रस्स), 1956 के नियम 6 के प्रत्युत्तरण में श्रीराम हृष्ण गर्ग, एड्डोकेट, महाबीर बाजार, कलाय मार्किट, दिल्ली ने उक्त नियमों के नियम 4 के प्रवीन, दिल्ली में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपसिया हूँ तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के बावजूद यह विषय के प्रत्यक्ष नोटे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/52/75-न्याय]
प्रार० वासुदेवन, सक्रम प्रधिकारी

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 8th July, 1976

S.O. 2745.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ram Krishnan Garg, Advocate, Mahabir Bazar, Cloth Market, Delhi for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/52/75-Jus.]
R. VASUDEVAN, Competent Authority.

वित्त मंत्रालय

राजस्व और बैंककारी विभाग

नई दिल्ली, 31 मई, 1976

आयकर

का० आ० 2746.—संवर्साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को गच्छ, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, वित्त प्राधिकारी, द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया गया है जब कि वह निम्नलिखित तीन शर्तों को पूरा करे :—

- (i) पुणे जिला कुष्ठ समिति एक संक्षेप अनुसंधान सलाहकार समिति गठित करेगी और प्रगते सभी सामाजिक विज्ञान अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में इस समिति से अनुमोदन प्राप्त करेगी।
- (ii) समिति इस छूट के अधीन प्राप्त सभी निधियों का पृथक्-पृथक् लेखा रखेगी और उनका उपयोग केवल कुष्ठ से संबंधित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए करेगी; और
- (iii) समिति भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली को, छूट के अधीन संग्रहीत निधियों को और उस रीति को, जिसमें निधियों का उपयोग किया गया हो, बताते हुए, एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

संस्था

पुणे जिला कुष्ठ समिति, पुणे

यह अधिसूचना 31-5-1976 से प्रभावी है।

[सं० 1342—का० सं० 203/26/76-आई टी ए II]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue & Banking)

New Delhi, the 31st May, 1976

INCOME TAX

S.O. 2746.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Secretary, Indian Council of Social Science Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the fulfilment of the following three conditions :—

- (i) That the Poona District Leprosy Committee shall set up a competent research advisory committee and get its approval to all its social science research programmes from this committee.
- (ii) That the Committee shall maintain a separate accounts of all funds received under this exemption and utilise them exclusively for social science research connected with Leprosy ; and
- (iii) That the Committee shall submit an annual report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

POONA DISTRICT LEPROSY COMMITTEE, POONA.
This notification is effective from 31-5-1976.

[No. 1342 F. No. 203/26/76-ITA. II]

नई दिल्ली, 3 जून, 1976

का० आ० 2747.—संवर्साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को मध्यव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, वित्त प्राधिकारी, द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, अनुमोदित किया गया है :—

1. अनुमोदन 1-4-1976 से 3 वर्ष की अवधि के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का यह भाग अनुसंधान कार्य नहीं हो रहा है तो अनुमोदन किसी भी समय वापस लिया जा सकता है;

2. महाविद्यालय वित्त प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अर्थल तक प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान क्रियालयों की एक वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करेगा।

3. महाविद्यालय वित्त प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अर्थल तक प्रत्येक विवरणी प्रस्तुत करेगा।

संस्था

वनस्पति विज्ञानीठ कला और विज्ञान महाविद्यालय, राजस्थान।

[सं० 1345-का० सं० 203/75/75-आई टी ए III]

टी० पी० झुनझुनवाला, उप सचिव

New Delhi, the 3rd June, 1976

S.O. 2747.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Secretary, Department of Scienco & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

1. The approval will be valid for a period of 3 years w.e.f. 1-4-1976, but can be withdrawn at any time if the prescribed authority is satisfied that the College is not undertaking scientific research.
2. The college shall furnish an Annual Returns of their scientific research activities to the prescribed authority for every financial year by 30th April each year.
3. The college shall maintain a separate account of the sums received by them for undertaking scientific research in the area of natural and applied sciences, other than agricultura/animal husbandry/fisheries and medicines.

INSTITUTION

BANASTHALI VIDYAPITH COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE, RAJASTHAN.

[No. 1345 F. No. 203/75/75-ITA II]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy

नई दिल्ली, 25 जून, 1976

आदेश

का० आ० 2748.—आयकर (प्रमाणपत्र कार्यवाहियाँ) नियम, 1962 के नियम 6 के अनुसरण में, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नियंत्रण करता है कि सर्वश्री ओ० पी० गुप्ता, एस० एन० गुप्ता और पी० सी० अब्दोल, जिन्हें केंद्रीय राजकार द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अधीन कर वसूली प्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, साथ ही दिल्ली के संबंध राज्य क्षेत्र में, सामायिक सभी क्षेत्रों की आवत अधिकारिता का प्रयोग करें।

2. आदेश सं० 984 (का० सं० 104/35/75-आई टी सी सी) तारीख 23 जूलाई, 1975, सं० 1010 (का० सं० 404/35/75-आई टी सी सी) तारीख 4 अगस्त, 1975 और सं० 1016 (का० सं० 404/35/75-आई टी सी सी) तारीख 4 अगस्त, 1973 के अधीन अमान्य श्री ज० एस०

शर्मा, एस० रामचन्द्रानी और एच० जी० मुंजल को प्रदत्त अधिकारिता सर्वं श्री पी० पी० गुप्ता, एस० एम० गुप्ता और पी० सी० अब्रोल के कर असूल के अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने की तारीख से बापस लौ जाती है।

3. यह आदेश सर्वश्री श्री० पी० गुप्ता, एस० एन० गुप्ता और पी० सी० अब्रोल के कर असूल के अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने की तारीख से प्रभागी होगा।

[सं० 1367 फा० सं० 404/154/76-ग्राहि० टी० सी० सी]

New Delhi, the 25th June, 1976

S.O. 2748.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Sarv Shri O. P. Gupta, S. N. Gupta and P. C. Abrol, who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointment of Sarva Shri J. S. Sharma, S. Ramchandani and H. G. Munjal, as Tax Recovery Officers made vide Notifications No. 983 (F. No. 404/35/75-ITCC) dated the 23rd July, 1975, 1015 (F. No. 404/35/75-ITCC) dated 4th August, 1975 and 1015 (F. No. 404/35/75-ITCC) dated the 4th August, 1975 respectively, are hereby cancelled with effect from the date Shri O. P. Gupta, Shri S. N. Gupta and Shri P. C. Abrol, take over as Tax Recovery Officers.

3. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri O. P. Gupta, S. N. Gupta and P. C. Abrol take-over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 1367 F. No. 404/154/76-ITCC]

नई दिल्ली, 29 जून, 1976

का० था० 2749.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उपखण्ड के प्रयोजनों के लिए, विविध बंगाल सरकार के राजस्व बोर्ड के बद्वांबस्तु अधिकारियों और सहायक बन्द्योबस्तु अधिकारियों को विनियिष्ट करती है।

[सं० 1380—फा० सं० 403/67/76—ग्राहि० टी० सं० सी०]
बी० पी० मित्तल, उपसचिव

New Delhi, the 29th June, 1976

INCOME TAX

S.O. 2749.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies for the purpose of the said sub-clause, Settlement Officers and Assistant Settlement Officers of the Board of Revenue, Government of West Bengal.

[No. 1380 F. No. 403/67/76-ITCC]
V. P. MITTAL, Dy. Secy.

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1975

आयकर

का० था० 2750.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष बुर बोर्ड, समय-भवय पर यथा मरणोपर्यन्त अपनी अधिसूचना सं

679 (फा० सं० 187/2/74-ग्राहि० टी० (ए शाई) तारीख 20-7-74 से उपादान अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

कम संख्या 8 के सामने स्तंभ 3 के अधीन अन्तिम प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा।

आयकर आयुक्त	मुद्यालय	अधिकारिता
8क. दिल्ली-II	नई दिल्ली	2.2 टेकेदार सक्लि, विल्सी, जो आयकर ग्राम्य, विल्सी I, II, III, और IV की अधिकारिता के अधीन कोई कार्य करने के लिए, (जिसमें किसी कार्य को करने के लिए श्रम प्रवाय भी सम्मिलित है), वास्तुधिदों, हजारियरों और टेकेदारों के रूप में कारबार या वृत्ति चलाने वाले सभी व्यक्तियों के मामलों (जिनमें कर्मी या कम्पनियों या यथास्थित उनके मालियारों या निदेशकों के मामले भी सम्मिलित हैं) के सम्बन्ध में कार्यवाही करता है।

अम सं० 68 के सामने, स्तंभ 3 के अधीन प्रविष्टि सं० 6 का विलोप किया जाएगा यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1975 को प्रभागी होगी।

[सं० 1103—187/2/74-ग्राहि० टी० (ए शाई)]
टी० पी० मुन्सुनबाला

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 29th September, 1975

(INCOME TAX)

S.O. 2750.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F.No.187/2/74-IT(AI) dated 20-7-74 as amended from time to time.

After the last entry under col. 3 against Serial No. 8A the following shall be added:

Commissioner of Headquarters
Income-Tax

Jurisdiction

8A. Delhi-II	New Delhi	22 Contractor's Circle, Delhi dealing with the cases of all persons (including the cases of firms or companies, the partners or as the case may be, the directors thereof) carrying on business or profession as Architects, Engineers and Contractors for carrying out any work (including supply of labour for carrying out any work) under the jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV & V.
--------------	-----------	--

Against Serial No. 8C under col. 3 entry No. 6 shall be deleted.

This Notification shall take effect from 1st day of October, 1975.

[No. 1103 (187/2/74-IT(AI)]
T. P. JHUNJHUNWALA, Secy.

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय का इफतर बंगलौर

बंगलौर, 10 जून, 1976

सीमा शुल्क

परिचय

का० आ० 2751.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 8 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, आर० एन० शुक्ल, ममाहर्ता, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कार्नटिक समाहर्तालय, बंगलौर, इस अधिसूचना द्वारा दिनांक 23 सितम्बर 1968 की पहले वाली अधिसूचना के साथ उपावद्ध मारणी में निर्दिष्ट मगलोर स्थित घाट संख्या 48 के पांडे-नेड़ छोड़ जिसका माप 2671-30 वर्गमीटर है (टी० एस० संख्या 1587/1 ब्लॉक 31 को सर्व थी कार्नटिक इंजीनियरिंग और भरीन कम्पनी मैंगलौर द्वारा अस्थायी तौर पर 31 मार्च 1978 तक बजारे और नौका उपस्कर स्टोर करने, इस्पात के बजारे और नौका निर्माण करने तथा उनके नौमरण के लिए अनुमोदित करता है।

[सी सक्षा-VIII/ 18/105/76-सीमा शुल्क]
आर० एन० शुक्ल, ममाहर्ता

(OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE)

Bangalore, the 10th June, 1976
CUSTOMS
ADDENDUM

S.O. 2751.—In exercise of the powers conferred section 8 of the Customs Act, 1962, I, R. N. Shukla, Collector of Customs and Central Excise, Karnataka Collectorate, Bangalore, hereby approve the Port land area measuring 2671-30 square meters (T. S. No. 1587/1 Block 31) at wharf No. 48

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम द्वारा 1944 के अधीन दिखित अपराधियों के नामों को दर्शित करने वाली सारणी

क्रम	नाम और पता	अधिनियम के उपर्युक्त या उनके अन्तर्गत धनाएं गए नियम जिनका उल्लंघन किया गया है।	अधिरोपित शास्ती की धनराशि	उत्पाद शुल्क योग्य अधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा अधिनियम के किसी उपर्युक्त या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम का उल्लंघन करने वाला पाया गया है और उन पर, लेसे अधिकारी द्वारा, दस हजार रुपए या इससे अधिक की शास्ति अधिरोपित की गई है।
1.	श्री जमन लाल भाटिया, भाटिया सेक वर्ष्म, कानपुर	468 आ० द० स०, 171 रुपए 700/- न्यायालय भा० द० स०, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 (ए) और 9(बी)	न्यायालय द्वारा मिश्र दोष ठहराए गए (कानूनिकट्ट) अपराधियों का विवरण	उत्पाद शुल्क योग्य अधिनियम की धारा 181 के अन्तर्गत माल या अन्य समाप्ति 31 के अधीन अधिकारी का मूल्य जिसका समत- हरण के बजले जुमाने का विवरण हरण, न्यायालय द्वारा की धनराशि अधिनियम की धारा 10 के अधीन किया जाता है या धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा न्याय- निर्णीत किए जाने पर जिसका अविहरण किया जाता है।

1क	(ए)	2(वा)	2(ख)	2(ग)	2(व)	2(झ)
न्यायालय द्वारा मिश्र दोष ठहराए गए (कानूनिकट्ट) अपराधियों का विवरण						
1.	श्री जमन लाल भाटिया, भाटिया सेक वर्ष्म, कानपुर	468 आ० द० स०, 171 रुपए 700/- न्यायालय भा० द० स०, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 (ए) और 9(बी)	उत्पाद शुल्क नियमानुसार 700/-	--	--	--
2.	श्री गणेश्याम ग्रामज श्री लक्ष्मी- नारायण प्रापाइटर, फर्म न्यु पारकर इंडस्ट्रीज फॉर्मज रोड, ग्रामर।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमानुसार 300/- वर्षी के नियम 198, 173 (बी) (एक) (जी) 53, 226, और 43 और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 9	प्राप्त 181 पुण अधिकारी के लिए मूल्यहरण के हेतु न्याय- लय द्वारा आदेश दिया गया है। इनका मूल्य 2686/- है।	106.3 प्राप्त अधिकारी के लिए प्राप्त 181 पुण अधिकारी के लिए मूल्यहरण के हेतु न्याय- लय द्वारा आदेश दिया गया है। इनका मूल्य 2686/- है।	--	--

1क्र	(ब)	2(क)	2(ख)	2(ग)	2(घ)	2(उ)
3. 1	श्री बाल किशन गुप्त आमत श्री उमराब लाल	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 संख्या 1, 2, 3 और की धारा 9 (जी)	तीनों भागीदारों कम संख्या 1, 2, 3 पर प्रबन्धक कम मं० 4 पर को प्रत्येक को दो दो सौ रुपए।	—	—	—
2.	श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्त आमत श्री बाल किशन गुप्त					
3.	श्री रवीन्द्र कुमार गुप्त आमत श्री बाल किशन गुप्त भागीदार मर्वेशी वूटीक ग्लास हड्डीज कोल माइ- डिंग रोड, फिरोजाबाद जिला- प्रांगण					
4.	श्री ई० एम० कुलश्रेष्ठ आमत श्री शिवराज मिठ फालोनी फिरोजाबाद, प्रबन्ध मर्वेशी यूनाइटेड ग्लास हड्डीज फिरोजाबाद जिला आगरा।					
4.	श्री पी० एन० भार्यत, प्रोपा- इटर मर्वेशी हिन्दुस्तान पेपर एण्ड स्ट्रा ब्रोड मिल्स हड्डी- यल स्टेट, घासा चट्टा, आगरा।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमा- वली 1944 के नियम 173 (जी) और केन्द्रीय उत्पाद का कारावाय शुल्क और नमक अधिनियम	जुर्माना 40/- रुपए, न देने पर एक सप्ताह में इसे अधिक रुपए या इससे अधिक की शारित अधिरोपित की गई है।	—	—	—
—	उन प्रपराधियों के विवरण जिन पर, विभागीय कार्यवाही में दस हजार रुपए या इससे अधिक की शारित अधिरोपित की गई है।					
1.	मर्वेशी जै० के० स्पिनिंग एण्ड बीविंग मिल्स कानपुर	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमा- वली 1944 के नियम 173 (एफ), 173 (जी) 52ए	रुपए 1,00,000/- रुपए 38,320/-	रुपए 35,000/-	—	—
2.	सर्वेशी मोटी झाय मिल्स/मोटी काटन स्पिनिंग एण्ड बीविंग मिल्स, मोटी नगर।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमा- वली 1944 के नियम 173- जी, 226 और 173-क्यू	रुपए 11,000/- रुपए 1,49,148.53 पैसे	रुपए 15,000/-	—	—
3.	सर्वेशी जी० के० स्पिनिंग एण्ड बीविंग मिल्स, कानपुर	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमा- वली 1944 के नियम 173 क्यू के साथ पठनीय नियम 9, 52ए, 226, 173 बी, 173 एफ 173 जी	रुपए 4,50,000/- रुपए 1,63,008/-	रुपए 1,50,000/-	—	—
4.	मर्वेशी मोटी काटन स्पिनिंग एण्ड बीविंग मिल्स, मोटी नगर	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमा- वली 1944 के नियम 173 जी और 173 क्यू के साथ पठनीय नियम 9(1), 52ए, 226	रुपए 1,02,000/-	—	—	—
5.	मर्वेशी गोकुल भद्र अशोक कुमार कायम गज, जिला फरहजाबाद	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमा- वली के नियम 1944, 9, 32, 40, 42 और 226	—	—	सहायक समाहर्ता फरहजाबाद फनुक्षित प्रतिसंहृत देखे प०	—
					सं. V-4 (बी 11/74/9504 दिनांक 4-5-75	

(Collector Central Excise Kanpur)

Kanpur, the 8th July, 1976

S.O. 2752. —In pursuance of Rule 232-A of the Central Excise Rules, 1944 issued under Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Banking) Notification No. 21/76-CE, dated 21-2-1976, the names and addresses and other particulars of the following categories of persons are published herewith in the table annexed below:—

Chart showing names of offenders punished under the Central Excises and Salt Act & Rules, 1944 for Publication

(a) persons who have been convicted by a Court under Section 9 of the Central excises and Salt Act, 1944; and

(b) persons who have been found by an officer referred to in Section 33 of the Act to have contravened any of the provisions of the Act or rules made thereunder and on whom a penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by such officer.

Sl. No.	Name and address	The provisions of the Act or rules made thereunder contravened	The amount of penalty imposed	The value of excisable goods or other property ordered to be forfeited by a court under Section 10 of the Act or adjudged by the officer referred to in Section 33 to be confiscated	Amount of fine in lieu of confiscation if any, imposed under section 34 of the Act.	Particulars of any licence revoked under rule 181
1	2	2(a)	2(b)	2(c)	2(d)	3
(A) Particulars of offenders convicted by courts of law						
1.	Shri Chaman Lal Bhatia of Bhatia Safe Works, Kanpur.	468 IPC, 472 IPC, Section 9(a) & 9(b) of C. E. & Salt Act, 1944.	Rs. 700	Imprisonment till rising of the court	—	—
2.	Shri Radhey Shyam S/o Sri Laxmi Narain, Prop. firm New Parkar Industries, Free Ganj, Road, Agra.	198, 173(B)(F)(G) 53, 226 and 43 of C. E. Rules 1944 and Section 9 of the C.E. and Salts Act, 1944.	Rs. 300	—	—	1062 semi-manufactured and 781 manufactured plates ordered by the court to be forfeited to the Govt. valued at Rs. 2686.
3.	(i) Shri Bal Krishna Gupta S/o Shri Umarao Lal. (ii) Shri Virendra Kumar Gupta S/o Shri Bal Krishna Gupta.	Section 9(b) of the Central Excises & Salt Act, 1944.	—	Rs. 200 on each of the three partners at Sl. No. (i), (ii), (iii) and the Manager at Sl. No. (iv).	—	—
	(iii) Shri Ravindra Kumar Gupta S/o Bal Krishna Gupta, Partner M/s. Unique Glass Industries Coal Siding Road, Ferozabad, District Agra. (iv) Shri D. S. Kulshreshtha S/o Shri Sheo Raj, Singh Colony, Ferozabad, Manager of M/s. Unique Glass Industries, Ferozabad, Distt. Agra.	—	—	—	—	—
4.	Shri P. N. Bhargawa, Prop. M/s. Hindustan Paper & Straw Board Mills, Industrial Estate, P. S. Chatta, Agra.	173(g) of C. E. Rules, 1944 and Section 9 of the C. E. & Salt Act, 1944.	—	Fine Rs. 40 and in default imprisonment for one week.	—	—
(B) Particulars of offenders on whom a penalty of Rs. 10,000 or more has been imposed in Departmental Proceedings.						
1.	M/s. J. K. Spinning and Weaving Mills, Kanpur.	173-F, 173-G, 52-A of C. E. Rules, 1944.	Rs. 1,00,000	Rs. 38320	Rs. 35,000	—
2.	M/s. Modi Cloth Mills/Modi Cotton Spinning & Weaving Mills, Modinagar.	173-G, 226 and 173-Q of C. E. Rules 1944.	Rs. 11,000	Rs. 1,49,148.53	Rs. 15,000	—
3.	M/s. J. K. Spinning & Weaving Mills, Kanpur.	9, 52-A, 226, 173-B, 173-F, 173-G read with rule 173-Q of C. E. Rules, 1944.	Rs. 4,50,000	Rs. 1,63,008	Rs. 1,50,000	—
4.	M/s. Modi Cotton Spinning and Weaving Mills, Modinagar.	9(1), 52-A 226 r/w rules 173-G and 173-Q.	Rs. 102,000	—	—	—
5.	M/s. Gokal Chand Ashok Kumar, Keim Ganj District, Farrukhabad.	9,32, 40, 42 and 226 of C. E. Rules, 1944.	—	—	—	Licence revoked by A. C. C.E. Farrukhabad vide C. No. V-4(B) 11/74/9504, dt. 4-7-75.

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1976

का०आ० 2753.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एस० आर० उपल के स्थान पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड के कार्यालय में श्री एस० आर० एस० गोपालचार, विशेष अधिकारी (दसर विकास नियम), को उनके पद प्रहृण करने की तारीख से सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड के पद पर एतद्वारा नियुक्त करती है।

[फाइल सं० 25012(5)/76-टेक्स(5)]

एम० वेणुगोपालन, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

New Delhi, the 12th July, 1976

S.O. 2753.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri A. R. S. Gopalachar, Special Officer (Tasar Development Corporation) in the office of the Central Silk Board as Secretary, Central Silk Board vice Shri S. R. Uppal from the date he assumes charge of the post.

[F. No. 25012(5)/76-Tex(V)]
S. VENUGOPALAN, Director

(मुख्य विवरक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976

का०आ० 2754.—सर्वश्री स्पनडिश इन्जी० प्रा० लि०, ब्रम्बर्ड को डिशड एम्हस्ट और पलेंजिंग एन्ड स के विनियोग के लिए सहायक और कालतू पुजों के साथ एक नया हाइड्रॉलिक एंड स्ट्रिंग मशीन माइल बी और बी 47 का आयात करने के लिए 41,49,305 रुपए (जो एम 11,95,000) (इकतालीस लाख उनचास हजार तीन सौ पाँच रुपए माल) का एक आयात लाइसेंस सं० पी/सी जी/1416355/एस/जी एम/58/17/40-41, दिनांक 23-2-76 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने अनुलिपि लाइसेंस (सीमा-शुल्क एवं मुद्रा विनियोग नियंत्रण दोषों प्रतियों) के लिए इस आवार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस पारामन में छो गया है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत नहीं करवाया गया है। उन्होंने आगे यह भी बताया है कि मशीनी के आयात के लिए उस का उपयोग नहीं किया गया है किन्तु लाइसेंस की मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति का जो एम 358500 के लिए उपयोग किया गया है।

2. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी, महाराष्ट्र राज्य के सम्मुख विधिवत शपथ लेते हुए स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र वाचिल किया है। तदनुसार वै संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस पारामन में छो गया है। इसलिए मश्य संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-55 की उप-धारा ॥ (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए सर्वश्री स्पनडिश इन्जी० प्रा० लि०, ब्रम्बर्ड को जारी किए गए उक्त मूल लाइसेंस सं० पी/सी जी/1416355 दिनांक 23-2-76 जो एतद्वारा रद्द किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति (सीमा-शुल्क और मुद्रा विनियोग नियंत्रण दोषों प्रतियों) अलग से जारी की जा रही है।

[सं० 3059(74)(9)/सी जी-I]

चन्द्र गुप्त, उप-मुख्यनियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1976

S.O. 2754.—M/s. Spundish Engineering Pvt. Ltd., Bombay were granted Import licence No. P/CG/1416355/S/GN/58/H/40-41 dated 23-2-76 for Rs. 41,49,305 (L.M. 11,95,000) (Rupees fortyone lakhs fortynine thousand three hundred and five only) for import of one No. Hydraulic End Spinning machine Model BOD 47 with accessories and spares for the manufacture of Dished Ends and Flanging Ends. They have applied for the issue of duplicate licence (both Customs and Exchange Control copy) of the said licence on the ground that the original licence has been lost in transit. It has further been stated that the licence has not been registered with the Customs authorities. They have further stated that the Customs purpose copy of the licence has not been utilised for the import of machinery, but Exchange Control Copy of the licence has been utilized for DM 3,18,500.

2. In support of their contention, the licensee have filed an affidavit on stamped paper duly sworn before a Notary, Maharashtra State. I am accordingly satisfied that the original licence has been lost in transit. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955, as amended the said original licence No. P/CG/1416355 dated 23-2-76 issued to M/s. Spundish Engineers Pvt. Ltd., Bombay is hereby cancelled.

3. A duplicate licence (both Customs and Exchange Control purposes) of the said Import licence is being issued to the party separately.

[No. 3059(74)(9)/CG. I]

CHANDRA GUPTA, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1976

का०आ० 2755.—सर्वश्री सिलवानिया एंड लक्षण लि०, नई दिल्ली को स्वसंत्र स्रोतों के अन्तर्गत माल और संबद्धकों का आयात करने के लिए 5,00,000 रुपए माल का आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/1418864/सी/एस/एस/59/एस/41-42/सैम्प, दिनांक 12-5-76 प्रदान किया गया था।

2. फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस भाग्यार पर अनुरोध किया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति उनसे छो गई/अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस का उपयोग नहीं किया गया है। लाइसेंस भारत के किसी भी पत्तन के पास पंजीकृत नहीं करवाया गया है।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/1418864 दिनांक 12-5-76 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति छो गई हैं और निदेश देता हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति की अनुलिपि आवेदक को जारी की जाती चाहिए। मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति रद्द की जाती हैं।

4. लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनियोग नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रलग से जारी की जा रही है।

[संख्या :—सैम्प/1(10)/75-76/प्रार० एम०-2]

राजेन्द्र तिहार, उप-मुख्य नियंत्रक, कृत मुद्रा नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 15th July, 1976

S.O. 2755.—M/s. Sylvania & Laxman Ltd., New Delhi were granted Import Licence No. P/D/1418864/C/XX/59/H/41-52/Lamp., dated 12-5-76 under free resources for Rs 5,00,000 only for import of Raw materials and components.

2. The firm have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy & Exchange Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy & Exchange Copy have been lost/misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been utilized. The licence has not been registered with any port of India.

3. In support of their contention, the applicants have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purpose Copy & Exchange Copy of Import Licence No. P/D/1418864, dated 12-5-76 have been lost and directs that a Duplicate Customs Purposes Copy & Exchange Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy and Exchange Control Copy are cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy & Exchange Control Copy of the licence are being issued separately.

[No. Lamp/1(10)/75-76/RM. II]
RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
For Chief Controller

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति प्रौद्योगिकी विभाग)

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1976

का०आ० 2756.—अधिग्रहण संविदा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 3 की उपधारा (2) संथा (4) द्वारा प्रदत्त भास्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एवं बड़ाग श्री आर० शे० बाथेनाला, आई० सी० ००० एम० को 22 जून, 1976 के पूर्वाह्न से 31 जूनवरी, 1977 के प्रवर्गाह्न तक वायवा भाजार आयोग बम्बई का पुनर्संबन्ध नियुक्त करती है तथा उन्हे आयोग का अध्यक्ष मनोनीत करती है।

[मिसिल संख्या-17(6)(आई० टी०)/69-स्पा०]

श्री० एस० गर्ग, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies & Cooperation)
New Delhi, the 12th July, 1976

S.O. 2756.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) and (4) of Section 3 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) the Central Government hereby re-appoints Shri R. B. Vaghaiwalla, I.C.S. as a Member of the Forward Markets Commission, Bombay, for the period from the forenoon of 22nd June, 1976 to 31st January, 1977 (Afternoon) and nominates him to be the Chairman of that Commission.

[File No. 17(6)-(II)/69-FCC]
B. I. GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976

का०आ० 2757.—उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) द्वारा जारी की गई अधिसूचना जिसे विनांक 4 अक्टूबर, 1975 के राजपत्र के भाग 2 में पुष्ट संख्या 3597 पर का० आ० संख्या 4296 के अधीन प्रकाशित फ्राम ग्राम में आंशिक रूप भेद करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा श्री ए० एस० कपूर के पदनाम के बारे में निम्नलिखित संशोधन करती है।

53GI/76-2

प्रधिकारी का पदनाम :

श्री ए० एस० कपूर,
प्रमुख वित्त प्रबंधक,
सैटल काउंसील ऑफिस, प्लॉट,
भारत डेवेलपमेंट कॉलन निमिटेटर,
रानीपुर, हरद्वार,
उत्तर प्रदेश।

[का० सं० 14-3/74-एम० ई० ए०]

प्र० ब० सम्प्रेसना, अवर सचिव

New Delhi, the 14th July, 1976

S.O. 2757.—In partial modification of the notification issued by the Ministry of Industry & Civil Supplies (Department of Heavy Industry), published under S.O. No. 4296 on page No. 3597 in Part-II of Gazette dated 4th Oct. 1975, the Central Government hereby makes following amendment in respect of designation of Shri A. L. Kapur.

Designation of the Officer :

Shri A. L. Kapur,
Chief Finance Manager,
Central Foundry Forge Plant,
Bharat Heavy Electricals Limited,
Ranipur, Hardwar, U.P.

[File No. 14-3/74-HEM]

P. B. SAXENA, Under Secy.

भारी उद्योग विभाग

आवेदन

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1976

का०आ० 2758.—उद्योग (विकास तथा विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त भास्तियों का प्रयोग करते हुए एम० विकास परिषद् (कार्यविधि) नियम, 1952, के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा वस्त्र भास्तियों के विभिन्न अध्यवा उदाधनरत अनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद् का गठन करती है। परिषद् में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे, जिनका कार्यकाल इस अधेश के प्रकाशित होने की मिथि से दो वर्षों के लिए होगा:—

वस्त्र भास्तियों की विकास परिषद्

- | | |
|--|---------|
| 1. श्री अरविन्द एन० मधतलाल, | अध्यक्ष |
| नेशनल भास्तियों मैन्यूफैक्चरर्स लिंग, भक्तलाल हाउस,
चंद्रे गेट रिकामेश्वर, बम्बई-400020 | |
| 2. श्री जी० के० देवराजुलू, | मदस्य |
| 18, शेल हाउस, भवनाशी रोड, कोयम्बटूर-6-41018 | |
| 3. श्री सुरेश एम० मेहता, | " |
| टेक्स्टाइल भास्तियों मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, 53,
मित्तल चैम्बर्स, नारीमत्त प्लाईट, बम्बई | |
| 4. श्री बालकृष्ण हरिवलभदाम, | " |
| इडियन काटन मिल्स फैक्ट्रीज, एन्डिस्ट्रीज विनियोग,
बीर नारीमत्त रोड, बम्बई-400023 | |
| 5. श्री आ० ए० गोवर, अध्यक्ष | मदस्य |
| इचियन दूत फिल्स फैक्ट्रीज, 7स० मॉर्टा, चंद्रे गेट
बम्बई, न्यू मेरीन लाइन, बम्बई-400020 | |
| 6. श्री आ० ए० महेश्वरी, | " |
| महाप्रबंधक, टैक्सीमीटों लिमिटेड, (अध्यक्ष, हैंडी पी सी,
कानकमा) "हैंडीकॉ हाउस" 1 और 3 ब्रोर्ने रोड, कलकत्ता | |

7. श्री गोरी लाल मेहता,	मदस्य	22. श्री आर्टि० बी० दत्त,	मदस्य
ग्राम्यका, हैंडिंग जूट मिल्स एसोसिएशन, रायगढ़ एवं चेंज बिल्डिंग, 6, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता ।	"	नेविल्से हूकम, चौधी मंजिन, ग्राहम रोड, बेराइ एस्टेट, बम्बई-400038 ।	"
8. डा० पी० सी० मेहता,	"	23. डा० के० प्रार्टि० नरसिंहन,	"
निवेशक, अहमदाबाद टेक्सटाइल हैंडस्ट्रीज रिसर्च एसोसिएशन, अहमदाबाद ।	"	प्रौद्योगिक सलाहकार, कार्यालय वस्त्र आयुक्त, बम्बई ।	"
9. श्री अतुल के० भगवती,	"	24. श्री के० के० चटर्जी,	"
ग्राम्यका, एसोसिएशन आफ भर्चूट्स एड मैन्यूफैक्चरर्स आफ टेक्सटाइल स्टोर्स पैड मणीनगी (इंडिया) 18/20, भोपालाल हरयोगिन्दास बिल्डिंग, कैन्ट्रल दुभाष मार्ग, बम्बई-400023 ।	"	प्रौद्योगिक सलाहकार, कार्यालय जूट आयुक्त, 20, बिटिश हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता ।	"
10. श्री एस० एम० बनर्जी,	"	25. उप सचिव, वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली ।	"
ग्राम्यका, फेडरेशन आफ द्वीजी मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, दूसरी मंजिल, 70/72, शेरिफ देवती (चकला स्ट्रीट), बम्बई-400003 ।	"	26. उप सचिव, इसान एवं ब्रह्मन मंत्रालय उद्योग भवन, नई दिल्ली ।	"
11. प्रबंध निवेशक, आल इंडिया फेडरेशन आफ कोम्पारेटिव सिर्पानग मिल्स लिंग, कनाडा बिल्डिंग, दावा भाई मौरोजी रोड, बम्बई-400001 ।	"	27. उप सचिव, भारी उद्योग विभाग उद्योग भवन, नई दिल्ली ।	"
12. श्री के० श्रीनिवासन,	"	28. श्री एम० एम० चक्रवर्ती,	"
निवेशक, साउथ इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन, (ग्राम्यका एन टी सी), एयरोड्रोम पोस्ट, कोपम्बूर ।	"	निवेशक, भारतीय मानक संस्थान, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ।	"
13. प्रोफेसर वाचवाला,	"	29. श्री टी० रामचन्द्र राय,	मदस्य सचिव
निवेशक, य० डी० सी० टी०, बम्बई विश्वविद्यालय, रसायन प्रौद्योगिकी विभाग, मतुगा रोड मतुगा, बम्बई-400019 ।	"	निवेशक, टेक्सटाइल मणीनगी बांध, कार्यालय वस्त्र आयुक्त, पी० बी० सं० 11500, बम्बई-400020 ।	
14. श्री टी० बी० अनंतनान,	"	2 विकास परिषद के कार्य वही है जो उद्योग (विकास तथा विनि- यमन) अधिनियम, 1951 की दृष्टि अनुद्वेष्ट में परिवर्तित है ।	
निवेशक, बोम्बे टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन, धाटमार, बम्बई-400086 ।	"	3. सर्वेश्वी अरविन्द एन० मफतलाल, ग्राम्यका, नेगांव मणीनगी मैन्यूफैक्चरर्स लिमिटेड, थाना तथा श्री टी० रामचन्द्र राय, निवेशक, वस्त्र मणीनग प्रभाग, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई की एकदारा उक्त विकास परिषद का कम्पनी अधिकारी और सचिव का कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।	
15. श्री जे० सी० गुप्ता,	"	[2-52/76-एक्ट० एम० 1] ग्रि० मो० घोष, संयुक्त सचिव	
प्रबंध निवेशक, मणीनगी मैन्यूफैक्चरर्स कार्पोरेशन लिंग, पी०-81 बी०, सहूरुर गाँड़ रोड राइ, कलकत्ता ।	"		
16. श्री टी० एन० शर्मा,	"		
प्रबंध निवेशक, एलिंगन मिल्स कार्पोरेशन लिंग, (ग्राम्य उ० ए० सहकारी मिल संघ) मिलिन लालूपुर, कानपुर ।	"		
17. श्री ध्वारु भाई एच० एम्बानी,	"		
प्रबंध निवेशक, रिलायेंस टेक्सटाइल हैंडस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, कोर्ट हूकम, चौधी मंजिन, निलक शार्मा, धोबी तलाब, बम्बई-400002 ।	"		
18. श्री वाई० टी० मानेक लाल,	"		
मे० शी० मानेक लाल मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड, वास्त्राली मेसंग, दिनशा वाला रोड, बम्बई- 40002 ।	"		
19. मेजर प्रनरल आर० एन० मेन,	"		
प्रबंध निवेशक, मे० ब्रेथेट एड कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड, बलाहव वर्क्स, 5, हाइड रोड, कलकत्ता-43 ।	"		
20. श्री आर० के० माथू०	"		
प्रबंध निवेशक, ग्रोज बेकट माथू० लिमिटेड, 133/134, इडॉफ्रेन एस्टेट, चंडीगढ़ ।	"		
21. श्री एस० सुखम्भूष्यम,	"		
प्रबंध निवेशक, मे० टेक्सटूल्स लिमिटेड, गनपति पोस्ट, कोयम्बतूर-641006 ।	"		

(Department of Heavy Industry)
ORDER

New Delhi, the 19th July, 1976

S.O. 2758.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby establishes a Development Council for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Textile Machinery. The Council shall consist of the following members, whose tenure of appointment will be for a period of two years with effect from the date of this order:—

**DEVELOPMENT COUNCIL FOR TEXTILE
MACHINERY INDUSTRY**

- | | |
|--|----------|
| 1. Shri Arvind N. Mafatlal,
Chairman,
National Machinery Manufacturers Ltd.,
Mafatlal House,
Churchgate Reclamation,
Bombay-400020. | Chairman |
| 2. Shri G. K. Devarajulu,
18, Shell House,
Avanashi Road,
Coimbatore-641018. | Member |

3. Shri Suresh M. Mehta, Chairman, Textile Machinery Manufacturers' Association, 53, Mittal Chambers, Nariman Point, Bombay.	Member	16. Shri T. N. Sharma, Managing Director, Elgin Mills Co. Ltd., (Chairman U.P. Cooperative Mills' Association), Civil Lines, Kanpur.	Member
4. Shri Balkrishna Harvallabhdas, Chairman, Indian Cotton Mills' Federation, Elphinstone Building, Vecr Nariman Road, Bombay-400023.	"	17. Shri Dhirubhai H. Ambani, Managing Director, Reliance Textile Industries (P) Ltd., Court House, 4th Floor, Tilak Marg, Dhobi Talao, Bombay-400002.	"
5. Shri B. M. Grover, Chairman, Indian Woollen Mills' Federation, 7th Floor, Churchgate Chambers, New Marine Lines, Bombay-400020.	"	18. Shri Y. T. Maneklal, M/s. T. Maneklal Manufacturing Co. (P) Ltd., Vaswani Mansion, Dinshaw Wachha Road, Bombay-400020.	"
6. Shri R. C. Maheshwari, General Manager, Texmaco Limited, (Chairman FEPC, Calcutta), "Iffaco House", 1 & 3 Brabourne Road, Calcutta.	"	19. Maj. Gen. R. N. Sen, Managing Director, M/s. Braithwaite & Co. (India) Ltd., Clive Works, 5, Hide Road, Calcutta-43.	"
7. Shri Gouri Lal Mehta, Chairman, Indian Jute Mills' Association, Royal Exchange Building, 6, Netaji Subhas Road, Calcutta.	"	20. Shri R. K. Saboo, Managing Director, Groz Beckert Saboo Limited, 133/134 Industrial Estate, Chandigarh.	"
8. Dr. P. C. Mchta, Director, Ahmedabad Textile Industries Research Association, Ahmedabad.	"	21. Shri S. Subramanyam, Managing Director, M/s. Textools Ltd., Ganapathy Post, Coimbatore-641006.	"
9. Shri Atul K. Bhagwati, President, Association of Merchants & Manufacturers of Textile Stores & Machinery (India), 18/20, Bhogilal Hargovindas Building, Kaikhushru Dubhas Marg, Bombay-400023.	"	22. Shri I. B. Dutt, Neville House, 4th Floor Graham Road, Ballard Estate, Bombay-400038.	"
10. Shri S. M. Banerjee, President, Federation of Hosiery Manufacturers Association of India, 2nd Floor, 70/72, Sherif Devjee (Chakla Street), Bombay-400003.	"	23. Dr. K. J. Narasimhan, Industrial Adviser, Office of the Textile Commissioner, Bombay.	"
11. The Managing Director, All India Federation of Co-operative Spinning Mills' Limited, Canada Building, Dadabhoj Naoroji Road, Bombay-400001.	"	24. Shri K. K. Chatterjee, Industrial Adviser, Jute Commissioner's Office, 20, British India Street, Calcutta.	"
12. Shri K. Srinivasan, Director, South India Textile Research Association (Chairman NTC), Aerodrome Post, Coimbatore.	"	25. Deputy Secretary, Ministry of Commerce, Udyog Bhavan, New Delhi.	"
13. Prof. Daruwala, Director, UDCT, University of Bombay, Department of Chemical Technology, Matunga Road, Matunga, Bombay-400019.	"	26. Deputy Secretary, Ministry of Steel & Mines, Udyog Bhavan, New Delhi.	"
14. Shri T. V. Anantham, Director, Bombay Textile Research Association, Ghatkopar, Bombay-400086	"	27. Deputy Secretary, Department of Heavy Industry, Ministry of Industry & Civil Supplies, Udyog Bhavan, New Delhi.	"
15. Shri J. C. Gupta, Managing Director, Machinery Manufacturers' Corporation Ltd., P-61 B, Circular Garden Reach Road, Calcutta.	"	28. Shri S. M. Chakraborty, Director, Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.	"
		29. Shri T. Ramachandra Rao, Member Secretary, Director, Textile Machinery Branch, Office of the Textile Commissioner, P. B. No. 11500, Bombay-400020.	
		2. The functions of the Development Council are those enumerated in the Second Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.	
		3. S/Shri Arvind N. Mafatlal, Chairman, National Machinery Manufacturers' Limited, Thana and Shri T. Ramachandra Rao, Director, Textile Machinery Division, Office of the Textile Commissioner, Bombay are hereby appointed to carry on the functions of the Chairman and the Secretary respectively to the said Development Council.	
		[2-52/76-HM-I] S. M. GHOSH, Lt. Secy.	

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 5 जूलाई 1976

का० आ० 2759 —समय समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस नंबर सीएम/एल-4118 जिसके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं, फर्म का नाम बदल जाने के कारण 1976-04-01 से रद्द हो गया है।

अनुसूची

ऋग्म	लाइसेंस नंबर और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के तत्सम्बन्धी भारतीय मानक अधीन वस्तु/प्रत्रिया	
1	2	3	4	5
1 सीएम/एल-4118 75-01-06		मीमसं भारत के मिक्कल मैन्युफैक्चरर्स टेक्निकल सर्फेट, तकनीकी छाप IS 261-1966 ताम्र पाण्ड देवर्म, हुकुंडा गांव (चिक्कमाल्गुर जिला, कर्नाटक राज्य	'डायमंड'	सर्फेट की विशिष्टि [संस्था सीएमडी/55 4118]

Indian Standards Institution

New Delhi, the 5th July, 1976

S. O. 2759 —In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian standard Institution here by notifies that Licence No CM/L-4118 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 76-04-01 on account of/due to change in the name of the firm

Sl. No.	Licence No.	Name & Address of the Licensee.	Article/Process Governed by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1. CM/L-4118 75-01-06	M/s. Bharath Chemical Manufactureis & Traders of Hukunda Village (Chikmagalur Post), Chikmagalur District, Karnataka State.	Copper Sulphate, Technical Brand "Diamond"	IS 261-1966 Specification for Copper Sulphate	

[CMD/55 4118]

नई दिल्ली, 9 जूलाई, 1976

का० आ० 2760 —समय समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि आर्ट एम आर्ट मुहर लगाने के लाइसेंस जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए हैं, उनके आगे दी गई तिथियों से गतार्थ हो गए प्रथवा उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है।

अनुसूची

ऋग्म	लाइसेंस नंबर	लाइसेंसधारी का नाम और पता	उत्पाद/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS पद्धति	एस एम संस्था और लाइसेंस के राजपत्र में प्रकाश की तिथि	विवरण
1	2	3	4	5	6

गतिविधि लाइसेंस

1. सीएम/एल-301 1961-05-17	नशनल सार्ट एण्ड प्लाईवुड यर्क चाय की पटिया के लिए 'लाईवुड' के तर्फ—	प्रस्तुति— IS 10-1970	एसएम 1332 दिनांक 1961-06-10	1970-02-15 के बाद गतार्थि
2. सीएम/एल-456 1962-09-14	प्रैंटेप इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) दिल्ली	रबड़ रोटिंग केबल— IS 434 (भाग 1)-1964 IS 434 (भाग 2)-1964	एसएम 1690 दिनांक 1963-06-22	1975-01-15 के बाद गतार्थि
3. सीएम/एल-457 1963-12-26	मुलेखा वर्क्स निं. कलकत्ता-32	ड्राइग की जलसह काली स्टार्टी— IS 759-1955	एसएम 241 दिनांक 1963-01-26	इस लाइसेंस का नवीकरण 1973-01-15 के बाद स्थगित कर दिया गया था और अब उसी तिथि से गतार्थि माना जाए।

1	2	3	4	5	6
4. सीएम/एल-530 1961-04-29	जे बी नार्टन पण्ड मस लि० कलकत्ता	उच्चसी और मवालयों के लिए प्रमाणों 138.3 पलश की दिया IS 774-1971	प्रगतियान पायमनीय तेज इव-- IS 2129-1962	प्रमाणों 241 दिनांक 1964-01-18	इस लाइसेस का नवीकरण 1973-08-31 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
5. सीएम/एल-615 1963-12-31	बेश्म (इडिया) लि० ठाणे	प्रगतियान पायमनीय तेज इव-- IS 398-1961	प्रमाणों 241 दिनांक 1964-01-18	1975-01-31 के बाद गतावधि	
6. सीएम/एल-791 1964-09-30	एलुमिनियम कारपोरेशन आफ इंडिया लि० जेकेनगर, निकट ग्रामनसाल (प० बगाल)	प्रिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए प्रमाणों 376.2 महन बिंचे लड्डार एलुमिनियम और इस्पात वी कोर वाल एलुमिनियम चालन-- IS 814-1970	प्रमाणों 376.2 दिनांक 1964-10-31	इस लाइसेस का नवीकरण 1973-10-15 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
7. सीएम/एल-1107 1961-07-06	प.बर केबल्ग प्रा० लि० कल्याण (महाराष्ट्र)	सरचना स्पात की मेटल आर्क वेहिक्य के लिए डके इलेक्ट्रोड-- IS 226-1969	प्रमाणों 2667 दिनांक 1965-08-28	1974-12-31 के बाद गतावधि	
8. सीएम/एल-1760 1968-08-06	क्रिबेणी ग्राम्यन पण्ड स्टील इंडस्ट्रीज, भावनगर (गुजरात)	सरचना इस्पात (माधारण किस्म) IS 1977-1969	प्रमाणों 3677 दिनांक 1968-10-19	इस लाइसेस का नवीकरण 1974-08-15 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
9. सीएम/एल-1761 1968-08-06	"	सरचना इस्पात (माधारण किस्म) IS 1977-1969	प्रमाणों 3677 दिनांक 1968-10-19	इस लाइसेस का नवीकरण 1974-08-15 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
10. सीएम/एल-1771 1968-09-28	सैशीज (इडिया) लि० ठाणे	श्रीअच्छी जलविसर्जनीय तेज इव-- IS 562-1962	प्रमाणों 3677 दिनांक 1968-10-19	1975-01-15 के बाद गतावधि	
11. सीएम/एल-1894 1969-01-15	जयवी इंस्प्रेर प्रॉडक्ट्स कलकत्ता	चाय की पेटियो के लिए प्लाईबुड के तञ्जे-- IS 10-1970	प्रमाणों 720 दिनांक 1969-02-22	इस लाइसेस का नवीकरण 1970-01-15 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
12. सीएम/एल-1927 1969-02-26	सैडोज (इडिया) लि० ठाणे	श्रीडीटी जलविसर्जनीय तेज इव-- IS 565-1961	प्रमाणों 1256 दिनांक 1969-04-05	1975-01-15 के बाद गतावधि	
13. सीएम/एल-2106 1969-10-08	मुकुद ग्राम्यन स्टील ब्रेस्ट लि० बम्बई	क्रोट प्रबन्धन के लिए ठंडी मरोड़ी विहृत इस्पात की सरिया-- IS 1786-1966	प्रमाणों 4849 दिनांक 1969-12-06	1975-01-15 के बाद गतावधि	
14. सीएम/एल-2382 1970-07-31	कैलाश सौ मिल्स पठानकोट	चाय की पेटियो के लिए प्लाईबुड श्री पट्टिया-- IS 10-1970	प्रमाणों 2109 दिनांक 1971-05-29	इस लाइसेस का नवीकरण 1974-07-31 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।	
15. सीएम/एल-2540 1971-02-21	के टी रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, सरचना स्पात (माधारण किस्म) - ठाणे	प्रमाणों 5037 दिनांक 1971-11-06	1975-02-15 के बाद गतावधि		
16. सीएम/एल-2559 1971-02-19	भूवनेश्वरी पुष्ट्वराइजिंग मिल्स, भद्रावती	प्रमाणों 5037 दिनांक 1971-11-06	इस लाइसेस का नवीकरण 1974-02-15 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।		

1	2	3	4	5	6
17.	सीएम/एल-2560 1971-02-19	भुवनेश्वरी पुस्तकालय मिलम मद्रास	बीपीसी जनविसंजीय तेज चूर्ण— IS 562-1962	एसओ 5037 दिनांक 1971-11-06	1975-02-15 के बाद गतावधि
18.	सीएम/एल-2561 1971-02-19	"	झोटी जल विमर्शीय सेज चूर्ण— IS 565-1961	एसओ 5037 दिनांक 1971-11-06	1975-02-15 के बाद गतावधि
19.	सीएम/एल-2562 1971-02-19	"	एन्ड्रिन पायमनीय नेज ट्रव— IS 1310-1958	एसओ 5037 दिनांक 1971-11-06	1975-02-15 के बाद गतावधि
20.	सीएम/एल-2563 1971-02-19	"	झोटी धूलत पाउडर— JS 564-1961	एसओ 5037 दिनांक 1971-11-06	1975-02-15 के बाद गतावधि
21.	सीएम/एल-2747 1971-08-25	ग्रैडेन इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) दिल्ली	पोलीडधाइलीन रोश्रित और पीवीसी झोल वाले केवल— IS 1596-1970	एसओ 5031 दिनांक 1971-11-06	इस लाइसेंस का नवीकरण 1974-02-28 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
22.	सीएम/एल-2904 1972-02-14	रीजनल पिग श्रीडिग स्टेणन एवं बेकन फैक्टरी, हरिष्ठटा हरिगढ़ा फार्म छाकथर माहन- पुर जिला नविया (प० बंगाल)	सुधर का मांग IS 1723-1960	एसओ 2801 दिनांक 1972-10-14	1975-02-15 के बाद गतावधि
23.	सीएम/एल-2905 1972-02-14	"	सुधर के मासेज— IS 3061-1965	एसओ 2801 दिनांक 1972-10-14	1975-02-15 के बाद गतावधि
24.	सीएम/एल-2925 1972-02-18	बी० सी० आरन फाउडरी आगरा	बालू छेले लोटे के मल पाइप (केवल 75 मिमी और 100 मिमी साइज के)— IS : 1729-1964	एसओ 2801 दिनांक 1972-10-14	1975-01-15 के बाद गतावधि
25.	सीएम/एल-2915 1975-02-28	दि पाइचेरी रोलिंग मिलम पाइचेरी-1	सरचना स्पात (मानक किस्म) IS 2265-1969	एसओ 2801 दिनांक 1972-10-14	1975-03-15 के बाद गतावधि
26.	सीएम/एल-2946 1972-02-28	"	संरचना स्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1969	एसओ 2801 दिनांक 1972-10-14	1975-03-15 के बाद गतावधि
27.	सीएम/एल-3031 1972-03-30	रीजनल पिग श्रीडिग स्टेणन एवं बेकन फैक्टरी, हरिष्ठटा, छाकथर माहनपुर जिला नविया (प० बंगाल)	सुधर की जाघ का मांग (हैम) IS : 2476-1963	एसओ 887 दिनांक 1973-03-24	1974-03-31 के बाद गतावधि
28.	सीएम/एल-3032 1972-03-30	"	शुआया बेकन— IS : 2475-1963	एसओ 887 दिनांक 1973-03-24	1974-03-31 के बाद गतावधि
29.	सीएम/एल-3167 1972-09-22	लक्ष्मी मेटल वर्क्स, अर्नगत (उ० प्र०)	माटिम नाले (खड़ी प्रकार के) 65 मिमी साइज, 2 लिवर वाले— IS : 2209-1970	एसओ 511 दिनांक 1974-02-23	इस लाइसेंस का नवीकरण 1974-09-30 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
30.	सीएम/एल-3204 1972-11-01	सेवरी आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, बम्बई-15	मरचना इस्पात (मानक किस्म) IS 226-1969	एसओ 1700 दिनांक 1973-06-16	इस लाइसेंस का नवीकरण 1974-04-30 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
31.	सीएम/एल-3205 1972-11-01	सेवरी आयरन एण्ड स्टील कम्पनी बम्बई-15	सरचना इस्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1969	एसओ 1700 दिनांक 1973-06-16	इस लाइसेंस का नवीकरण 1974-04-30 के बाद स्थगित कर दिया गया था अब उसी तिथि से गतावधि माना जाए।
32.	एमएम/एल-3478 1973-07-11	दि पाइचेरी रोलिंग मिलम पाइचेरी-1	इस्पात के दस्तावे खिलेकिया और रोशनदान— IS : 1038-1968	"	1975-03-15 के बाद गतावधि

1	2	3	4	5	6
33.	सीएम/एल-3586 1973-10-31	श्रीराम प्लाईवुड मैन्यू० कम्पनी प्रा० सि० कलकत्ता-10	लकड़ी के समतल कपाट (ठोस मध्य भाग बाले) और प्लाईवुड लगे— IS 2202 (माग 1)-1966	--	1974-01-31 के बाद गतावधि
34.	सीएम/एल-3652 1974-01-07	ईमा जमाल ग्रुप पेट्रोकम लि० बम्बई	18-लिटर समाई बोते वर्गकार टिन— IS . 916-1956	--	1974-12-31 के बाद गतावधि
35.	सीएम/एल-3668 1974-01-10	गुजरात ट्रामिशन प्राइवेटलि० प्रा० सि० अम्बगांव (गुजरात)	पूर्ण प्रतुमित्रियम चालक— IS . 398-1961	--	1975-01-15 के बाद गतावधि
36.	सीएम/एल-3680 1974-01-24	जयपाल उद्योग लोनी (मेरठ)	उच्छृंखला पायथमनीय नेज ड्रव— IS . 1054-1962	--	1975-01-31 के बाद गतावधि
37.	सीएम/एल-3722 1974-02-18	एम्बलाम इंडस्ट्रीज, लोनीपास, डाक्टरी थर्मामीटर— (हरियाणा)	IS . 3055-1965	एम श्रो 2082 दिनांक 1970-07-05	1975-02-15 के बाद गतावधि
38.	सीएम/एल-3749 1974-03-15	मुनीसा केमिकल्स, जिला दुर्ग नाहटिक अम्ल— (म० प्र०)	IS . 264-1968	एम श्रो 2554 दिनांक 1975-08-09	1970-03-15 के बाद गतावधि
स्थगित लाइसेंस :					
39.	सीएम/एल-451 1962-08-30	कोयम्बटूर प्रीमियर कारपोरेशन तीन फेंगी प्रेरण मोटर— प्रा० सि०, कोयम्बटूर-9	IS 325-1970	एम श्रो 2845 दिनांक 1962-09-15	1975-03-15 के बाद स्थगित
40.	सीएम/एल-496 1963-01-09	मर्वजीन इन्सिट्रिक थर्सें एक्स्का रोड, गोराया (पंजाब)	मामाल्य काम बाले एम्बर ब्रेक मिथ और मिथ्रिन इकाइयों के एम्बर ब्रेक स्थित और पूर्ज— IS . 4064-1967	एम श्रो 184 दिनांक 1963-02-16	1975-03-15 के बाद स्थगित
41.	सीएम/एल-525 1963-03-28	बेट एण्ड मेजर सिलेक्ट हावड़ा (प० बंगाल)	(1) तीन फेंगी प्रेरण मोटर— IS . 325-1970 (2) एक फेंगी छोटी एम्बी श्रीर पूर्जि- वर्सल बिजली की मोटर— IS . 996-1964	एम श्रो 1143 दिनांक 1963-04-20	1975-01-31 के बाद स्थगित
42.	सीएम/एल-999 1965-01-29	राजस्थान इंडस्ट्रियल एण्ड साइ- टिकल कारपोरेशन जोत- बाड़ा (जयपुर पश्चिम)	पानी के मोटर— IS . 779-1968	एम श्रो 667 दिनांक 1965-02-27	1975-02-15 के बाद स्थगित
43.	सीएम/एल-1123 1965-08-12	जनरल इंजीनियरिंग एण्ड इने- शिट्रिक वर्सरी, हावड़ा (प० बंगाल)	तीन फेंगी प्रेरण मोटर— IS . 325-1970	एम श्रो 3020 दिनांक 1965-09-25	1974-12-31 के बाद स्थगित
44.	सीएम/एल-1166 1965-11-11	स्थानिक मेटल वर्क्स, जगधरी (हरियाणा)	बेलिन पीतल की पट्टी चट्टर, पत्ती और पत्ती— IS . 410-1967	एम श्रो 60 दिनांक 1966-01-01	1975-01-31 के बाद स्थगित
45.	सीएम/एल-1686 1968-04-30	पानसंस इंडस्ट्रीज कपुरथला (पंजाब)	ओर क्लोजर (द्रव नियंत्रित) IS . 3564-1970	एम श्रो 2127 दिनांक 1968-06-15	1975-02-15 के बाद स्थगित
46.	सीएम/एल-1734 1968-07-10	फीविल एण्ड कम्पनी जलधर शहर	फुटबाल, व.ली बाल बास्केट बाल, फुटबाल (फीते रहित) बाली बाल फुटबाल (फीते रहित) भौंर बास्केटबाल (फीते रहित)	एम श्रो 3150 दिनांक 1968-09-14	1970-01-15 के बाद स्थगित
47.	सीएम/एल-1877 1968-12-23	सीमेंट बाटर प्रूफिंग प्राफैइडिया कलकत्ता (प० बंगाल)	जलसह बनाने को भैमेकित ममाला— IS . 2645-1964	एम श्रो 370 दिनांक 1969-01-25	1974-12-15 के बाद स्थगित
48.	सीएम/एल-1884 1968-12-31	इण्डो स्टीलिंग पाइप मैन्यू० लि०, आगरा	मूल, कूदा और बायू पाइप के अप- केट्री बलबां (स्पन) लोडे के स्पिगाट और साकेट— IS . 3989-1967	एम श्रो 370 दिनांक 1969-01-25	1975-02-15 के बाद स्थगित
49.	सीएम/एल-1914 1969-03-26	तोशीबा आनंद लैम्पस लि० एर्गोकूलम (केरल)	मामाल्य गोली काग्यों के लिए एम श्रो 1639 प्रतिविष्ट द्रव्य— IS . 2418-1964	दिनांक 1969-05-03	1974-09-03 के बाद स्थगित

1	2	3	4	5	6
50	सीएम/एन-1969 1969-05-15	स्वरूप केमिकल्स लखनऊ-4	बीएचसी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	एस ओ 2551 दिनांक 1963-06-28	1974-11-30 के बाद स्थगित
51	सीएम/एन-2174 1969-08-12	प्रवान एंड कम्पनी कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	एस ओ 437 दिनांक 1970-02-07	1974-12-15 के बाद स्थगित
52	सीएम/एन-2228 1970-01-10	अनंत इंस्ट्रीज (रजि०) जलधर शहर	(क) बढ़ियों के धातु के साथ वाले रंगे, केवल माकेतिक साझ 45, 50 और 60 मिमी— (ख) बढ़ियों के धातु के साथ वाले और रंगे, केवल याकेतिक साझ 50 और 60 मिमी— (ग) बढ़ियों के धातु के साथ वाले रंगे, केवल माकेतिक साझ 60 मिमी के— IS : 4057-1967	एस ओ 771 दिनांक 1970-02-28	1974-10-31 के बाद स्थगित
53.	सीएम/एन-2338 1970-06-05	इंडिया रोलिंग मिल्स कानपुर	मंरचना इस्पात (भानक किस्म) — IS : 226-1969	एस ओ 3429 दिनांक 1970-10-24	1974-12-15 के बाद स्थगित
54.	सीएम/एन-2339 1970-06-05	"	मंरचना इस्पात (भान्धारण किस्म) — IS : 226-1969	एस ओ 3429 दिनांक 1970-10-24	1974-12-15 के बाद स्थगित
55.	सीएम/एन-2440 1970-10-30	आनंदेश पेस्टीमाइक्स प्रा० लि० धरनगाँव	एन्ड्रियां पायसनीय तेज ब्रथ IS : 1310-1958	एस ओ 561 दिनांक 1971-01-30	1975-01-01 के बाद स्थगित
56.	सीएम/एन-2537 1971-02-08	वानकोस एंड कम्पनी पटना-13	स्वचल गाड़ियों के लिए याकेतिक और ब्रथ भरे सूखाई जैक, 4000 और 8000 किग्रा सामर्थ्य वाले नीचे से उठाई कार्यों के लिए— IS : 4552-1968	एस ओ 5037 दिनांक 1971-11-06	1975-02-15 के बाद स्थगित
57.	सीएम/एन-2683 1971-05-18	प्रीमियर पेस्टीमाइक्स प्रा० लि० कोटीबीन-11	एन्ड्रियां पायसनीय तेज ब्रथ— IS : 1310-1958	एस ओ 5027 दिनांक 1971-11-06	1974-11-30 के बाद स्थगित
58.	सीएम/एन-2778 1971-10-06	प्रकाश सो मिल्स डाकघर इरिन-जाल कुडा रेलवे स्टेशन, जिला लिंगार (केरल)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड की पटियाँ— IS : 10-1970	एस ओ 1625 दिनांक 1972-07-28	1975-02-15 के बाद स्थगित
59.	सीएम/एन-2844 1971-12-17	मोनोमेटल इंस्ट्रीज (प्रा०) लि० डाकघर हल्लू, जिला, 24-परगना	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग IS : 10-1970	एस ओ 2769 दिनांक 1972-10-07	1974-12-31 के बाद स्थगित
60.	सीएम/एन-2867 1972-01-10	ग आर दीवानजी एंड कम्पनी कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग IS : 10-1970	एस ओ 2777 दिनांक 1972-10-07	1975-01-15 के बाद स्थगित
61.	सीएम/एन-2876 1972-01-15	नेशनल ट्रेडिंग कार्पोरेशन कलकत्ता	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	एस ओ 2777 दिनांक 1972-10-07	1975-01-15 के बाद स्थगित
62.	सीएम/एन-2966 1972-03-10	पुनिंग एंड निकिटिंग मशीन्स (प्रा०) लि० गांधियाबाद (उ.प्र०)	पूनिंग सेल गियर रहित हस्त चालित पूनिंग और निकिटिंग मशीन— IS : 5604-1970	एस ओ 887 दिनांक 1973-03-24	1975-03-15 के बाद स्थगित
63.	सीएम/एन-2999 1972-03-28	एसोसियेटेड प्रिसीजन मेटल वर्क्स दिल्ली	पानी के मीटर— IS : 779-1968	एस ओ 887 दिनांक 1973-03-24	1975-03-31 के बाद स्थगित
64.	सीएम/एन-3063 1972-05-09	माने इंस्ट्रीज मिकदराकाव	इसात के वरकाजे, विष्कियां और रोशनदान— IS : 1038-1968	एस ओ 3308 दिनांक 1972-10-21	1973-05-15 के बाद स्थगित
65.	सीएम/एन-3102 1972-07-13	रौकमेन स्प्रिंग प्रा० लि० नई दिल्ली	स्वचल गाड़ियों में नियन्त्रण के लिए कमानी की पत्तियाँ और पत्तीधार कमानिया— IS : 1135-1966	एस ओ 1948 दिनांक 1974-07-14	1974-12-31 के बाद स्थगित
66.	सीएम/एन-3162 1972-09-20	महाबीर इंस्ट्रीज भाबनगर	18-पिटर मसाई वाले वर्गाकार टिन— IS : 916-1966	एस ओ 511 दिनांक 1974-02-23	1975-02-23 के बाद स्थगित

1	2	3	4	5	6
67. सीएम/एल-3233 1972-11-30	न्यु विजय हंडस्ट्रीज लि० विधाय- वाग, सांगली (महाराष्ट्र)	खेती कार्यों के लिए साफ, ठंडे प्रीर एस ग्रो 1700 स्वच्छ पीनी की सप्लाई के लिए दिनांक 1973-03-16 क्षेत्रिक प्रकार अपकेन्द्रीय पम्प, केवल 75 X 65 मिमी साइज— IS : 659-1972			1974-11-30 के बाद स्थगित
68. सीएम/एल-3336 1973-02-22	बी आर स्टील प्रॉडक्ट्स प्रा० निःशर्क्त	फलव चढ़े केवलों के लिए मट्टु एस ग्रो 1553 इन्हान के बार प्रीर पनियां— IS 3975-1957			1975-02-28 के बाद स्थगित
69. सीएम/एल-3659 1974-01-09	बैताब केबल्स प्रा० निःशर्क्त 6 (गाजस्थान)	पीवीसी रोधित बिना खोल थाले केबल, ताबे के चालकों वाले केबल, 650/1100 वोल्ट— IS . 694 (भाग I)-1961			1975-01-15 के बाद स्थगित
70. सीएम/एल-3672 1974-01-11	इटरनेशनल एजेन्सी (ईंडिया) कलकत्ता	प्रॉमिन पायमनीय तेज द्रव— IS . 1310-1958			1975-01-15 के बाद स्थगित
71. सीएम/एल-3747 1974-03-15	हैदराबाद केमिकल मल्टाई प्रा० निःशर्क्त-500037	माताधिग्रोग पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1963	एस ग्रो 2554 दिनांक 1975-08-09		1975-03-15 के बाद स्थगित
					[स० सी० ए० डी० ०/१३:१४] ए० बी० राव, उपमहानिदेशक

New Delhi, 9th July, 1976

S. O. 2760.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licence details of which are mentioned in the following schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. & date of Issue	Name and Address of the Licencee	Articles/Process and the Relevant IS: Designation	S. O. Number and Date of the Gazette Notifying Grant of Licences	Remarks
1	2	3	4	5	6
LICENCES LAPSED					
1. CM/L-301 1961-05-17	National Saw & Plywood Works, Tinsukia (Assam)	Tea-chest plywood panels— IS:10—1970	S.O. 1332 dated 1961-06-10	Lapsed after 1975-02-15	
2. CM/L-456 1962-09-14	Grandley Electricals (India), Delhi	Rubber insulated cables— IS:434 (Part I)—1964; and IS:434(Part II)—1964	S.O. 1680 dated 1963-06-22	Lapsed after 1975-01-15	
3. CM/L-487 1962-12-26	Sulekha Works Ltd., Calcutta-32	Ink, drawing, water prof, black IS:789—1955	S.O. 241 dated 1963-01-26	Renewal was de- ferred after 1973- 01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
4. CM/L-530 1963-04-29	J. B. Norton & Sons Ltd., Cal- cutta	Flushing cisterns for water closets and urinals— IS: 774-1971	S.O. 1383 dated 1963-05-18	Renewal was de- ferred after 1973- 08-31; the licence now stands lapsed after that date.	
5. CM/L-615 1963-12-31	Bayer (India) Ltd., Thana	Parathion EC— IS:2129—1962	S.O. 241 dated 1964-01-18	Lapsed after 1975-01-31	
6. CM/L-791 1964-09-30	Aluminium Corp. of India Ltd., Jayakayanagar, Near Asansol (W. B.)	Hard-drawn standard aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS:398—1961	S.O. 3762 dated 1964-10-31	Renewal was de- ferred after 1973- 10-15; the licence now stands lapsed after that date.	
7. CM/L-1107 1965-07-06	Power Cables Pvt. Ltd, Kalyan, (Maharashtra)	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel— IS:814—1970	S.O. 2667 dated 1965-08-28	Lapsed after 1974-12-31	
8. CM/L-1760 1968-08-06	Triveni Iron & steel Industries, Bhavnagar (Gujarat)	Structural steel (standard qua- lity)— IS:226—1969	S.O. 3677 dated 1968-10-19	Renewal was de- ferred after 1974- 08-15; the licence now stands lapsed after that date.	
9. CM/L-1761 1968-08-06	-do-	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS:1977—1969	S.O. 3677 dated 1968-10-19	Renewal was de- ferred after 1974- 08-15; the licence now stands lapsed after that date.	

1	2	3	4	5	6	
10	CM/L-1771 1968-08-28	Sandoz (India) Ltd, Thana	BHC water dispersible powder concentrates— IS 562—1962	S. O. 3677 dated 1968-10-19	Lapsed after 1975-01-15	
11.	CM/L-1894 1969-01-15	Jaishree Timber Products, Calcutta.	Tea-chest plywood panels— IS:10-1970	S. O. 720 dated 1969-02-22	Renewal was de- ferred after 1970- 01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
12.	CM/L-1927 1969-02-26	Sandoz (India) Ltd, Thana	DDT WDPC— IS:565—1961	S.O. 1256 dated 1969-04-05	Lapsed after 1975-01-15	
13.	CM/L-2106 1969-10-08	Mukand Iron & Steel Works Ltd, Bombay	Cold twisted deformed steel bars for Concrete reinforcement IS:1786—1966	S.O. 4849 dated 1969-12-06	Lapsed after 1975-01-15	
14.	CM/L-2382 1970-07-31	Kailash Saw Mills, Pathankot	Tea-chest plywood battens— IS:10 1970	S. O. 2109 dated 1971-05-29	Renewal as de- ferred after 1974- 07-31; the licence now stands lapsed after that date	
15.	CM/L-2540 1971-02-21	K. T. Rolling Mills Pvt. Ltd., Thana	Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1969	S. O. 5037 dated 1971-11-06	Lapsed after 1975-02-15	
16.	CM/L-2559 1971-02-19	Bhuvaneshwari Pulverising Mills, BHC DP Madras	BHC WDPC— IS: 562—1962	S. O. 5037 dated 1971-11-06	Renewal was de- ferred after 1974- 02-15; the licence now stands lapsed after that date.	
17.	CM/L-2560 1971-02-19	-do-	DDT WDPC— IS:565—1961	S. O. 5037 dated 1971-11-06	Lapsed after 1975-02-15	
18.	CM/L-2561 1971-02-19	Bhuvaneshwari Pulverising Mills, Madras	Endrin EC— IS: 1310—1958	S. O. 5037 dated 1971-11-06	Lapsed after 1975-02-15	
19.	CM/L-2562 1971-02-19	-do-	DDT DP— IS:564—1961	S. O. 5037 dated 1971-11-06	Lapsed after 1975-02-15	
20.	CM/L-2583 1971-02-19	-do-	Polyethylene insulated and PVC sheathed cables . IS:1596—1970	S. O. 5031 dated 1971-11-06	Lapsed after 1975-02-15	
21.	CM/L-2747 1971-08-25	Grandley Electricals (India) Delhi.	Regional Pig Breeding Station cum Bacon Factory, Harin- ghata, Haringhata Farm, P.O. Mahanpur, Distt. Nadia (West Bengal)	Pork— IS: 1723—1960	S. O. 2801 dated 1972-10-14	Renewal was de- ferred after 1974- 02-28; the licence now stands lapsed after that date.
22.	CM/L-2904 1972-02-14				Lapsed after 1975-02-15	
23.	CM/L-2905 1972-02-14	-do	Pork sausages— IS:3061—1965	S. O. 2801 dated 1972-10-14	Lapsed after 1975-02-15	
24.	CM/L-2925 1972-02-18	B. C. Iron Foundry, Agra.	Sand cast iron soil pipes (75 mm and 100 mm sizes only)— IS: 1729—1964	S. O. 2801 dated 1972-10-14	Lapsed after 1975-01-15	
25.	CM/L-2945 1972-02-28	The Pondicherry Rolling Mills, Pondicherry-1	Structural steel (standard qua- lity)— IS: 226—1969	S. O. 2801 dated 1972-10-14	Lapsed after 1975-03-15	
26.	CM/L-2946 1972-02-28	The Pondicherry Rolling Mills, Pondicherry-1	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS: 1977 -1969	S. O. 2801 dated 1972-10-14	Lapsed after 1975-03-15	
27.	CM/L-3031 1972-03-30	Regional Pig Breeding Station cum Bacon Factory, Harin- ghata, P. O. Mahanpur, Distt Nadia (W. B.)	Ham— IS: 2476 -1963	S. O. 887 dated 1973-03-24	Lapsed after 1974-03-31	
28.	CM/L-3032 1972-03-30	-do.	Smoked bacon — IS:2475—1963	S.O. 887 dated 1973-03-24	Lapsed after 1974-03-31	
29.	CM/L-3167 1972-09-22	Laxmi Metal Works, Aligarh (U. P.)	Mortice Locks (vertical type). 65 mm size 2 lever— IS: 2209--1970	S. O. 511 dated 1974-02-23	Renewal was de- ferred after 1974- 09-30; the licence now stands lapsed after that date.	
30.	CM/L-3204 1972-11-01	Sewjee Iron & Steel Co, Bombay- 15	Structural steel (standard quality) IS:226—1969	S. O. 1700 dated 1973-06-16	Renewal was de- ferred after 1974- 04-30; the licence now stands lapsed after that date.	

1	2	3	4	5	6
31.	CM/I-3205 1972-11-01	Sowree Iron and Steel Co., Bombay-15	Structural steel (ordinary qua- lity)— IS:1977—1969	S. O. 1700 dated 1973-06-16	Renewal was de- ferred after 1974- 04-30; the licence now stands lapsed after that date
32.	CM/L-3478 1973-07-11	The Pondicherry Rolling Mills, Pondicherry-1	Steel doors, window and ventila- tors IS:1038—1968	—	Lapsed after 1975-03-15
33.	CM L-3586 1973-10-31	Sree Ram Plywood Manufactur- ing Co. Pvt Ltd, Calcutta-10	Wooden flush door shutters (solid core type) with plywood face panels— IS: 2202 (Part I)—1966	—	Lapsed after 1974-10-31
34.	CM/I-3652 1974-01-07	Isha Janai Group Petrox Pvt. Ltd, Bombay.	18 litres square tins . IS:916—1956	—	Lapsed after 1974-12-31
35.	CM/L-3668 1974-01-10	Gujarat Transmission Products Pvt Ltd, (Umbergaon ; (Gujarat)	All aluminium conductors-- IS:398—1961	—	Lapsed after 1975-01-15
36.	CM/I-3680 1974-01-24	Jaipal Udyog Ioni (Meerut)	36. Dieldrin EC - IS:1054—1962		1925-01-31
37.	CM/L-3722 1974-02-18	Englass Industries, Sonepat (Haryana)	Clinical thermometers— IS:3055—1965	S. O. 2082 dated 1975-07-05	Lapsed after 1975-02-15
38.	CM L-3749 1974-03-15	Sunita Chemicals, Distt Durg (M. P.)	Nitric acid— IS: 264—1968	S. O. 2554 dated 1975-08-09	Lapsed after 1975-03-15
LICENCES DEFERRED					
39.	CM/L-451 1962-08-30	Coimbatore Premier Corp. Pvt Ltd, Coimbatore-9	Three-phase induction motors— IS:325—1970	S. O. 2845 dated 1962-09-15	Deferred after 1975-03-15
40.	CM/L-496 1963-01-09	Sarvjit Electric Works, Rurka Road, Corya (Pb.)	Normal duty air break switches and composite units of air— break switches and fuses— IS:4064—1967	S. O. 484 dated 1963-02-16	Deferred after 1975-03-15
41.	CM/L-525 1963-03-28	Weights & Measures Syndicate. Horrah (W. B.)	(i) Three-phase induction motors IS:325—1970; and (ii) Single phase small ac and universal electric motors— IS:996—1964	S. O. 1145 dated 1963-04-20	Deferred after 1975-01-31
42.	CM/L-999 1965-01-29	Rajasthan Industrial & Scientific Corpn), Jhotwara Jaipur West)	water meters— IS:779—1968	S.2. 667 dated 1965-02-27	Deferred after 1975-02-15
43.	CM/L-1123 1965-08-12	General Engineering & Electric Works, Howrah, (W. B.)	Three-phase induction motors— IS:325—197)	S. O. 3020 dated 1965-09-25	Deferred after 1974-12-31
44.	CM/L-1166 1965-11-11	Swastika Metal Works, Jagad- dhri (Haryana)	Rolled brass plate, sheet, strip and foil— IS:410—1967	S. O. 60 dated 1966-01-01	Deferred after 1975-01-31
45.	CM/L-1686 1968-04-30	Palsons Industries, Kapurthala (Pb).	Door closers (hydraulically re- gulated)— IS:3564-1970	S. O. 2127 dated 1968-06-15	Deferred after 1975-02-15
46.	CM/L-1734 1968-07-10	Ficewill & Co, Jullundur City	Footballs Volleyballs, Basket— balls and water Polo Balls— IS:417—1969 Footballs (laceless), Volley- balls(laceless), and Basket- balls (Laceless)	S. O. 3150 dated 1968-09-14	Deferred after 1975-01-15
47.	CM/L-1877 1968-12-23	Cement Waterproofing of India, Integral cement water— profing Calcutta (W. B.)	water— profing compound— IS:2645—1964	S. O. 370 dated 1969-01-25	Deferred after 1974-12-15
48.	CM/L-1884 1968-12-31	Indo-Swedish Pipe Mfrs Ltd, Agra.	Centrifugally cast (spun) iron spigot and socket wool waste and ventilating pipes— IS:3989—1967	S. I. 370 dated 1969-01-25	Deferred after 1975-02-15
49.	CM/L-1944 1969-03-26	Toshiba Anand Lamps Ltd, Kerala	Tubular fluorescent lamps for general lighting service— IS:2418-1964	S. O. 1639 / dated 1969-05-03	Deferred after 1974-09-30
50.	CM/L-1969 1969-05-15	Swarup Chemicals Lucknow-4	BIIC DP— IS:561—1962	S. O. 2551 dated 1969-06-28	Deferred after 1974-11-30
51.	CM/L-2174 1969-09-12	Pravat & Co, Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS:10—1970	S. O. 437 dated 1970-02-07	Deferred after 1974-12-15

1	2	3	4	5	6
52.	CM/L-2228 1970-01-10	Anant Industries (Regd), Jullun- dur city	(a) Carpenter's metal bodied smooth bench planes, nominal size 45, 50 & 60 mm only; (b) Carpenter's metal bodied jack bench planes, nominal size 50 and 60 mm only; and (c) Carpenter's metal bodied for bench planes, nominal size 60 mm only— IS:4057—1967	S. O. 771 dated 1970-02-28	Deferred after 1974-10-31
53.	CM/L-2338 1970-06-05	Indian Rolling Mills Kanpur	Structural steel (standard quality)— IS:226—1969	S. O. 3429 dated 1970-10-24	Deferred after 1974-12-15
54.	CM/L-2339 1970-06-05	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS:1977—1969	S. O. 3429 dated 1970-10-24	Deferred after 1974-12-15
55.	CM/L-2440 1970-10-30	Khandesh Pesticides Pvt. Ltd, Dharangaon	Endrin EC— IS:1310—1958	S. O. 561 dated 1971-01-30	Deferred after 1975-01-01
56.	CM/L-2537 1971-02-08	Vankos & Co., Patna-13	Portable Jacks for automobiles, 4000 & 8000 Kg capacity, hydraulically operated, bottom lifting type— IS:4552—1968	S. O. 5037 dated 1971-11-06	Deferred after 1975-02-15
57.	CM/L-2683 1971-05-18	Premier Pesticides Pvt Ltd., Cochin-11	Endrin EC— IS:1310—1958	S. O. 5027 dated 1971-11-06	Deferred after 1974-11-30
58.	CM/L-2778 1971-10-06	Prakash Saw Mills, P. O. Irinja- lakuda Rly Stn, Distt Tri- chur (Kerala)	Tea-chest plywood battens— IS:10—1970	S. O. 1625 dated 1972-07-28	Deferred after 1975-02-15
59.	CM/L-2844 1971-12-17	Monometal Industries (P) Ltd, P. O. Haltu, Distt 24 Par- ganas	Tea-chest metal fittings— IS:10—1970	S. O. 2769 dated 1972-10-07	Deferred after 1974-12-31
60.	CM/L-2867 1972-01-10	A. R. Dowanjoc & Co, Calcutta	Tea-chest metal fittings— IS:10-1970	S. O. 2777 dated 1972-10-07	Deferred after 1975-01-15
61.	CM/L-2876 1972-01-15	National Trading Corp., Cal- cutta.	Tea-chest metal fittings— IS:10—1970	S. O. 2777 dated 1972-10-07	Deferred after 1975-01-15
62.	CM/L-2966 1972-03-10	Pulling & lifting Machines (P) Ltd, Ghaziabad (U. P.)	Universal gearless hand— ope- rated pulling & lifting machine IS:5604—1970	S. O. 887 dated 1973-03-24	Deferred after 1975-03-15
63.	CM/L-2990 1972-03-28	Associated Precision Metal Works, Delhi.	Water meters— IS:779—1968	S. O. 887 dated 1973-03-24	Deferred after 1975-03-31
64.	CM/L-3063 1972-05-09	Manney Industries, Secundera- baba.	Steel doors, windows and venti- lators— IS: 1038—1968	S. O. 3308 dated 1972-10-21	Deferred after 1973-05-15
65.	CM/L-3102 1972-07-13	Racmann Spring Pvt Ltd, New Delhi	Spring leaves and leaf springs for automobile suspension— IS:1135—1966	S. O. 1948 dated 1974-07-14	Deferred after 1974-12-31
66.	CM/L-3162 1972-09-20	Mahavir Industries, Bhavnagar	18 litres square tins— IS:16—1966	S. O. 511 dated 1974-02-23	Deferred after 1975-02-28
67.	CM/L-3233 1972-11-30	New Vijay Industries Ltd, Vish- rambag, Sangli (Maharashtra)	Horizontal centrifugal pumps for clear cold fresh water for agricul- tural purposes, sizes 75 x 65 mm only— IS:6595—1972	S. O. 1700 dated 1973-03-16	Deferred after 1974-11-30
68.	CM/L-3336 1973-02-22	B. R. Steel Products Pvt. Ltd, Bombay.	Mild steel wires and strips for armouring cables— IS 3975—1967	S. O. 1553 dated 1973-06-02	Deferred after 1975-02-28
69.	CM/L-3659 1974-01-09	Baitao Cables Pvt. Ltd, Jaipur- 6 (Rajasthan)	PVC insulated, unsheathed cables with copper conductor, 650/ 1100 volts only— IS:694/(Part I)—1964	—	Deferred after 1975-01-15
70.	CM/L-3672 1974-01-11	International Agency (India) Calcutta.	Endrin EC— IS:1310—1958	—	Deferred after 1975-01-15
71.	CM/L-3747 1974-03-15	Hyderabad Chemical Supplies (P) Ltd, Hyderabad-500037	Malathion EC— IS:2567—1963	S. O. 2554 dated 1975-08-09	Deferred after 1975-03-15

पैट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 जून, 1976

का०आ० 2761.—यह इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कालोल तेल क्षेत्र में अधिनियम के परिवहन के लिये उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यह तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने उक्त अधिनियम को धारा 7 की उपधारा (1) के बाण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यावरण कर दिया है।

अब अब: पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्विष्ट प्रक्रिया के पर्यावरण के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

कूप नं० 34 कालोल में सी०टी०एफ० तक पाइपलाइन कार्य का पर्यावरण

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण भारत के संक्रिया के संचया	राजपत्र के पर्यावरण	प्रकाशन की की तारीख
पैट्रोलियम और धमासना और रसायन	कालोल	4826	15-11-75	29-4-74

[सं० 12016/4/76-एत०तथा एल०/II]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 21st June, 1976

S.O. 2761.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. Well No. 34 Kalol to CTF in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on ...

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from Well No. 34 Kalol to CTF

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Dhamana & Kalol	4826	15-11-1975	29-4-74

[No. 12016/4/76-L&L/II]

का०आ० 2762.—यह इस संलग्न अनुसूची में अनिवार्य और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के मेहसाना तेल क्षेत्र में अधिनियम के परिवहन के लिये उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यह तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 12-12-1974 उक्त अधिनियम को धारा 7 की उपधारा (1) के बाण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यावरण कर दिया है।

अब अब: पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्विष्ट सक्रिया के प्रयोगसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

एन०क००-75 से जी०जी० एस० एवं सी०टी०एफ० काढ़ी तक पाइप-लाइन कार्य का पर्यावरण

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण भारत के संक्रिया के संचया	राजपत्र के पर्यावरण	प्रकाशन की की तारीख
पैट्रोलियम और धमासना और रसायन	मेहसाना	963	20-3-1975	12-12-74

[सं० 12016/4/76-एस० तथा एल०/II]

S.O. 2762.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. NK-75 to GGS-CUM-CTF Kadi, in Mehsana oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 12-12-1974.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from NK-75 to GGS cum-CTF Kadi.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Memadpura	963	20-3-1975	12-12-74

[No. 12016/4/76-L&L/I]

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1976

क्रांतिा० 2763.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की प्रथिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के महानाना तेल क्षेत्र में व्यवहन स्थल सं. एम के बीं से भी दी एक तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस समग्र अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार प्रदित्त कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 28-11-71 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रर्जन) नियमाबन्धी 1963 के नियम 1 के अधीन सक्षम प्राकृतिक उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट मिक्षिया के पर्यवर्तन के स्वरूप में एतद्वारा प्रधिसूचित करता है।

अनुसूची

डी० एस० एम० के० बी० से सी० ट्री० एम० तक पाइपलाइन के निये कार्य का पर्यवर्तन

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेषण	भारत के संक्षिया के संदर्भ	पर्यवर्तन की प्रकाशन की तारीख
पेट्रोलियम	कड़ी	986	6-3-76	28-11-74

[म० 12016/1/76-एस० एम० एम०/1]

New Delhi, the 15th July, 1976

S.O. 2763.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d/s. No SKV to CTF in Mehsana oil field in Gujarat State,

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 28-11-74

Now therefore under rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D S. SKV to CTF

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation.
Petroleum	Kadi	986	6-3-76	28-11-74

[No. 12016/1/76-L&L/I]

क्रांतिा० 2764.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की प्रथिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोन तेल क्षेत्र में व्यवहन स्थल सं. एम के बीं से भी दी एक तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार प्रदित्त कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 13-9-69 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया की पर्यवर्तित कर दिया है।

अब अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रर्जन) नियमाबन्धी 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राकृतिक उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एतद्वारा प्रधिसूचित करता है।

अनुसूची

कुमा सं. 120 (के प्राई जेड) से जी जी एस-VII तक गाइपलाइन के निये कार्य का पर्यवर्तन

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेषण	भारत के संक्षिया के संदर्भ	पर्यवर्तन की तारीख
पेट्रोलियम	टिटोडा एवं उवारसद	4827	15-11-75	13-9-69

[म० 12016/1/76-एस० एम० एल०/2]

S.O. 2764.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. Well No. 120 (KIZ) to GGS-VII in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 13-9-69.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Well No. 120 (KIZ) to GGS-VII

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation.
Petroleum & Chemicals	Titoda & Uvarsad.	4827	15-11-75	13-9-69

[No. 12016/1/76-L&L/II]

कांग्रेस 2735—यह इस भवत्ता अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रैर्स पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशन भारत सरकार की अधिसूचना आरा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में अधिनियम संख्या स० के-164 से माँ टी एफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस समय अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

श्री यह तेल और ग्राहकता दैस आयोग ने 4-4-71 का उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्त (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्याप्त कर दिया है।

अब अब ऐसे अनुसूचियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारों उक्त सारीख को ऊपर निर्विष्ट सक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

प्रान्तिक सूची

दी एस के 164 में माँ टी एफ तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवर्तन				
मत्रालय का नाम	गांथ	सर्वेक्षण	भारत के संक्रिया के	
संख्या		राजपत्र के	पर्यवर्तन की	तारीख
पेट्रोलियम	धर्मामना	4503	18-10-75	4-4-71

[संख्या 12016/1/76-एस० एफ एल०/३]

S.O. 2765.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-164 to CTF in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 4-4-74.

Now therefore under Rule of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. K-164 to CTF

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Dhamansana	4503	18-10-75	4-4-74

[No. 12016/1/76-L&L/III]

कांग्रेस 2766—यह इस भवत्ता अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रैर्स पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशन भारत सरकार को अधिसूचना आरा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में अधिनियम संख्या 10 के-17, 110 एवं 163 से मीटी एफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस समय अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यह तेल श्री ग्राहकता दैस आयोग ने 19-6-73 को उस अधिनियम को धारा 7 की उपधारा (1) के अन्त (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्याप्त कर दिया है।

अब अब ऐसे अनुसूचियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त सारीख को ऊपर निर्विष्ट मंक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

प्रान्तिक सूची

दी एस के-17, 110 एवं 163 के मीटी एफ तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवर्तन

मत्रालय का नाम	गांथ	सर्वेक्षण	भारत के संक्रिया के	
संख्या		राजपत्र के	पर्यवर्तन की	तारीख
पेट्रोलियम	सैज	5258	13-12-75	19-6-73

[संख्या 12016/1/76-एस० एफ एल०/४]

S.O. 2766.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the land, specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-17, 110 & 163 to CTF in Kalol oil field in Gujarat State.

And Whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 19-6-73.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipelines from D.S. K-17, 110 & 163 to CTF.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	सैज	5258	13-12-75	19-6-73

[No. 12016/1/76-L&L /IV]

कांग्रा० 2762—यत इस संलग्न अनुमती में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (i) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्यवस्था के-159 से के-162 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उम संलग्न अनुमती में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

श्रीर यत तेल श्रीर प्राकृतिक गैस आयोग ने 29-4-74 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (i) के बष्ट (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवधित कर दिया है।

प्रब्र अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमाली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुमती

श्री एस कलोल-159 से के-162 तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण	भारत के सक्रिया के संघ	पर्यवसान के संघ
पेट्रोलियम	कलोल	5377	27-12-75	29-4-74

[सं० 12016/1/76-एल० एष्ट एल०/5]

S.O. 2767.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of Use in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No K-159 to K-162 in Kalol oil field in Gujarat State,

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 29-4-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Kalol-159 to K-162

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Kalol	5377	27-12-75	29-4-74

[No. 12016/1/76-L&L/V]

कांग्रा० 2768—यत इस संलग्न "एल०" में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (i) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्यवस्था के-159 से के-162 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उम संलग्न अनुमती में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

श्रीर यत तेल श्रीर प्राकृतिक गैस आयोग ने 27-6-1971 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (i) के बष्ट (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवधित कर दिया है।

प्रब्र अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमाली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट सक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुमती

श्री एस के-66 से जी जी एम-II तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण	भारत के सक्रिया के संघ	पर्यवसान के संघ
पेट्रोलियम	सैज	4502	18-10-75	27-6-74

[सं० 12016/1/76-एल० एष्ट एल०/6]

S.O. 2768—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-66 to G.G.S.-II in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 27-6-1974.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-66 to G.G.S.-II

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	सैज	4502	18-10-75	27-6-74

[No. 12016/1/76-L&L/VII]

का०आ० 2769.—यतः इन संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रबंधन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उआधारा (i) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के तेल थेव में व्यवस्था संखल म० के-159 से सी टी एफ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 29-4-74 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उआधारा (i) के बाण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यावरण कर दिया है।

अब यतः पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रबंधन) नियमावली 1963 के नियम 4 के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यावरण के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

दी एस के-159 से सी टी एफ तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवरण

मंत्रालय का नाम	गांव	संक्षण	भारत के मंत्रियों के संघ	पर्यवरण संक्रिया के लिए तारीख
पैट्रोलियम	सैग	5316	20-12-75	29-4-74

[सं० 12016/1/76-एल० एण्ड एन०/7]

S.O. 2769.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-159 to CTF in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 29-4-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. K-159 to C.T.F.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of the operation
Petroleum	Saij	5316	20-12-75	29-4-74

[No. 12016/1/76-L&L/VII]

का०आ० 2770.—यतः इन संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रबंधन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उआधारा (i) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल थेव में व्यवस्था संखल म० के-163 से सी टी एफ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 20-4-75 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उआधारा (1) के बाण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यावरण कर दिया है।

अब यतः पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का प्रबंधन) नियमावली 1963 के नियम 4 के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यावरण के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

दी एस के-163 से सी टी एफ तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवरण

मंत्रालय का नाम	गांव	संक्षण	भारत के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के लिए तारीख
पैट्रोलियम	सेर्हा धनाज	5138	6-12-75	20-4-75

[सं० 12016/1/76-एल० एण्ड एन०/8]

S.O. 2770.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-163 to CTF in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 20-4-75.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-163 to CTF.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Serha & DhanaJ	5138	6-12-75	20-4-75

[No. 12016/1/76-L&L/VIII]

का०आ० 2771.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का भर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल खेत में व्यवधन स्थल सं० के-168 से जी जी एस-VII तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 18-10-74 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 को उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का भर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निविष्ट संक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एवं द्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

जी एस के-168 से जी जी एस-VIII तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवर्तन

संकालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संक्षा	भारत के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के संक्षेप
पेट्रोलियम	उवारसद	3051	13-9-75	18-10-74

[मं० 12016/1/76-एल० एष्ट एल०/९]

S.O. 2771.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-168 to G.G.S.-VII in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 18-10-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipelines from D.S. K-168 to GGS-VII

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Uwarsad	3051	13-9-75	18-10-74

[No. 12016/1/76-L&L/IX]

का०आ० 2772.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का भर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल खेत में व्यवधन स्थल सं० के सीई से जी जी एस-VII तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 29-3-75 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यवर्तित कर दिया है।

अब, अन पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का भर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्विष्ट संक्रिया के पर्यवर्तन के रूप में एवं द्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

के सीई से जी जी एस VII तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवर्तन

संकालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संक्षा	भारत के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के संक्षेप
पेट्रोलियम	कलोल		4968	22-11-75

[सं० 12016/1/76-एल० एष्ट एल०/१०]

S.O. 2772—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. KCE to GGS-VIII in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 29-3-75.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from KCE to GGS-VIII

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Kalol	4968	22-11-75	29-3-75

[No. 12016/1/76-L&L/X]

S.O. 2773.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्यधन स्थल सं. जी जी एस-II से सी टी एक तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उग सत्राम अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः नेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 22-12-1973 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

* अब यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सभाम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्विष्ट सक्रिया के पर्यवसान के रूप में एनडएस अधिसूचित करता है।

अनुसूची

सी टी एस-II से सी टी एक तक पाइपलाइन के लिये कार्य के पर्यवसान

मत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपथ के पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख	सक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पेट्रोलियम	सैज	1825	15-11-75	22-12-73

[सं. 12016/1/76-एन० एण्ड एस० (II)]

S. O. 2773.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. GGS-II to CTF in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 22-12-73.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from GGS-II to CTF

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Saij	4825	15-11-75	22-12-73

[No. 12016/1/76-L&L/XI]

S.O. 2774.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में व्यधन स्थल सं. के-134 से जी जी एस-8 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उग सत्राम अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया है।

और यतः नेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 26-4-71 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्विष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सभाम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्विष्ट सक्रिया के पर्यवसान के रूप में एनडएस अधिसूचित करता है।

अनुसूची

जी एस-के-134 से जी जी एस-8 तक पाइपलाइन के लिये कार्य के पर्यवसान

मत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपथ के पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख	सक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पेट्रोलियम	कलोल	1822	14-6-75	26-4-71

[सं. 12016/1/76-एल० एण्ड एस० /12]

S. O. 2774.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-134 to GGS-8 in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 26-4-71.

Now therefore under rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-134 to GGS-8

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Kalol	1822	14-6-75	26-4-71

[No. 12016/1/76-L&L/XII]

का० अ० 2778—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट श्रीर पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल खेत्र में अधिन स्थल सं० के-159 से 162 में सी टी एफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उक्त संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 29-4-74 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट क्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन संक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को उपर नियिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एनदब्ल्यूए प्रधिसूचित करता है।

अनुसूची

डी एस के-159 से 162 में सी टी एफ तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण	भारत के संक्रिया के संस्था	राजपथ के पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख
पेट्रोलियम	छतराल	5318	20-12-75	29-4-74

आइजन्ट शोला

[सं० 12016/1/76-एल० एण्ड एल०/13]

S. O. 2775.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-159 to 162 to C.T.F. in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 29-4-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-159 to 162 to C.T.F.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	Chatral Island Ola	5318	20-12-75	29-4-74

[No. 12016/1/76-L&L/XIII]

का० अ० 2776.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट श्रीर पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य के कलोल तेल खेत्र में अधिन स्थल सं० के-166 से 159 में सी टी एफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उक्त संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 29-4-74 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट क्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन संक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर नियिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एनदब्ल्यूए प्रधिसूचित करता है।

अनुसूची

डी एस के-166 से 159 में सी टी एफ तक पाइपलाइन के लिये कार्य का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण	भारत के गल्या	राजपत के पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख
पेट्रोलियम	सैज		5317	20-12-75

पेट्रोलियम सैज 29-4-74

[सं० 12016/1/76-एल० एण्ड एल०/14]
के० वी० देशपांडे, संक्षम प्राधिकारी

S. O. 2776.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. No. K-166 to 159 to C.T.F. in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 29-4-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation referred to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. K-166 to 159 to C.T.F.

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum	सैज	5317	20-12-75	29-4-74

[No. 12016/1/76-L&L/XIV]
K.V. DESHPANDE, Competent Authority

कर्जा मंडालथ

(कायना विभाग)

तई दिल्ली, 15 जुलाई, 1976

फै० आ० 2777.—केन्द्रीय मण्डार को यह प्रतीत होता है कि इससे उत्तरवद् अनुसूची से बोयला भूमियों से कोयला अधिप्राप्त किए जाने की गम्भीरता है।

अतः अब कोयला बाले थेक्स (ब्रजेन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मण्डार उनमें पूर्वशेष करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले थेक्स के रेखाक का निरीक्षण थेस्टर्न कोलकाता नियम लिमिटेड (राजन्व अनुभाग) के कार्यालय बिलासपुर हाउस, टेम्पल रोड, नागपुर-1 या कलकटा के कार्यालय, बिलासपुर (मध्य प्रदेश) या कोयला नियन्त्रक के कार्यालय, 1, काउन्सिल हाउस एंट्री, कलकत्ता में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितवद् सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी मानचिक्ष, चार्ट और अन्य दस्तावेज़े इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर गजस्व अधिकारी, थेस्टर्न कोलकाता नियमिटेड बिसेसर हाउस, टेम्पल रोड, नागपुर-1 को परिवर्तन कर देंगे।

अनुसूची

जटराज ब्लॉक (विस्तारण)

कोयला कोयला बाले थेक्स

रेखाक म० डब्ल्यू मी एस/यो एल जी/के आर
बी/ सी बी ए/ १-२६ नारीख १८-२-७६

क्रम	नाम	तहसील	हठका	थेक्स	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
स०		म०	म०				
1	बरमाली	काठधोरा	51	96	बिलासपुर	भाग	
2	दर्पा	"	51	118	"	भाग	
3	जेल	"	51	97	"	भाग	
4	खामारिया	"	24	98	"	भाग	

कुल क्षेत्र 672 00 एकड़ (लगभग)
271 949 टेक्टेक्स (लगभग)

सीमा वर्णन

अ—आ रेखा गेयोरा और बारमाली ग्रामों की सीमान्त सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "अ" पर मिलती है।

अ—ट रेखा बरमाली और खामारिया ग्रामों से होकर जाती है और जेल तथा खामारिया ग्रामों की सामान्य सीमा पर बिन्दु "ट" पर मिलती है।

ट—छ रेखा जेल और दर्पा ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

छ—ज रेखा दर्पा ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—ज रेखा का० आ० स० 1551 तारीख 6 मई, 1975 के अधीन पहिने ही अधिसूचित जटराज ब्लॉक की उत्तरी सीमा के साथ साथ दर्पा और बरमाली ग्रामों से होकर जाती है और "ज" बिन्दु पर मिलती है।

[ग० 19(40)/76-सेल

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, 15th July, 1976

S. O. 2777.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Bisesar House, Temple Road, Nagpur-1 or at the office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Bisesar House, Temple Road, Nagpur-1 within 90 days from due date of publication of this notification.

SCHEDULE

Jatraj Block (Extension)

Korba Coalfield

Drawing No. WCL/PLG/KRB/CBA/1-76 dated 18-2-76

Sl. No.	Village	Tahsil	Halka No.	Khewat No.	District	Area	Remarks
1.	Barpali	Katghoia	51	96	Bilaspur		Part
2.	Durpa	"	51	118	"		Part
3.	Jail	"	51	97	"		Part
4.	Khamaria	"	24	98	"		Part

Total area : 672 00 acres (approximately)

or

271.949 hectares (approximately).

Boundary Description :

I-J Line passes along the common boundary of villages Geora and Barpali and meets at point "J".

J-K Line passes through villages Barpali and Khamaria and meets at point "K" on the common boundary of villages Jail and Khamaria.

K-G Line passes through villages Jail and Durpa and meets at point "G".

G-H Line passes through village Durpa and meets at point "H".

H-L Line passes through villages Durpa and Barpala along the northern boundary of Jatraj Block already notified under S.O. No. 1551 dated 6th May, 1975 and meets at point "L".

[No. 19(40)/76-CEL]

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1976

का० आ० 2778.—केन्द्रीय मरकार को पेशा प्रतीत होता है कि इसमें उपावन्द अनुसूची में उल्लिखित परिक्षेत्रों में स्थित भूमि में कोयला प्राप्त होने की सम्भावना है।

श्रत. अब, बैन्द्रीय मरकार, कोयला आंसे थेव (अधिग्रहण और विवास) अधिनियम, 1951 (1951 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रतियों का प्रयोग करते हुए उसमें कोयला के पूर्वोक्त के लिए अपने आशय का नोटिस देती है।

इस प्रधिमूचना में आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण सेन्ट्रल कोलफिल्ड लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस रांची (बिहार) या कोयला नियंत्रक, 1 कीमिय दरभंगा मार्ग, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस प्रधिमूचना के अन्तर्गत आने वाली रामी भूमियों में हितवन्द सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी मानचित्र, चार्ट और अन्य दस्तावेज उस प्रधिमूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिनों के भीतर राजस्व अधिकारी मेन्ट्रल कोलफिल्ड लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को प्रस्तुत करें।

प्रनमूची
गुजराठीह ग्राम
पूर्वी बोकारा कोयला क्षेत्र

डी आर जी स० राज/17/76 तारीख 1-3-76

(सम्भावना वाली प्रधिमूचित भूमि को दर्शित करते हुए।)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला क्षेत्र	टिप्पणी
1.	मकौली	नवाडीह (बेरमो)	69	मिरोडीह	भाग
2.	गुजराठीह	"	72	"	"
3.	चापड़ी	"	73	"	"

कुल क्षेत्र 905-00 एकड़ (लगभग)
या 366.24 हेक्टेयर (लगभग)

सीमा क्षेत्र विवरण

- क--ख यह रेखा चापड़ी ग्राम से होकर जाती है।
- घ--ग यह रेखा दोरही और मकौली ग्रामों की भागत: सामान्य सीमा रेखा से होकर जाती है।
- ग--घ--ड यह रेखा मकौली ग्राम से होकर जाती है (जो पूर्व सेलेक्टेड होरी कोयलारी की भागत: सामान्य सीमा रेखा भी बनाती है)।
- इ--इ--ड रेखा मकौली ग्राम से होकर जाती है।
- छ--ज रेखा मकौली ग्राम से होकर जाती है (जो न्यू सेलेक्टेड होरी कोयलियरी की भागत: सामान्य सीमा रेखा भी बनाती है)।
- ज--झ यह रेखा मकौली और तरमी ग्रामों की भागत: सामान्य सीमा के साथ साथ जाती है (जो तरमी कोयला खान की भागत: सामान्य सीमा रेखा भी बनाती है)।
- झ रेखा गुजराठीह और तरमी ग्रामों की भागत: सामान्य सीमा रेखा से होकर जाती है (जो तरमी कोयला क्षेत्र की भागत: सामान्य सीमा रेखा भी बनाती है)।

- ट यह रेखा गुजराठीह ग्राम से होकर जाती है।
- ठ--ठ--ड यह रेखा गुजराठीह ग्राम से होकर जाती है।
- य--ड यह रेखा गुजराठीह ग्राम, गुजराठीह और मकौली ग्रामों की भागत: सामान्य सीमा और चापड़ी तथा मकौली ग्रामों की भागत: सामान्य सीमा से होकर जाती है।
- इ--ण यह रेखा चापड़ी ग्राम के नाले के भागत: पश्चिमी फिनारे से होकर जाती है।
- ण रेखा चापड़ी ग्राम से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[स० 19(41)/76-सैल]
चन्द्रधर त्रिपाठी, नियंत्रक

New Delhi, the 15th July, 1976

S. O. 2778.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or at the office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar), or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notifications shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within 90 days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

Gunjardih Block
East Bokaro Coalfield

DRG. NO. Rev/17/76

Dated 1-3-76

(Showing lands notified for prospecting)

S. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Makoli	Nawadih (Berma)	69	Giridih	Part	
2.	Gunjardih	"	72	"	"	
3.	Chapri	"	73	"	"	

Total area :- 905.00 (approximately)
or 366.24 hectares (approximately).

Boundary Description :

A-B line passes through village Chapri.

B-C line passes along the part common boundary of villages Dhorri & Makoli.

C-D-F lines pass through village Makoli (which forms part common boundary with New Selected Dhorri Colliery).

E-F-G lines pass through village Makoli.

- G-H line passes through village Makoli (which also form part common boundary with Selected Dhori Colliery).
- H-I line passes along the part common boundary of villages Makoli & Tarmi (which also form part common boundary with Tarmi Colliery).
- L-J line passes along the part common boundary of villages Gunjardih & Tarmi (which also form part common boundary with Tarmi Colliery).
- J-K line passes through village Gunjardih.
- K-L-M lines pass through village Gunjardih.
- M-N line passes through village Gunjardih, also part common boundary of villages Gunjardih & Makoli and part common boundary of villages Chapri & Makoli.
- N-O line passes along the part Western bank of Nala in Village Chapri.
- O A line passes through village Chapri and meets at starting point 'A'.

[No. 19(41)/76-CEL]
C. D. TRIPATHI, Director

स्वास्थ्य और परिवार मियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 12 जूलाई, 1976

का० आ० 2779.—“भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956) का 102 की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अंकितों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् हसके द्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुमूली में निम्न-विवित और मणोधन करती है—

उक्त अनुमूली में—

(i) इलाहाबाद विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “आयुर्विज्ञान वाचस्पति (वाल्पिकिस्मा) . . आ० वाच० (वा०च०)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः “स्वर्यव तथा कर्णरोग विज्ञान उपाधि पद स्व०कर्ण०उपा० शल्यविज्ञान निष्णात् (प्रसूति तथा स्त्रीरोगविज्ञान) . . श०नि० (प्र० तथा स्त्री रोग०)

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (प्रसूति और स्त्रीरोगविज्ञान) . आ०वाच० (प्र० तथा स्त्रीरोग०)

(ii) गान्धी प्रदेश विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “क्षयरोग उपाधि-पद शय उपा० प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

चिकित्सा विकिरण निदान उपाधिपद . चि०चि०नि०उपा० प्रायुर्विज्ञान वाचस्पति (आ० विकिस्मा) आ०वाच० (आ० विक०)

शिष् स्वास्थ्य उपाधिपद शि०स्वा० उपा०

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन) . . आ०वाच० (जी० रसा०)

(iii) बंगलौर विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “विमान आयुर्विज्ञान उपाधिपद . . वि०आ०उपा०” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनोवैज्ञानिक आयुर्विज्ञान) . . आ०वाच० (मन०आ०)

शिष् स्वास्थ्य उपाधिपद . . शि०स्वा०उपा० आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मामान्य आयुर्विज्ञान) आ०वाच० (मा०आ०) शल्यविज्ञान निष्णात् (मामान्य शल्यविज्ञान) श०नि० (मा०श०) शल्यविज्ञान निष्णात् (कान, नाक, गला) श०नि० (कान, नाक, गला) स्वर्यव तथा कर्णरोग विज्ञान उपाधिपद श्व०कर्ण०उपा० शल्यविज्ञान निष्णात् (नेत्र विज्ञान) . . श०नि० (नें०च०) नेत्रविज्ञान उपाधिपद . . नें०उपा० वैदेयनाहण उपाधिपद . . वै०उपा० विकलाग विज्ञान उपाधिपद . . वि०उपा०

(iv) भोपाल विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “आयुर्विज्ञान तथा शल्यविज्ञान स्नातक . . आ०श०स्ना०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया रखी जाएं, नामतः

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शरीरक्रिया विज्ञान) आ०वाच० (श० विक०)

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (श्रोष्ट विज्ञान) . . आ०वाच० (श्र० विक०)

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (रोग विज्ञान) . . आ०वाच० (रो० विक०)

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (शाल्य विज्ञान) . . शा०वाच० (शा० विक०)

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण) . . शा०वाच० (वि०च०)

शल्यविज्ञान निष्णात् (त्वं विज्ञान) . . श०नि० (तें०च०)

नेत्रविज्ञान और शल्यविज्ञान उपाधिपद नें०श०उपा०

आयुर्विज्ञान वाचस्पति (निनिरण) आ०वाच० (विकिरण) चिकित्सा विकिरण और विश्वृत चिकित्सा उपाधिपद शि०च० वि०उपा०

क्लिनिकी रोगविज्ञान उपाधिपद . . क्लि०रो०उपा०

(v) जगदलपुर विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “आयुर्विज्ञान वाचस्पति (रोगविज्ञान) . . आ०वाच० (रो०विज्ञान) प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया रखी जाएं, नामतः

“शिष् स्वास्थ्य उपाधिपद . . शि०स्वा०उपा०

शल्यविज्ञान निष्णात् (कान, नाक, गला) . . श०नि० (कान, नाक, गला)

प्रयुक्तिविज्ञान वाचस्पति (शरीरक्रिया विज्ञान) आ०वाच० (श०विक०);

(vi) केरल विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “आयुर्विज्ञान वाचस्पति (जीव रसायन) . . आ०वाच० (जी०रसायन)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“आयुर्विज्ञान वाचस्पति (श्रोष्ट विज्ञान) . . आ०वाच० (श्र०विज्ञान)”; ।

(vii) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सबंधी प्रविष्टियों में “आयुर्विज्ञान तथा शल्यविज्ञान स्नातक . . आ०श०स्ना० प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया रखी जाएं, नामतः

- "शिशु स्वास्थ्य उपाधिपत्र . . . शिंस्वा०उपा०
शल्यविज्ञान निष्णात विकलागविज्ञान) . . . श०नि० (विकलाग-
विज्ञान)
- आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आलचिकित्सा) . . . आ०वा०च० (आल-
चिकित्सा);
- (viii) मध्यनक विश्वविद्यालय संबंधी प्रविभिट्यो में "शल्यविज्ञान निष्णात (प्लास्टिक शल्यविज्ञान) . . . श०नि० (प्लास्टिक शल्यविज्ञान)" प्रविभिट के पश्चात् निम्नलिखित प्रविभिट्या रखी जाएँ, नामत-
- "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आलचिकित्सा) . . . आ०वा०च० (आल-
चिकित्सा)"
- (आयुर्विज्ञान वाचस्पति (मनचिकित्सा) . . . आ०वा०ट० (मन-
चिकित्सा);
- (ix) मद्रास विश्वविद्यालय संबंधी प्रविभिट्यो में "आयुर्विज्ञान वाचस्पति (विकिरण चिकित्सा) . . . आ०वा०च० (विकिरण चिकित्सा)" प्रविभिट के पश्चात् निम्नलिखित प्रविभिट प्रतिस्थापित की जाएँ—
"मनोवैज्ञानिक आयुर्विज्ञान उपाधिपत्र . . . मनो०आ०उपा०";
- (x) पंजाब विश्वविद्यालय संबंधी प्रविभिट्यो में "क्षयरोग और वक्षरोग उपाधिपत्र . . . क्ष०व०उपा०" प्रविभिट के बाद निम्नलिखित प्रविभिट्यां रखी जाएँ—
"चिकित्सा विकिरण विज्ञान उपाधिपत्र . . . चि०वि०उपा०
प्रसूति और स्त्रीरोगविज्ञान उपाधिपत्र . . . प्र०स्त्री०उपा०
शिशु स्वास्थ्य उपाधिपत्र . . . शिंस्वा०उपा०
शल्यविज्ञान निष्णात (विकलागविज्ञान) . . . श०नि० (विकलाग-
विज्ञान)
आयुर्विज्ञान वाचस्पति (आलचिकित्सा) . . . आ०वा०च० (आल-
चिकित्सा));
- (xi) पूना विश्वविद्यालय संबंधी प्रविभिट्यो में विकिरण विज्ञान संबंधी निदान उपाधिपत्र . . . चि०वि०नि०उपा०" प्रविभिट के बाद निम्नलिखित प्रविभिट्या रखी जाएँ—
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (क्षयरोग और वक्ष/व्यवस्थन रोग) . . . आ०वा०च० (क्षयरोग और वक्ष/व्यवस्थन रोग)
शल्यविज्ञान निष्णात (विकलागविज्ञान) . . . श०नि० (विकलाग-
विज्ञान))";
- (xii) पंजाबी विश्वविद्यालय संबंधी प्रविभिट्यो में "शल्यविज्ञान निष्णात (शरीर रक्तना विज्ञान) . . . श०नि० (शरीर रक्तना विज्ञान) प्रविभिट के पश्चात् निम्नलिखित प्रविभिट रखी जाएँ—
"आयुर्विज्ञान वाचस्पति (रोगविज्ञान स्था सूक्ष्मजीव विज्ञान) . . . आ०वा०च० (रोग विज्ञान स्था सूक्ष्म जीवविज्ञान)'"

[नं० बी०/11015/13/76-एम०पी०टी०]
एम० श्रीतिशासन, उपमंचित्र

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING
(Department of Health)

New Delhi, the 12th July, 1976

S.O. 2779.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting

the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule ;—

(i) in the entries relating to the Allahabad University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics) . . . M. D. (Paediatrics)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Oto-rhino-Laryology . . . D.R.O.
Master of Surgery (Obst. & Gynae.) . . . M.S.
(Obst. & Gynae.)

Doctor of Medicine (Obst. & Gynae.) . . . M.D.
(Obst. & Gynae.)

(ii) in the entries relating to Andhra University, after the entry "Diploma in Tuberculosis Diseases . . . T. D. D.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Medical Radiology Diagnosis . . . D.M.R.D.

Doctor of Medicine (Paediatrics) . . . M.D.
(Paediatrics)

Diploma in Child Health . . . D.C.H.

Doctor of Medicine (Biochemistry) . . . M.D.
(Biochemistry).";

(iii) in the entries relating to the Bangalore University, after the entry "Diploma in Aviation Medicine . . . Dip. Av. Med.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Psychological Medicine) . . . M.D. (Psychological Medicine).

Diploma in Child Health . . . D.C.H.

Doctor of Medicine (General Medicine) . . . M.D.
(General Medicine)

Master of Surgery (General Surgery) . . . M.S.
(Gen. Surg.)

Master of Surgery (E.N.T.) . . . M.S. (E.N.T.).
Diploma in Oto-rhino Laryngology . . . D.R.O.

Master of Surgery (Pthahalmology) . . . M.S.
(Ophthalmology).

Diploma in Ophthalmology . . . D.O

Diploma in Anaesthesia . . . D.A.

Diploma in Orthopaedics . . . D. Orth.";

(iv) in the entries relating to the Bhopal University after the entry, Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery . . . M.B.B.S.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Physiology) . . . M.D.
(Physiology).

Doctor of Medicine (Pharmacology) . . . M.D.
(Pharmacology).

Doctor of Medicine (Pathology) . . . M.D.
(Pathology).

Doctor of Medicine (Medicine) . . . M.D.
(Medicine).

Master of Surgery (Medicine) . . . M.S.
(Surgery).

Master of Surgery (Orthopaedics) . . . M.S.
(Orthopaedics).

Master of Surgery (Ophthalmology) . . . M.S.
(Ophth.).

- Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery.....
D.O.M.S.
- Doctor of Medicine (Radiology).....M.D.
(Radiology).
- Diploma in Medical Radiology and Electrology....
D.M.R.E.
- Diploma in Clinical Pathology.....D.C.P.;
- (v) in the entries relating to the Jabalpur University, after the entry "Doctor of Medicine (Pathology).....M.D. (Pathology)" the following entries shall be inserted, namely:—
- "Diploma in Child Health.....D.C.H.
Master of Surgery (E.N.T.).....M.S. (E.N.T.).
Doctor of Medicine (Physiology).....M.D. (Phy.)";
- (vi) in the entries relating to the Kerala University, after the entry "Doctor of Medicine (Biochemistry).....M.D. (Biochemistry)", the following entry shall be inserted, namely:—
- "Doctor of Medicine (Pharmacology).....M.D. (Pharm.)";
- (vii) in the entries relating to the Kurukshetra University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery.....M.B.B.S.", the following entries shall be inserted, namely:—
- "Diploma in Child Health.....D.C.H.
Master of Surgery (Orthopaedics).....M.S.
(Orthopaedics).
Doctor of Medicine (Paediatrics).....M.D.
(Paediatrics).";
- (viii) in the entries relating to the Lucknow University, after the entry "Master of Surgery (Plastic Surgery).....M.S. (Plastic Surgery)", the following entries shall be inserted, namely:—
- "Doctor of Medicine (Paediatrics).....M.D.
(Paediatrics).
Doctor of Medicine (Psychiatry).....M.D.
(Psychiatry).";
- (ix) in the entries relating to the Madras University, after the entry "Doctor of Medicine (Radio-therapy).....M.D. (Radio-therapy)", the following entry shall be inserted, namely:—
- "Diploma in Psychological Medicine.....D.P.M.;"
- (x) in the entries relating to the Punjab University, after the entry "Diploma in Tuberculosis and Chest Diseases.....D.T.C.D.", the following entries shall be inserted, namely:—
- "Diploma in Medical Radiology.....D.M.R.
Diploma in Obstetrics and Gynaecology.....D.G.O.
Diploma in Child HealthD.C.H.
Master of Surgery (Orthopaedics).....M.S.
(Orthopaedics).
Doctor of Medicine (Paediatrics).....M.D.
(Paediatrics).";
- (xi) in the entries relating to the Poona University, after the entry "Diploma in Medical Radiological Diagnosis.....D.M.R.D.", the following entries shall be inserted, namely:—
- "Doctor of Medicine (Tuberculosis & Chest/Respiratory Diseases).....M.D. (Tuberculosis and Chest/Respiratory Diseases).
Master of Surgery (Orthopaedics).....M.S.
(Orthopaedics).";
- (xii) in the entries relating to the Punjabi University, after the entry "Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy)", the following entry shall be inserted, namely:—
- "Doctor of Medicine (Pathology & Microbiology).....M.D. (Path. & Micro)".

[No. V-11015/13/76-MPT]
S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

का० आ० 2780.—केन्द्रीय सरकार, खाद्य प्रपत्तिशण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री कृष्ण कुमार को उन राज्यक्षेत्रों के लिए खाद्य निरीक्षक नियुक्त करती है जिनको उक्त अधिनियम लागू होता है और जिन राज्यक्षेत्रों को, उक्त अधिनियम के प्रयोगनार्थ, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1972 तारीख, 6 अक्टूबर, 1972 द्वारा स्थायी रूप से घोषित किया गया है।

[सं० 17-104/75-PH(F&N)(एफ० एण्ड एन०)/सी०पी०एफ०ए०]
रमेश बहादुर, प्रबंध सचिव (डॉ)

S.O. 2750.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Krishna Kumar, as Food Inspector for the territories to which the said Act applies, which territories have been declared as local area for the purposes of the said Act by the notification of the Government of India, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. GSR 1972, dated the 6th October, 1971.

[No. 17-104/75-PH(F&N)/CPFA]
RAMESH BAHAUDUR, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 9 जूलाई, 1976

का० आ० 2781.—वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 47 के खण्ड (क) के उप खण्ड (1) के प्रत्युत्तर में, वन्य जीव संरक्षण उक्त धारा के प्रयोगनार्थ श्री के० विश्वनाथन, सहायक निदेशक, वन्य जीव संरक्षण को प्राधिकृत करते हैं।

[सं० जे० 13011/7/75-एफ० डी० (डब्ल्यू० एल० एफ०)]

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 9th July, 1976

S.O. 2781.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 47 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Director of Wild Life Preservation hereby authorises Shri K. Viswanathan, Assistant Director of Wild Life Preservation for the purposes of the said section.

[No. J-13011/7/75-FD(WLF)]

का० आ० 2782.—वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 47 के खण्ड (क) के उप खण्ड (1) के प्रत्युत्तर में, निदेशक, वन्य जीव संरक्षण उक्त धारा के प्रयोगनार्थ श्री ए० बोस, सहायक निदेशक, वन्य जीव संरक्षण को प्राधिकृत करते हैं।

[सं० जे० 13011/7/75-एफ० डी० (डब्ल्यू० एल० एफ०)
एन० डी० जयाल, निवेशक

S.O. 2782.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 47 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Director of Wild Life Preservation hereby authorises Shri A. Bose, Assistant Director of Wild Life Preservation, for the purposes of the said section.

[No. J-13011/7/75-FD(WLF)]
N. D. JAYAL, Director

प्राम विकास विभाग

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1976

का० आ० 2783.—कांगड़ा चाय शेणीकरण और भंकन नियम, 1975 का प्रारूप, कृषि उपज (शेणीकरण और भंकन) "अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा; यथावैशिष्ट भारत सरकार के कृषि और सिवाई मंदिरालय (चाम विकास विभाग) की अधिकृतना संघा का० आ० 2461, तारीख 14 जुलाई, 1975 के साथ, भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उप खण्ड (ii) तारीख 2 अगस्त 1975 के पृष्ठ 2853-2855 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सब व्यक्तियों से, जिनका उससे प्रभावित होना सम्भाष्य है, उक्त अधिकृतना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि के भीतर अपेक्षा और सुझाव भागे गए थे;

और उक्त राजपत्र 2 अगस्त, 1975 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और जनता से जो अपेक्षा या सुझाव प्राप्त हुए थे उन पर केन्द्रीय सरकार ने विवार कर लिया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

कांगड़ा चाय शेणीकरण और भंकन नियम, 1976

1. संक्षिप्त नाम लागू होना और प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम कांगड़ा चाय शेणीकरण और भंकन नियम, 1976 है।

(2) ये हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा और भंकन जिलों में, उगाई जाने वाली कैमीलिया साइरेन्स। कैमीलिया चिक्का से व्युत्पन्न चाय को लागू होंगे।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूस होंगे।

2. परिमाण इन नियमों में,—

(1) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभियंत्र है;

(2) "प्राधिकृत पैकर" से वह व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभियंत्र है जिसे कृषि विपणन सलाहकार द्वारा, वाणिज्य का इन नियमों के अधीन विहित शेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार शेणीकरण और भंकन करने के लिए प्राधिकरण प्रभागपत्र दिया गया है।

(3) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभियंत्र है।

3. शेणी अभियान :—कांगड़ा चाय की क्वालिटी अपदार्शित करने के लिए शेणी अभियान वे होंगे जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 1 में उपलिखित हैं।

4. क्वालिटी की परिमाण :—शेणी अभियान द्वारा उपरिकृत क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची II के स्तम्भ 2 से 8 तक में उपलिखित है।

5. शेणी अभियान चिह्न :—(1) बोरियों या कपड़े की बैलियों या सफड़ी/पर्टी लकड़ी के खोबों या कागज के छिपों में पैक की गई कांगड़ा चाय का शेणी अभियान चिह्न एक लेबल के रूप में होगा जिस पर एक डिजाइन होगी जो कि "ऐगनार्क" शब्द सहित भारत के मानविक तथा "भारत की उपज" शब्दों के साथ "उद्योगात" सूर्य की प्राकृति से मिलकर बनेगी जो अनुसूची 1 में उपलिखित चिह्न के सदृश हो।

(2) पालिएलीन की बैलियों या कागज की बैलियों या कपड़े की बैलियों में पैक की गई कांगड़ा चाय की बजाएं, अभियान चिह्न की ऐसी डिजाइन भी हो सकेगी जिसमें प्राधिकरण के प्रभागपत्र की संघा, "ऐगनार्क" शब्द तथा कृषि विपणन सलाहकार द्वारा यथा अनुमोदित शेणी समाविष्ट हो।

6. भंकन की पद्धति :—(1) शेणी अभियान चिह्न प्रत्येक आधान पर ऐसी रीति में, जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित है, मरमूती से लगाया जा सुनित किया जाएगा।

(2) उपर्युक्त के अनुसार, प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विधिष्ठियाँ भी ऐसी रीति में जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित है, स्वष्टवया और प्रामाण्य रूप में अनुकूल की जाएंगी, अर्थात् :—

- (क) कूट या सादे ग्रहरों में पैकिंग की तारीख,
- (ख) प्रत्यय संघा,
- (ग) पैकर का नाम और पता,
- (घ) पैकिंग का स्थान, तथा
- (ङ) शुद्ध भार।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार का पूर्ण अनुमोदन अभियान करने के पश्चात्, आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न ऐसी रीति में अनुकूल कर सकेगा जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित है, परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिह्न चाय की ऐसी क्वालिटी या शेणी व्यवहित न करता हो जो इन नियमों के अनुसार आधान पर लगाए गए शेणी अभियान चिह्न द्वारा उपदार्शित क्वालिटी या शेणी से मिल न है।

7. बैलिंग की पद्धति :—(1) कांगड़ा चाय—

(क) अक्षत और स्वच्छ बोरियों या सफड़ी/पर्टी लकड़ी के खोबों या कागज के छिपों में पैक की जाएंगी, जहाँ कि चाय का शुद्ध भार पाँच किलोग्राम से अधिक है; अथवा

(ब) पालिएपिलीन के धैसों या कागज की थेलियों या कपड़े की थेलियों में, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से पैक की जाएगी, जहाँ कि चाय का शुद्ध भार पाक किलोग्राम या उससे कम है।

(2) आधारों को कृषि विपणन मनाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से मजबूरी से बद और सोहरवद किया जाएगा।

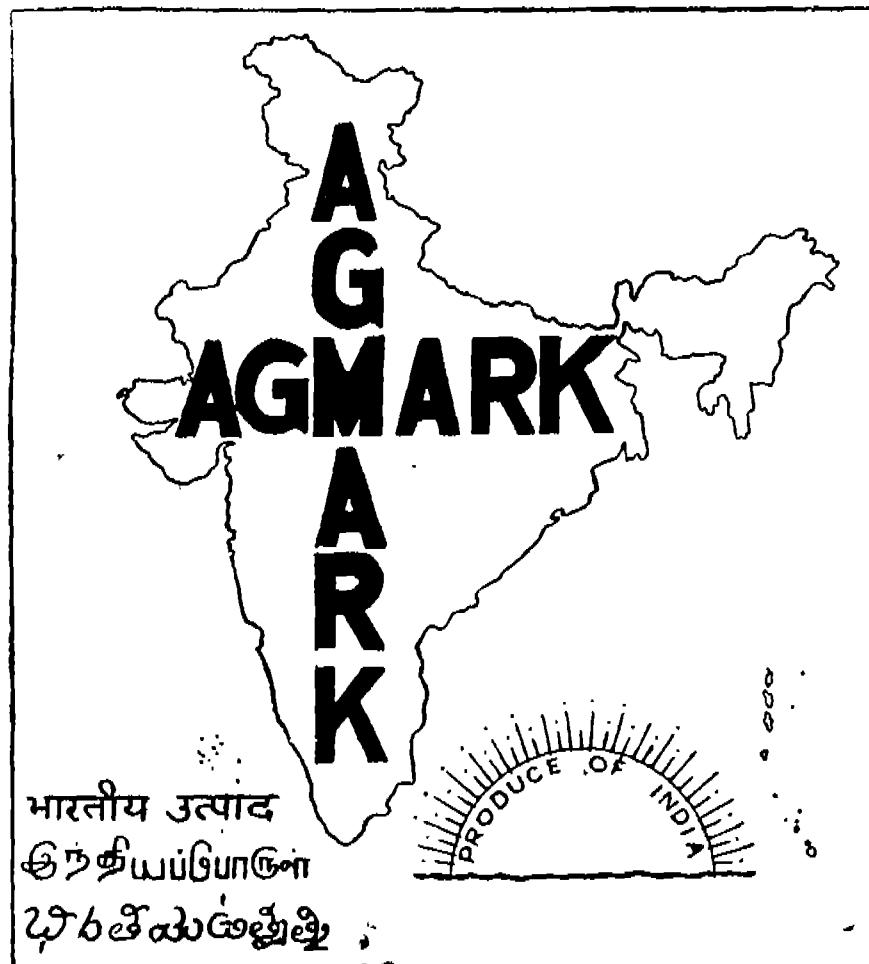
९. प्राधिकरण, प्रमाणपत्र की विशेष घार्ते—साधारण श्रेणीकरण और अंकन नियम, 1937 के नियम ४ में विनिविष्ट शर्तों के प्रतिरिक्षण, उन शर्तों का, जो अनुसूची ३ में उपर्याप्त है, प्रत्येक प्राधिकृत द्विकर द्वारा, कृषि विपणन सलाहकार के समाधानप्रद रूप में, अनुपालन किया जाएगा।

अनुसूची—१

(नियम ५ (१) देखिए)

कागड़ा चाय का श्रेणी अभियान जिहन।

भारत का मानविक



अनुसूची—२

(नियम ३ और ४ देखिए)

कागड़ा चाय का श्रेणी अभियान और बवालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभियान

किसी की विशिष्टियां

साधारण अभियान

भार द्वारा कुल भस्म प्रतिशत	उबलाने हेए प्रसित जल में विलेय कुल भस्म व्युत्तम	H.C.L.	जल विलेय भार, विलेय भस्म की आरीयसा जो भार द्वारा द्वारा K 20 प्रति- भस्म, भार प्रतिशत द्वारा अधिक- भात के रूप में प्रतिशत है।	प्रशोधित फाइबर, भौर द्वारा प्रतिशत
-----------------------------	--	--------	---	------------------------------------

१	२	३	४	५	६	७	८
के दी मानक	४.५ से ९.०	भार द्वारा कुल भस्म की ३४.० प्रतिशत	१.२	२३	१.० से २.२	१८.५	(१) भार के भौलिया साइनेस या केमीलिया विद्या के, जो हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा और मण्डी जिलों में उगाई जाती है, पौधों के पत्तों, किसलयों और कोमल वृन्तों से अनन्यतः प्राप्त की जाएगी।

1	2	3	4	5	6	7	8
							(2) इसे उचित रीति से सुखाया और प्रसंस्कृत किया जाएगा और यह किसी अतिरिक्त रक्क द्रव्य से मुक्त होगी।
							(3) यह कीटों के प्राक्रमण, फकूदी के उभार तथा किसी प्रशंसिकर गंध से मुक्त होनी तथा इसमें कांगड़ा चाय की विशेष गंध और स्वाद होंगे।
							टिप्पणी—

- स्तम्भ 2, 5 और 7 के अधीन विनियोग सीमाएं शुक्र भार आधार पर, अर्थात् 100 डिग्री सेंटीग्रेड पर नियन भार तक चाय सुखाने के पश्चात हैं।
- जल विलेव सार वह सार है जो शुक्र चाय को शोस्त जल के 100 भाग के साथ एक घण्टे तक पान्चबाही उचाल देने पर प्राप्त किया जाता है।

अनुसूची—3

(नियम 8 देखिए)

प्राधिकरण प्रभाग की विशेष शर्तें

- (क) कांगड़ा चाय का थ्रेणीकरण, हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा और मण्डी जिलों में केवल प्राधिकृत परिमर में ही चायाया जाएगा।
- (ख) प्राधिकृत पैकर प्रसंस्करण, भण्डारकरण और पैकिंग के दौरान कांगड़ा चाय के किसी सदूषण से बचने के लिए सभी पूर्णविधानों करेगा।
- (ग) यदि प्राधिकृत पैकर अन्य किसी की चाय का रोजगार भी उसी परिमर में करता है तो उसके द्वारा इन शर्तों को पर्यान्त पूर्णविधानियों को जाएगी कि चाय की विभिन्न किसी मिशन न हो जाए।
- (घ) प्राधिकृत पैकर चाय के परीक्षण के लिए ऐसे प्रबन्ध करेगा जो कृषि विषयन सलाहकार द्वारा समय-समय पर विहित किए जाएं। नमूनों के विश्लेषण के समूचित अभिलेख रखे जाएं।
- (इ) प्रतिचयन और विश्लेषण की पद्धतियों, आधान के भोहरबद करने और अंकन तथा अभिलेख रखने आदि के बारे में उन सब अनुदेशों का, जो कृषि विषयन मन्त्रालयकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएं, कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा।
- (ज) प्रत्येक प्रचय में, कृषि विषयन मन्त्रालयकार द्वारा इन नियमों सम्बन्धी रूप से प्राधिकृत नियोजक अधिकारी को ऐसी सुविधाएं उपलब्धित करेगा जो ऐसे अधिकारी के हूप में उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हों।

[सं० 13-2/74-ए० एम०]

एस० सेशाचारी, मंत्री सचिव

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 13th July, 1976

S.O. 2783.—Whereas a draft of the Kangra Tea Grading and Marking Rules, 1975 was published, as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), at pages 2855-2857 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 2nd August, 1975, with the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) No. SO 2461, dated the 14th July, 1975, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within a period of 45 days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 2nd August, 1975;

And whereas objections or suggestions received from the public have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

KANGRA TEA GRADING AND MARKING RULES, 1976.

1. Short title, and application and commencement.—(1) These rules may be called Kangra Tea Grading and Marking Rules, 1976.

(2) They shall apply to the Tea derived from *Camellia Sinensis/Camellia thea* grown in the Kangra and Mandi districts of the State of Himachal Pradesh.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules,—

(i) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(ii) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation by the Agricultural Marketing Adviser for grading and marking the commodity in accordance with grade standards and procedure prescribed under these rules;

(iii) "Schedule" means a schedule appended to these rules.

3. Grade designation.—The grade designation to indicate the quality of Kangra tea shall be as set out in column 1 of Schedule II.

4. Definition of quality.—The quality indicated by grade designation shall be as set out in columns 2 to 8 of Schedule II.

5. Grade designation mark.—(1) The grade designation mark for Kangra Tea, packed in gunny bags or cloth bags or wooden/plywood cases, or paper cartons shall consist of a label bearing a design consisting of an outline map of India with the words 'AGMARK' and the figure of "rising" Sun with the words "Produce of India" resembling the mark set out in Schedule I.

(2) The grade designation mark in case of Kangra tea packed in polyethylene bags or paper bags or cloth bags may also have a design incorporating the number of Certificate of Authorisation, the word 'AGMARK' and the grade as approved by the Agricultural Marketing Adviser.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the above, the following particulars shall also be clearly and indelibly marked on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser, namely :—

- (a) Date of packing in code or plain letters,
- (b) lot number,
- (c) name and address of packer,
- (d) place of packing, and
- (e) net weight.

(3) An authorised packer may, after obtaining the previous approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of tea different from that indicated by grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Kangra tea shall be packed,—

(a) in sound the clean gunny bags or wooden/plywood case or paper cartons where the net weight of tea is above 5 kilograms; or

(b) in polyethylene bags or paper bags or cloth bags where the net weight of tea is 5 kilograms or below as approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) The containers shall be securely closed and sealed in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

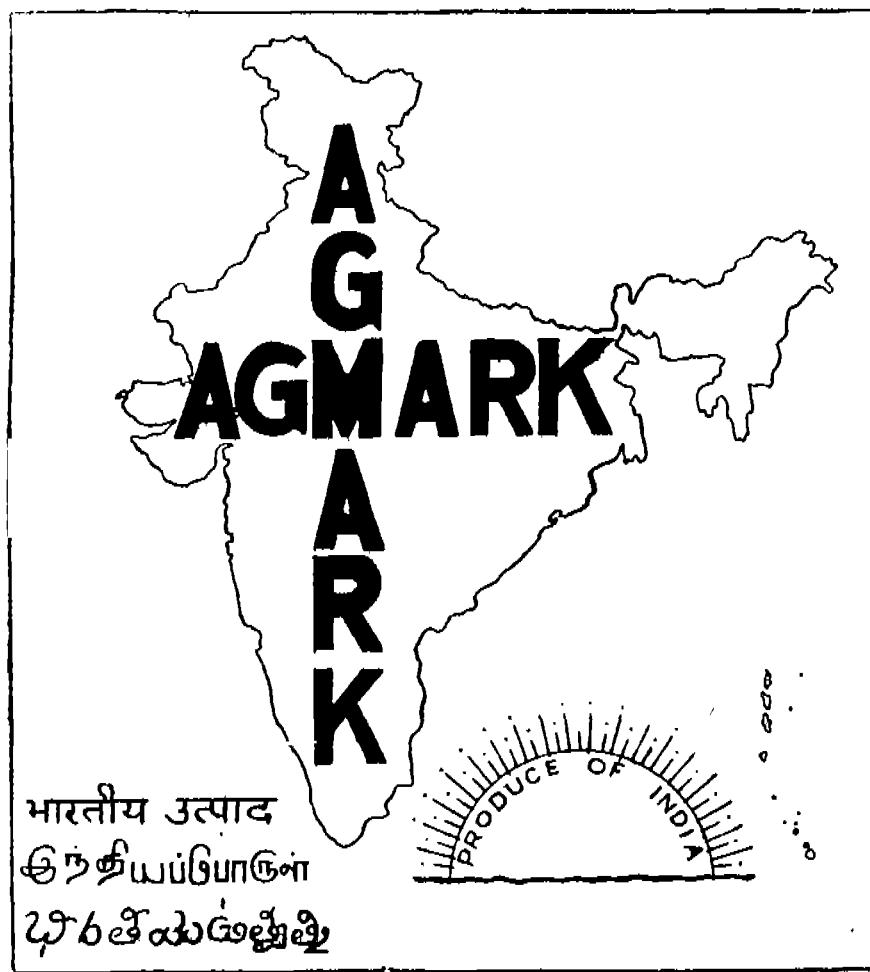
8. Special conditions of Certificate of Authorisation.—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the conditions as set out in Schedule III shall be observed by every authorised packer to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE—I

[See rule 5(1)]

Grade Designation mark of Kangra Tea

Map of India



SCHEDULE-II

(See rules 3 and 4)

Grade Designation and Definition of quality of Kangra Tea

Grade Designation	Quality		Particulars of Special Characteristics					General Characteristics
	Total ash percentage by weight	Total ash soluble in boiling distilled water Minimum	Ash insoluble in HCL Maximum	Water soluble Extract % by weight	Minimum % by weight	Alkalinity of soluble Ash expressed as K ₂ O % by weight	Crude fibre % by weight Maximum	
1	2	3	4	5	6	7	8	
KT STANDARD	4.5 to 9.0	34.0% of total ash by weight	1.2	23	1.0 to 2.2	18.5		1. The tea shall be derived exclusively from the leaves, buds and tender stems of plants of <i>Camellia Sinensis</i> or <i>Camellia tea</i> grown in Kangra and Mandi districts of the State of Himachal Pradesh. 2. It shall be properly dried and processed and shall be free from any added colouring matter. 3. It shall be free from insect attack, mould development and any obnoxious smell and shall have characteristic odour and taste of Kangra Tea.

NOTES :—1. The limits specified under columns 2, 5 and 7 are on dry weight basis, i.e. after drying the tea to a constant weight at 100° C.
2. Water soluble extract is the extract obtained by boiling dry tea with 100 parts of distilled water for one hour under reflux.

SCHEDULE-III

(See rule 8)

Special conditions of Certificate of Authorisation

- (a) The grading of Kangra Tea shall be carried out only in authorised premises in Kangra and Mandi districts of the State of Himachal Pradesh.
- (b) An authorised packer shall take all precautions to avoid any contamination of Kangra tea during processing, storage and packing.
- (c) If an authorised packer handles other types of the tea also in the same premises, adequate precautions shall be taken by him to avoid the mixing of different varieties of tea.
- (d) An authorised packer shall make such arrangements for testing tea as may be prescribed from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. Proper records of analysis of samples shall be maintained.
- (e) All instructions regarding methods of sampling and analysis, sealing and marking of containers and maintenance of record etc., which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser, shall be strictly observed.
- (f) A sample of tea drawn, in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser, from each lot, shall be forward to such control laboratory, as may be directed from time to time.
- (g) Each container shall be filled with tea from the same lot only.
- (h) An authorised packer shall provide to the Inspecting Officer, duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf, such facilities as may be

necessary for the discharge of his duties as such officer.

[No. 13-2/74-AM]

S. SESHACHARI, Under Secy.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th July, 1976

CORRIGENDUM

S.O. 2784.—In this Ministry's Notification No. Av.. 18013/4/75-AC, dated the 23rd March, 1976 (S.O. 1338) published in the Gazette of India No. 15 Part II-Section 3, Sub-section (ii), dated 10th April, 1976, (i) the words, "Air Corporations Act, 1953 (2 of 1953)" should be read as "Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953)" and (ii) the words, "in partial notification" should be read as, "in partial modification."

[No. Av. 18014/9/76-AC]

C. L. DHINGRA, Dy. Secy.

अमंत्रालय

आवेदन

नई दिल्ली, 17 मई, 1976

का० आ० 2785.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्र अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में जारी वैक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रोष्टोग्राफ विवाद विद्यमान है ;

प्रौढ़ केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है ;

प्रतः, अब, श्रीद्वारापिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीद्वारपिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करनी है।

अनुसूची

क्या चार्टर्ड बैंक के प्रबन्धतत्र का, आगे लिपिकीय कर्मचारिष्यन्द को, अधिकारी काडर में प्रोत्तंति, प्रोत्तंत कर्मकारों के बेतन नियतन और उनकी मेवा की शर्तों के बारे में ममत मार्ग-निर्देशों से वंचित करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो मम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हक्कावार है?

[संख्या एल-12011/12/76-डी II (ए)]

प्रारूप कुंजियापादम, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 17th May, 1976

S.O. 2785.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Chartered Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Is the management of the Chartered Bank justified in denying to their clerical staff agreed guidelines regarding promotion to the officers cadre, salary fitment of the promotee workmen and their service conditions? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

[No. L-12011/12/76-DII(A)]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy

आवेदन

नई दिल्ली, 25 मई, 1976

का० आ० 2786—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनियोजित विषयों के बारे में भारत सरकार मुद्रणालय, सन्तरागाची के प्रबन्धतत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीद्वारपिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वालीय ममतावाही है,

अतः, अब, श्रीद्वारपिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 को उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्वारपिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारत सरकार मुद्रणालय, सन्तरागाची के कर्मकारों की सर्वश्री अमरेश चन्द्र सरकार, चित्तराजन बैच और प्रधीर कुमार एइच, बुकबाइंडर श्रेणी-1 को कम्पनी: 1-4-69, 1-4-1969 और 17-6-1971 से सेक्शन हॉलरों के रूप में प्रोत्तंत किए जाने की मांग न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हक्कावार है?

[संख्या एल, 160 12/1/76-डी-2 (बी)]

हरबंस बहादुर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 25th May, 1976

S.O. 2786.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Government of India Press, Santragachi and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refer the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the demand of the workmen of the Government of India Press, Santragachi that Sravashri Amarendra Chandra Sarkar, Chittaranjan Baidya and Adhir Kumar Aich, Book Binders Grade I should be promoted as Section Holders with effect from 1-4-69, 1-4-69 and 17-6-71, respectively is justified? If so, to what relief are the said workmen entitled?

[No. L-16012/1/76-D. II (B)]
HARBANS BAHADUR, Section officer (Spl.)

आदेश

नई दिल्ली, 12 जूलाई, 1976

का० आ० 2787—यतः भैसर्व मस्कोट मरीन वर्क्स, गांधी धाम (कल्प) के प्रबन्धतत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व परिलहन और गोदी श्रमिक यूनियन (ट्रांसपोर्ट और इक वर्क्स यूनियन) न्यूकॉला (कल्प) करती है, एक श्रीद्वारपिक विवाद विद्यमान है;

यद्यपि यतः, उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने श्रीद्वारपिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उप-धारा (3) के अन्तर्गत उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 10-क की उप-धारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे जुलाई, 1976 को मिला था एतद्वारा प्रकाशित करती है।

करार

(शौद्धिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-के अधीन)

के बीच

प्रकारों के नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री एन० बी० माथुर, साझीदार
और श्री ए० पी० माथुर,
गांधीधार, मेसरी मस्कोट मरीन वर्क्स,
डी० बी० जेड/एन०-42, गौधीधाम (कच्छ)

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री जी० बी० रेगे, उपाध्यक्ष,
पारवलत और गोवी अभिक पूनियन,
26/मेवाला मास्किट,
न्यू काडला (कच्छ)
श्री रामकृष्ण पाटिल के माथ,
डी० बी० जेड/एन०-42 ए,
गौधीधाम (कच्छ)

प्रकारों के बीच निम्नलिखित शौद्धिक विवाद को ढा० बी० डी०
शर्मा, सहायक अमायूल (केन्द्रीय) अहमदाबाद-8 के माध्यस्थम् के लिए
निर्देशित करने का एतद्वारा करार किया गया है

“क्या मैसें मस्कोट मरीन वर्क्स, डी० बी० जेड/एन०-42,
गौधीधाम (कच्छ) द्वारा श्री राम कृष्ण पाटिल की सेवाएँ समाप्त
करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार
किस अनुकूल का, यदि कोई हो, हकदार है ?”

हम यह करार भी करते हैं कि माध्यस्थम् का विनियिक्य हम पर
प्राप्तकर होगा ।

मध्यस्थ अनना पचाट इस करार के सरकारी राजपत्र में उचित सरकार
द्वारा प्रकाशन की तारीख से तीन मास की कालावधि या इतने और
समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिंगित करार द्वारा बढ़ाया
जाय, देंगे । यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पचाट नहीं दिया जाता
तो माध्यस्थम् के लिए निवेश स्वन रहे हा॒ जायगा और हम नये माध्यस्थम्
के लिए आनंदीत करने को रवतत्र होगे ।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व इसने दिया : नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

ह०/ जी० बी० रेगे	ह०/- एन० बी० माथुर
ह०/- राम कृष्ण पाटिल	ह०/- ए० पी० माथुर

साक्षी .

1. ह०/-जी० बी० डडलानी, श्रम प्रबन्धन अधिकारी (केंद्रीय), अहमदाबाद ।
- 2 ह०/- दी० आर० मिश्र, मार्फत, सहायक अमायूल (केंद्रीय),
अहमदाबाद ।

स्थान अहमदाबाद

तारीख : 30 जून, 1976

[संख्या एल० 37013(1)/76-डी०-4 (प्र.)]
नन्द लाल, अनुभाग अधिकारी (विषेष)

ORDER

New Delhi, the 12th July, 1976

S. O. 2787.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Mascot Marine Works, Gandhidham (Kutch) and their workmen represented by the Transport & Dock Workers Union, New Kandla (Kutch);

And, whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (i) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government under sub-section (3) of section 10A of the said Act, a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 5th July, 1976.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

Between

Name of the Parties

Representing employers : Shri N. B. Mathur, Partner &
Shri A. P. Mathur, Partner,
M/s. Mascot Marine Works,
DBZ/N-42, Gandhidham
(Kutch).

Representing Workman : Shri G. V. Rege, Vice President,
Transport & Dock Workers'
Union, 26/Mevala Market,
New Kandla (Kutch).

with

Shri Ramakrishna Patil,
DBZ/N-42. A
Gandhidham (Kutch).

It is hereby agreed between the Parties to refer the following dispute to the arbitration of Dr. B. D. Sharma, Asstt Labour Commissioner (Central), Ahmedabad-8.

“Whether the termination of services of Shri Ramakrishna Patil by M/s. Mascot Marine Works, DBZ/N-42, Gandhidham (Kutch) is justified ? If not, to what relief if any, is the said workman entitled to” ?

We further agree that the decision of the arbitrator be binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of three months from the date of publication of this agreement in the official Gazette by the appropriate Government or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforesaid, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Representing workman :	Representing employers :
Sd/- G. V. Rege.	Sd/- N. B. Mathur
Sd/- Ramakrishna Patil	Sd/- A. P. Mathur

Witnesses :

1. G. J. Dadlani,
Labour Enforcement Officer (C),
Ahmedabad.
2. T. R. Mishra,
C/o ALC(C), Ahmedabad.

Place : Ahmedabad,

Dated the 30th June, 1976.

[No. L.37013(1)/76-D.IV (A)]
NAND LAL, Section Officer (Spl.)

का० आ० 2788—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य शीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त सक्षियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय की अधिसूचना

सं० का० प्रा० 931 तारीख 7 फरवरी, 1976 के भनुकम में केन्द्रीय भास्कार नीति की अनुसूची में वर्णित भारतीय तेल निगम, लिमिटेड, मुम्बई के कारखानों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 14 जुलाई, 1976 से 13 जुलाई, 1977 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की ओर अवधि के लिए छूट देती है;

2. पूर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन है, अर्थात् :-

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान यह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रूप में और ऐसी विशिष्टियाँ सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि के संबंध में उसे देती थीं।

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का कोई भन्य पदधारी जो इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो—

(i) उक्त अवधि की बाबत धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन दी गई किसी विवरणी में अन्तर्विष्ट विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अधिनियित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उक्त अवधि की बाबत, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथापेक्षित रजिस्टर और अधिनियम रखे गए थे; या

(iii) यह अधिनियित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा नकदी और बस्तु के रूप में लिए गए उन कारबंदी को पाने के हक्कावार बने हुए हैं जो ऐसे फायदे हैं जिनके प्रतिकल स्वरूप इस अधिनियम के अधीन छूट दी जा रही है;

(iv) यह अधिनियित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में ऐसे उपबन्ध प्रदूषित हो, अधिनियम के उपबन्धों में से किसी का अनुपालन किया गया था,

निम्नलिखित कार्यों के लिए सशक्त होगा, अर्थात् :-

(क) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक से यह अपेक्षा करने के लिए यह उसे ऐसी सूचना दे जिसे वह आवश्यक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहृत नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्ति-युक्त समय पर प्रवेश करने के लिए और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारतीयन कर रहा हो, ऐसी अपेक्षा करने के लिए कि लेखा वहियाँ और अन्य वस्त्रों जो व्यक्तियों के नियोजन और मज़बूरी के संदर्भ से संबंधित हों, ऐसे निरीक्षक या भन्य पदधारी को प्रस्तुत करे, और उनकी परीक्षा करने वे या उसे ऐसी जानकारी दे जिसे वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक उसके अधिकारी या सेवक, या ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाए गए किसी व्यक्ति को या किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या भन्य पदधारी के पास यह विवाद करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करने के लिए; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखा वहीया अन्य दस्तावेज की प्रतियाँ तैयार करने या उससे उद्धरण लेने के लिए:

भनुसूची			
क्रम	राज्य/संघराज्य	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
सं०	क्षेत्र का नाम		
1	2	3	4
1.	भारत प्रदेश]	विशाखापत्तनम्	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग, पोस्ट बाब्स सं० 54, मनकामुरम प्रतिष्ठापन विशाखापत्तनम्-1)
2.	भारत प्रदेश]	सिक्किमराजाबाद	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), पोस्ट बाब्स सं० 1634, धारा० भारा० सी० प्राउड, सिक्किमराजाबाद।
3.	भारत प्रदेश]	विजयवाडा	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), स्टेशन रोड, विजयवाडा।
4.	भारत प्रदेश	सिक्किमराजाबाद-14	भारतीय तेल निगम लिमिटेड, विमानन बाब्स स्टेशन, डाक घर हृषीमनेट एयर फोर्स स्टेशन, सिक्किमराजाबाद-14
5.	दिल्ली	दिल्ली	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), एल०पी० जी० बोटलिंग लॉन, शकुरबासी दिल्ली, दिल्ली-26
6.	दिल्ली	दिल्ली	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), शिवाजी पार्क के सामने, शकुरबासी दिल्ली-26
7.	दिल्ली	दिल्ली	भारतीय तेल निगम लिमिटेड, विमानन ईंशन स्टेशन, सदर बाजार रोड, मोर लाइन के निकट, पालम, दिल्ली छावनी-10
8.	केरल	कोचीन	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), पोस्ट बाब्स सं० 535, विलिंगडन प्राइसेंड, बालबोर रोड, कोचीन-3
9.	केरल	कोचीन	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), परिकरणी प्रतिष्ठान, पोस्ट बाब्स सं० 8, विपुनियूरा बरास्ता कोचीन।
10.	केरल	कोचीन	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), कोचीन रोड, पोस्ट बैग 1759, एण्कुलम, कोचीन-6
11.	तमिलनाडु	मद्रास	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), इर्णिव हाई रोड, मद्रास।
12.	तमिलनाडु	मद्रास	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विपणन प्रभाग), कोक्कुपेट, मद्रास-21

1	2	3	4
13.	तमिलनाडु	मद्रास	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विषणन प्रभाग) नार्थ रेलवे, टमिनस रोड, रोपापुरम, मद्रास।
14.	तमिलनाडु	मद्रास	भारतीय तेल निगम विमानन इंधन केन्द्र मीनवाक्कम एयर पोर्ट, मद्रास।
15.	तमिलनाडु	मद्रास	भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्यूक वर्सेंडग प्लान्ट, इश्वर हाई रोड, टोडियारेट, तिरुचियूर पोस्ट, मद्रास-81
16.	महाराष्ट्र	मुम्बई	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विषणन प्रभाग) मराठारी बाबाम गोदाम के निकट, बादला, मुम्बई-31
17.	महाराष्ट्र	मुम्बई	भारतीय तेल निगम (विषणन प्रभाग) टाटा बरसन पावर प्लान्ट, द्राम्बे के निकट, कातिर रोड, मुम्बई-74
18.	महाराष्ट्र	मुम्बई	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विषणन प्रभाग) सिवारी रेलवे स्टेशन के सामने मुम्बई- 15
19.	महाराष्ट्र	पुणे	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विषणन प्रभाग) राजबहादुर मोतीलाल रोड, पुणे।
20.	महाराष्ट्र	मुम्बई	भारतीय तेल निगम लिमिटेड विमानन इंधन स्टेशन शान्ता कूज एयर पोर्ट, मुम्बई-29।
21.	कर्नाटक	बंगलौर	भारतीय तेल निगम लिमिटेड (विषणन प्रभाग) नागदी रोड पोस्ट बैंग सं. 3, बंगलौर-2-3

[सं. एस-38017/5/74-एच-आई]

S.O. 2788.—In pursuance of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 931 dated the 7th February, 1976 the Central Government hereby exempts the factories mentioned in the schedule, belonging to the Indian Oil Corporation Limited, Bombay from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 14th July, 1976 upto and inclusive of the 13th July, 1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as

the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- (i) Verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

SCHEDULE

S. No.	Name of the State/ Union Territory	Name of area	Name of the factory
1	2	3	4
1.	Andhra Pradesh	Vizakha-patnam-1	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Post Box No. 54, Malkapuram Installation, Visakhapatnam-1.
2.	Andhra Pradesh	Secunderabad	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Post Box No. 1634, RRC Ground Secunderabad.
3.	Andhra Pradesh	Vijayawada	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division) Station Road, Vijayawada.
4.	Andhra Pradesh	Secunderabad-14	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Food Station, Post Office Hakimpet Air Force Station, Secunderabad-14.

1	2	3	4	1	2	3	4
5.	Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), L.P.G. Bottling Plant, Shakurbasti, Delhi-26.	21.	Kernataka	Bangalore	Indian Oil Corporation limited, (Marketing Division), Nagadi Road, Post Bag No. 3, Bangalore-23.
6.	Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Opposite Sivaji Park, Shakurbasti, Delhi-26.				[No. S-38017/5/74-HI]
7.	Delhi	Delhi	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Sadar Bazar Road, Near More Line, Palam, Delhi Cantt-10.				
8.	Kerala	Cochin	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Post Box No. 535, Willington Island, Barbour Road, Cochin-3.				
9.	Kerala	Cochin	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Cochin Refinery Installation, Post Box No. 8, Trivunithura, Via Cochin.				
10.	Kerala	Cochia	Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Kar shaka Road, Post Bag 1759, Ernakulam, Cochin-6.				
11.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited* (Marketing Division), Ernove High Road, - Madras.				
12.	Tamil Nadu	Madras	Indign Oil Corporation Limited (Marketing Division), Kerukupet, Madras-21.				
13.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), North, Railway Terminus' Road, Royapuram, Madras.				
14.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation Limited, Aviation Fuel Station, Meenambakkam Airport, Madras.				
15.	Tamil Nadu	Madras	Indian Oil Corporation, Limited, Tube Blending Plant, Ennere High Road, Tendiarpet Tiruvethiyur Post, Madras-81.				
16.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Near Government Food Grains Godowns, Wadala, Bombay-31.				
17.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Near Tata Thermal Power Plant, Trombay, Corridor Road, Bombay-74.				
18.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Opposite Sewaree Railway Station, Bombay-15.				
19.	Maharashtra	Poona	Indian Oil Corporation Limited, (Marketing Division), Rajbahadur Motilal Road, Poona.				
20.	Maharashtra	Bombay	Indian Oil Corporation Limited Aviation Fuel Station Santa Cruze Airport, Bombay-29.				

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976.

का०आ० 2789.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि भारतीय सर्वेक्षण के सधीन सर्वेक्षण निवेशालय (एशोर्स प्रैस), नई दिल्ली के कर्मकारों, को, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उपबनियम प्रमुखियाँ जैसी भारत प्रमुखियाएँ प्राप्त हैं।

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रवर्त्त अस्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा नियम से पद्धति करने के पश्चात्, एतद्वारा उक्त कारबाने को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 मार्च, 1974 से 28 फरवरी, 1977 तक, जिसमें वह विन भी सम्मिलित है, तीन वर्षों की अवधि के लिए छूट देती है;

पूर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के प्रवधीन है, अर्थात्:—

- (1) उक्त कारबाने का नियोजक, उस प्रवधि की बाबत (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रवधि कहा गया है), जिसके द्वारा वह कारबानों उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, ऐसी विवरणिया ऐसे प्रश्न में और ऐसी विशिष्टयों महित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (विवधि) विनियम, 1950 के अधीन उक्त प्रवधि के सम्बन्ध में उससे शोध्य थी,
- (2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा(1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या नियम का कोई अन्य पदधारी जो इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो,—
- (i) उक्त प्रवधि की बाबत धारा 44 की उपधारा(1) के द्वी गई किसी विवरणी में प्रत्येक्षियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या
- (ii) यह अभिनिश्चय करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उक्त प्रवधि की बाबत कर्मचारी राज्य बीमा (विवधि) विनियम, 1950 द्वारा व्यापेक्ष रजिस्टर और अभिलेख रखे गए थे ; या
- (iii) यह अभिनिश्चय करने के प्रयोजनार्थ कि क्या कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उस फायदों को नगदी और गस्तु के रूप में पाने का हकदार बना रहता है जिसको व्यान में रखते हुए, इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है ; या
- (iv) यह अभिनिश्चय करने के प्रयोजनार्थ कि उस प्रवधि के द्वारा जब उक्त कारबाने के सम्बन्ध में ऐसे उपबन्ध प्रवृत्त हो, अधिनियम के उपबन्धों में से किसी का प्रनुपालन किया गया था, निम्नलिखित के लिए संशर्क किया जायेगा कि वह —
- (क) प्रधान या अध्यवहित नियोजक से अपेक्षा करेगा कि वह उसे ऐसी सूचना दे जो वह आवश्यक समझे ; या

- (ब) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिकारीने किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तियुक्त समय पर प्रवेश को और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारताधन कर रहा हो, ऐसी अपेक्षा करेगा कि लेखे गएहियों और अन्य दस्तावेजों जो व्यक्तियों के नियोजन और मंजूरी के सन्ताय से संबंधित हों, ऐसे निरीक्षक को प्रस्तुत करने, और उनकी परीक्षा करने के लिए अनुचान करे या उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे ; या
- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक उसके अधिकारी या सेवक, या ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाए गए किसी व्यक्ति को या किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदबारी के पास यह विषयास करने का युक्तियुक्त कारण है, कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करे ; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाब्दी या अन्य दस्तावेज की प्रतिया तैयार करे या उससे उद्धरण ले।

प्रायोत्तमक समाप्ति

इस सामग्रे में छूट को पूर्वोक्त एवं प्रभाव देना आवश्यक हो गया है, क्योंकि छूट की मंजूरी के लिए नियोजक का आवेदन पछ केरी से प्राप्त हुआ था। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि कारखाना छूट के लिए पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वविधी प्रभाव से छूट की मंजूरी किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं आलेगी।

[संख्या एस-38014(23)/76-एच-आई]

New Delhi, the 14th July, 1976

S.O. 2789.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the Directorate of Survey (AIR), Printing Press, New Delhi under the Survey of India are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a period of three years with effect from 1-3-1974 and upto and inclusive of 28-2-1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;
be empowered to—
- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register account book or other document maintained in such Factory establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application of the employer for grant of exemption was received late. However, its is certified that the Factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

{No. S-38014/23/76-HI]

महिने 15 जुलाई, 1976

का० आ० 2790.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के अम मंत्रालय की प्रधिसूचना सम्बन्धी का० आ० 591 तारीख 13 फरवरी, 1975 के अनुक्रम में दि इन्डियन प्रायत्न कारपोरेशन लि० (विषयन खण्ड) मोतीबाग, नागपुर की उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 22 फरवरी, 1976 से 21 फरवरी, 1977 तक (जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है) एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उम अवधि की बाबत जिसके द्वारा उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अवधि' कहा गया है) ऐसी विवरणियों ऐसे प्रलृप में और ऐसी विविधिया सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या नियम का इस नियम प्राधिकृत कोई अन्य प्रधारी —

- (i) धारा 44 की बद्वात उपधारा (1) के प्रधीन, उक्त प्रवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या
 - (ii) यह अभिनिष्पत करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य मीमा (साधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अधिसूचा, उक्त प्रवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
 - (iii) यह अभिनिष्पत करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन कारबाहों को, जिसके फलस्वरूप इस प्रधि-सूचना के प्रधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में प्राप्त क, हक्कावार बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यह अभिनिष्पत करने के प्रयोजनार्थ कि उस प्रवधि के द्वारा उक्त कारबाहों के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;
- निम्नलिखित कार्य करने के लिए संशोधन होगा:—
- (क) प्रधान या प्रब्ल्यूहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिससे उपरोक्त नियोजक या अन्य पदधारी प्राप्तिशक्ति समझती है ; या
 - (ल) ऐसे प्रधान या प्रब्ल्यूहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारबाहों स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के मियोजन और मजदूरी के संबंध से संबंधित ऐसे लेखा, बहियों और अन्य वस्तावेज, ऐसे नियोजक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या
 - (ग) प्रधान या प्रब्ल्यूहित नियोजक की उसके प्रधिकरण या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारबाहों स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त नियोजक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है ति वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या
 - (घ) ऐसे कारबाहों, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे किसी रजिस्टर, लेखावटी या अन्य वस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक भाषण

इस भाषण में छूट को पूर्वापेक्षी प्रभाव देता आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के नवीकरण हेतु अपेक्षित सूचना विलम्ब से प्राप्त हुई थी। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि वे परिस्थितियाँ, जिनमें कारबाहों को मूल रूप में छूट प्रयात की गई थी, अभी तक भी जारी हैं और कारबाहों का छूट के लिए पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट की अनुमति किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं आतेगी।

[संख्या एस०-38014/19/74-एच० ग्राही०]

New Delhi, the 15th July, 1976

S.O. 2790.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 591 dated the 13th February, 1975 the Central Government hereby exempts the Indian Oil Corporation (Marketing Division), Moti

Bagh, Nagpur from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 22nd February, 1976 upto and inclusive of the 21st February, 1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the required information for renewal of exemption was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

{No. S-38014/19/74-HI}

नई विल्ली, 16 जुलाई, 1976

S.O. 2791.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के मौसम कर्मचारी (मीट्रोस्ट्रियालाजिकल वर्कशाप) पुणे के कर्मचारी को, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उत्तराधिकारी प्रशुद्धिदात्री जैसी सारत प्रशुद्धियाँ प्राप्त हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्जीवन मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं 3464 तारीख 11 दिसम्बर, 1974 के क्रम में केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा नियम से परामर्श करते के पश्चात् एतद्वारा उक्त कर्मचारी को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 25 अगस्त, 1975 से 24 अगस्त, 1977 तक जिसमें यह वित भी सम्मिलित है, वो और वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बावत जिसके द्वारान यह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रृष्ठ में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो उसे कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि के सवध में देनी ची,

(2) नियम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम का कोई अन्य पदधारी जो इस नियम प्राविकृत किया गया हो—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बावत वी गई किसी विकाराणी में अन्तर्विष्ट विशिष्टियों को सत्यापि करते के प्रयोगनार्थ ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोगनार्थ कि क्या उक्त अवधि की बावत, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथावैधिक रजिस्टर और अभिलेख रखे गये थे ;

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोगनार्थ कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गये उन काययों को नकदी और वस्तु के रूप में पाने का हकदार बना दुआ है जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है ; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोगनार्थ कि उस अवधि के द्वारान जब उक्त कारखाने के संबंध में ऐसे उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे उत्तरान्वयों का अनुपालन किया गया था, निम्नलिखित के लिये मशक्त होगा—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी सूचनायें दे जो उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी द्वारा आवश्यक गमकी जाये, या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी भारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिमर्तों में किसी विशिष्टियुक्त समय पर प्रवेश करे और ऐसे व्यक्ति से, जो उसका भारमाधन कर रहा हो, ऐसी अपेक्षा करना कि वह लेखा अवहियों और अन्य दस्तावेज, जो व्यक्तियों के तियोजन और भजदूरी के सवाय से सबधित हों, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी को प्रस्तुत करे, और उनकी परीक्षा करते थे या उन्हें ऐसी जानकारी दे जैसी थे आवश्यक समझे ; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक, उपरोक्त अभिकर्ता या सेवक, या ऐसे व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या

अन्य परिसरों में पाये जायें या जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह किष्यास करते का युक्तिशुल्क कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर्त में रखे गये किसी रजिस्टर, लेखावही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण उतारना ।

व्याख्यात्मक जापन

इस भाग में छूट को पूर्वाभिकी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के नवीकरण के लिये नियोजक से प्रार्थना पत्र देरी से प्राप्त हुआ था। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को मूल रूप में छूट प्रदान की गई थी, वे अभी तक विद्यमान हैं और कारखाना छूट के लिये पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वाभिकी प्रभाव से छूट की मंजूरी किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं ढालेगी।

[सं ४८०-३८०१४/११/७६-एच०आई०]

New Delhi, the 16th July, 1976

S.O. 2791.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the Meteorological Workshop, Poona, belonging to the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3464 dated the 11th December, 1974, the Central Government after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a further period of two years with effect from the 25th August, 1975 upto an inclusive of the 24th August, 1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

be empowered to :—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application from the employer for the renewal of exemption was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/11/76-HI]

तर्फ़ दिल्ली, 19 जुलाई, 1976

का० आ० 2792।—कर्मचारों भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री नरेण चन्द्र गांगुली को उक्त प्रधिनियम, स्कीम और उसके प्रधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापालन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योगों से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण परिक्षमी थांगल राज्य और अन्धेमान तथा निकोबार द्वीप समूह के सभी राज्य क्षेत्रों के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(1)/76-पी०एफ० ॥]

New Delhi, the 19th July, 1976

S.O. 2792।—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Naresh Chandra Ganguly to be an Inspector for the whole of the State of West Bengal and the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands for the purposes of the said Act, the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control, of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(1)/76-PF I]

का० आ० 2793।—कर्मचारों भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) परा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सचिव

प्रकाश चन्द्र और मनोहर लाल को उक्त प्रधिनियम, स्कीम और उसके प्रधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के मंदिर में ग्रा किसी रेल कम्पनी, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश राज्य और अण्डीगंग मध्य राज्य क्षेत्र के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(5)/76-पी०एफ० I]

S.O. 2793।—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri Parkash Chand and Manohar Lal to be Inspector for the whole of the States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Union Territory of Chandigarh for the purposes of the said Act, the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(5)/76-PF I]

का० आ० 2794।—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री पी० के० निगम को उक्त प्रधिनियम, स्कीम और उसके प्रधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापालन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(6)/76-पी० एफ० ॥]

एस० एस० महस्तानामन, उपसचिव

S.O. 2794।—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri P. K. Nigam to be an Inspector for the whole of the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said Act the scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016/6/76-PF I]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 13th July, 1976

S.O. 2795।—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tata Chemicals Limited, Post Office, Ranavay, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1976.

BEFORE SHRI M. U. SHAH, B.A., LL.B. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 2 of 1975

**ADJUDICATION
BETWEEN**

Management of the Tata Chemicals Ltd., Post Office
Ranavav, Dist. Junagadh. —First Party

AND

Their Workmen —Second Party

In the matter of termination of services of Shri Mura Giga, a Tractor Driver of Stone Quarry, Ranavav.

APPEARANCES :

Shri Y. D. Joshi, Labour Advisor, with Shri M. B. Shah, advocate, and Shri S. R. Mahadkar, Quarry Manager, for Tata Chemicals Limited, Ranavav.

Shri Rashidkhan Pathan, advocate, with Shri Swami Srinivas, General Secretary, Tata Chemicals Quarries Mazdoor Union, Adityana, as representing the Workmen.

STATE : Gujarat INDUSTRY : Stone Quarry
Ahmedabad, 22nd June, 1976

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, constituting me as Presiding Officer of the Industrial Tribunal with headquarters at Ahmedabad, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947). The Reference is made by the Central Government Order No. L-29011/88/75/DIIIB, dated 23rd August, 1975. The dispute which is referred to this Tribunal for adjudication is stated in the Schedule to the order of reference and it reads :

"Whether the termination of services of Shri Mura Giga, a Tractor Driver of Stone Quarry, Ranavav with effect from 25-12-74 by the management of Tata Chemicals Limited Post Office Ranavav, District Junagadh, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

Notices were issued to the workman, Shri Mura Giga, the second party herein, and to the management of the Tata Chemicals Ltd. to file their respective statements. The workman, Shri Mura Giga, has filed his statement of claim on 15-9-1975, contending that his services have been terminated by the management orally and summarily with effect from 25-12-1974 without assigning any reason and without making any enquiry. The order of termination of services was made by the Quarry Manager. The management has filed its written statement (Ex. 5), dated 17-10-1975, contending, inter alia, that the workman was in casual employment from 13-4-1974 and his continuous service was for a period less than 240 days and the simple termination of his employment was, therefore, not illegal in any manner. The workman's contention that the order of termination amounted to unfair labour practice and was by way of punishment, was denied by the management.

After the matter was discussed on several occasions, the parties have on this day arrived at an amicable settlement of the dispute and filed memorandum of settlement resolving the dispute. The settlement provides that the workman, Shri Mura Giga, will be reinstated on his original post with continuity of service but without any further relief for the intervening period. The parties have asked for an award to be made in terms of this Clause (1) of the settlement. The settlement is signed by Shri Rashidkhan Pathan, advocate of the workman, Shri Swami Srinivas, secretary of the

union, Shri Y. D. Joshi, Labour Advisor of the company, and Shri Mahadkar, the Quarry Manager, and is admitted and acknowledged before me. I find the settlement to be fair and reasonable and in the interest of the workman. There is no reason why an award in terms be not made. I accordingly admit the memorandum of settlement on record marked Exhibit 8 and make this Award in terms thereof. Exhibit 8 shall form part of the Award. Award accordingly with no order as to costs.

Sd/-

M. U. SHAH, Presiding Officer.

Ahmedabad, the 24th June, 1976.

Ex. 8

BEFORE SHRI M. U. SHAH, PRESIDENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUJARAT, AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 2 of 1975

BETWEEN

Tata Chemicals Ltd., Ranavav.

AND

Mura Giga, Workman.

MAY IT PLEASE YOUR HONOUR :

1. The first party in the above matter has agreed to reinstate the workman Muru Giga on his original post with continuity of service but without any further relief for the intervening period.

2. Second party agrees to the above settlement.

3. An award in terms of above may kindly be passed.

Ahmedabad.

Dated 22-6-1976.

Sd/-

Illegible

for the workman.

Secy. Tata Quarries Workers Union,

Sd/-

Illegible

For the Advocate

workman.

22-6-76.

Dkr/28.6.

Sd/-

Illegible

for the Company.

Quarry Manager,

Tata Chemicals Ltd., Ranavav.

[No. L 29011/88/75-DII(B)]

S.O. 2796.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tata Chemicals Limited, Ranavav and their workman, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1976.

BEFORE SHRI M. U. SHAH, B.A., LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 3 of 1975.

Adjudication

BETWEEN

Management of the Tata Chemicals Ltd., Post Office Ranavav, Dist. Junagadh. —First Party

AND

Their Workmen —Second Party

In the matter of termination of services of Shri Jaipal Singh B. Thakur, a Truck Driver of Stone Quarry, Ranavav.

APPEARANCES :

Shri Y. D. Joshi, Labour Advisor, with Shri M. B. Shah, Advocate, and Shri S. R. Mahadkar, Quarry Manager, for Tata Chemicals Limited, Ranavav.

Shri Rashidkhan Pathan, advocate, with Shri Swami Srinivas, General Secretary, Tata Chemicals Quarries Mazdoor Union, Adityana, as representing the Workmen.

STATE : Gujarat

INDUSTRY : Stone Quarry

Ahmedabad, 22nd June, 1976.

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, constituting me as Presiding Officer of the Industrial Tribunal with headquarters at Ahmedabad, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. (14 of 1947). The reference is made by the Central Government Order No. L-29011/89/75/D.III B, dated the 22nd August, 1975. The dispute which is referred to this Tribunal for adjudication is stated in the Schedule to the order of reference and it reads :

"Whether the termination of services of Shri Jaipal Singh B. Thakur, a Truck Driver of Stone Quarry, Ranavav, Gujarat, with effect from 24th October, 1974, by the management of Tata Chemicals Limited, Post Office Ranavav, District Junagadh, Gujarat, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

Notices were issued to the workman, Shri Jaipal Singh B. Thakur, the second party herein, and to the management of the Tata Chemicals Ltd. to file their respective statements. The workman, Shri Jaipal Singh B. Thakur, who was working as heavy truck driver at the quarry of the Tata Chemicals Ltd., Ranavav, has filed his statement of claim, (Ex. 2), on 22-9-1975, contending that he was occupying a post of substantive and permanent nature, but his services have been terminated by the management mala fide and by way of victimisation by calling him to the office of the Quarry Manager on 23-10-1974 and asking him not to report on duty from the next day, the order of termination being oral and no reason having been given. The management has filed its written statement (Ex. 5), which disputes the workman's claim for reinstatement. It contends that the workman was engaged as a casual driver and the company has no work for a casual truck driver and the workman was informed accordingly and there was no question of terminating the services of the workman as alleged. The workman has filed Rejoinder (Ex. 6), dated 25-12-1975.

The matter was discussed before me on several occasions and when this matter reached final hearing before me today, the parties have, after some discussion, resolved the dispute by entering into a settlement which is embodied in the memorandum of settlement and which is signed on behalf

of the workman by Shri Rashidkhan Pathan, advocate, and also by Shri Swami Srinivas, secretary of the union, and by Shri Y. D. Joshi, Law Officer of the Tata Chemicals Ltd., and by Shri Mahadkar, Quarry Manager of the Tata Chemicals Ltd. Clause (1) of the settlement provides that the management has agreed to reinstate the workman, Shri Jaipal Singh B. Thakur on his original post with continuity of service but without any further relief for the intervening period. The parties have admitted and acknowledged the memorandum of settlement before me which I find to be in order. The settlement is fair and reasonable. It is in the interest of the workman. I do not see any reason why an award in terms be not made. I accordingly admit the memorandum of settlement on record (marked Ex. 9) and make this Award in terms thereof. Ex. 9 shall form part of this Award. Award accordingly with no order as to costs.

[No. L 29011/89/75-D.III(B)]

Sd/-

M. U. SHAH, Presiding Officer.

Ahmedabad, the 24th June, 1976.

Ex. 9

BEFORE SHRI M. U. SHAH, PRESIDENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUJARAT, AT AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 3 of 1975.

BETWEEN

Tata Chemical Limited, Ranavav.

AND

Jaipal Singh B. Thakur.

MAY IT PLEASE YOUR HONOUR :

1. The first party in the above matter has agreed to reinstate workman Jaipal Singh B. Thakur on his original post with continuity of service but without any further relief for intervening period.

2. The second party agrees to the above settlement.

3. An award in terms of above may kindly be passed.

Ahmedabad.

Dated : 22-6-1976.

Sd/-

Illegible

for the workman.

22/6/76.

Dkr/28.6.

Sd/-

Illegible

for the workman,
Secy. Tata Quarries workers Union.

Sd/-

Illegible

for the Company,

Sd/-

Quarry Manager,
Tata Chemicals I.td.,
Ranavav.

S.O. 2797.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dohis Borabas Sand Stone Mines, Post Office Borabas and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (29)/1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dobia Borabas Sand Stone Mine, Post Office, Borabas, District Kota of Shri Lalchand Agarwal, Mine Owner, Near Mohan Talkies, Kota and their workers represented through the President, Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota (Rajasthan).

APPEARANCES :

For employers—None.

For workmen—Shri Mahabir Prasad Sharma, President

INDUSTRY : Sand Stone Mine **DISTRICT :** Kota
(Rajasthan)

Dated: June 25, 1976

AWARD

Government of India in the Labour Department referred the following industrial dispute for the adjudication by this Tribunal vide their Order No. L-29011/28/75/D. O. 3B dated 3rd May, 1975 :—

"Whether the workman employed in the Dobia Borabas Sand Stone Mines, Post Office Borabas, District Kota of Shri Lalchand Agarwal, Mine Owner, near Mohan Talkies, Kota are entitled to grant of any paid national and festival holidays. If so, how many and on what occasions?"

2. The parties have entered into a settlement under which it has been agreed that the employer shall give ten paid holidays to the workmen from 1-1-1975 as specified in the memorandum of settlement which shall form part of the award. They have further agreed to make payments of these paid holidays to the labourers before 15th August, 1976. The award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

फार्म एच०

नियम 58 वेंिए

समझौता—प्रपत्र

पक्षकारों के नाम .—लालचन्द अग्रवाल

नियोजक के प्रतिनिधि:—माइन ऑनर मोहन थियेटर के पास कोटा
श्रमिक प्रतिनिधि:—श्री महाबीर प्रसाद शर्मा अध्यक्ष पत्थर खान
मजदूर सभा कोटा

विवाद का संक्षिप्त विवरण

पथर खान मजदूर सभा कोटा ने श्रीयोगिक विवाद राष्ट्रीय एवं
श्रमिक पक्षों के बीच श्रमकाश लेते सेन्ड स्टोन माइन डोवियार (बोराबास)
कोटा की खान में काम करने वाले समस्त श्रमिकों के लिये श्रीमान्
सहायक अम आयुक्त सेन्ट्रीय कोटा के समक्ष प्रस्तुत किया था किन्तु
समझौता वाला असफल रही। पुनः नियोजक ने विवाद का आपसी
विभार-विभार विनियम द्वारा निपटाने का प्रस्ताव संघ के समक्ष रखा।
पथर दोनों पक्षकारों में काफी विभार-विनियम के पश्चात् निम्नसिद्धि
जूतों पर समझौता सम्पादन किया गया।

समझौता की शर्तें

1.—यह कि नियोजक श्री लालचन्द जी अप्रवाल शर्पनी सेल्ह
स्टोन माइन डोवियार जिला कोटा में काम करने वाले समस्त
श्रमिकों को दिनांक 1-1-75 से ही निम्नसिद्धि पक्षों का
सबेत श्रमकाश देना स्वीकार करते हैं।—

(1) 26 जनवरी गणतंत्र दिवस	.	.	.	1 दिन
(2) होली का दहन भूलैडी	.	.	.	1 दिन
(3) 1 मई मजदूर दिवस	.	.	.	1 दिन
(4) रक्षाबन्धन	.	.	.	1 दिन
(5) कृष्ण अन्नपूर्णी	.	.	.	1 दिन
(6) 15 अगस्त स्वाधीनता दिवस	.	.	.	1 दिन
(7) बहारा	.	.	.	1 दिन
(8) दीवाली	.	.	.	1 दिन
(9) 2 अक्टूबर गणती जयन्ती	.	.	.	1 दिन
(10) ईद या स्थानीय पर्व	.	.	.	1 दिन

2.—यह कि प्रथम चरण में वर्णित पक्षों की देय रकम समस्त
श्रमिकों को 15 अगस्त, 78 तक भुगतान करदी जाना स्वीकार
किया गया।

सही

(लालचन्द अप्रवाल)

नियोजक प्रतिनिधि

सही

(महाबीर प्रसाद शर्मा)

श्रमिक प्रतिनिधि

साक्षी 1—सही (नम्द किशोर)

साक्षी 2—सही (प्रसप्त)

कोटा

दिनांक 16-6-76

[सं. एस. 29011/28/75-डी. III(बी०)]

S. N. JOHRI, Presiding Officer

New Delhi, the 15th July, 1976

S.O. 2798.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kemli Kotri Mines of Associated Cement Co. Ltd., Lakheri and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (67) of 1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kemli Kotri Mines of M/s. Associated Cement Limited, Lakheri and their workmen through the President, Lakheri Cement Mazdoor Union, CITU Office, Chavani, Kota (Rajasthan).

APPEARANCES :

For Workmen—None.

For Employers—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Cement **DISTRICT :** Kota (Rajasthan)

Dated : July 1, 1976

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour has vide its Order No. L-29011/2/75/DHIB dated 11th December, 1976 referred the following industrial dispute for adjudication by this Tribunal :—

"Whether the demand of the workmen, employed by Messrs Satish Trading Company, Contractors of Messrs Associated Cement Company Limited, Lakheri, in Kemli Kotri Mines for payment of profit sharing bonus by Messrs Associated Company Limited, for the accounting year 1972-73 is justified? If so, to what quantum of bonus are the workmen entitled?"

2. Inspite of the service of the notices upon the Union which sponsored the dispute, it did not take steps to register its appearance before this Tribunal or to file the written statement giving particulars of the claim. However, the Associated Cement Company Limited as well as its independent Contractors M/s. Satish Trading Company have taken a stand that the workmen on whose behalf the said demand has been raised by Lakheri Cement Mazdoor Union were the employees of M/s. Satish Trading Company which had taken the contract for operating the Kemli Kotri Lime-stone Quarry and M/s. Associated Cement Company Limited had nothing to do with them because no employer and employee relationship existed, inter se, between the workmen and M/s. Associated Cement Company Limited.

3. The Contractor has alleged that Lakheri Cement Mazdoor Union was a defunct Union and therefore the dispute raised by it could not have the representative character and could not be termed as an 'industrial dispute'. Most of the workers were not interested in the dispute so raised nor they authorised the Union by passing any resolution in a General Body for raising such a dispute. Thus the dispute has not assumed the character of an industrial dispute and as such there is no jurisdiction to adjudicate upon it. M/s. Satish Trading Company was established on 15th December, 1972 for the purpose of prospecting and supply limestone to the factory of the Associated Cement Company Limited at Lakheri. The said Company went into liquidation on 1-12-1974. It made no profits in the accounting year 1972-73 and its liability to pay bonus stood completely protected by Section 16 of the Payment of Bonus Act, 1965. At the time of arguments it was pressed on behalf of the said Company that it was a dead concern when the reference was made and as such the reference was bad in law. Plea of financial capacity was also raised in arguments.

4. On behalf of the Contractors Shri Chiranji Lal examined himself for proving that the Company came into existence on 15-12-1972 and was dissolved by the end of November, 1974. He has proved the Profit and Loss Account and the Balance-sheet for the relevant years showing that the Company did not make any profit and was not liable to pay bonus to the workmen.

5. The plea that the reference is bad because the industry was not an existing industry when the reference was made, has no force. In Pipraich Sugar Mills Ltd. V. Pipraich Sugar Mills Mazdoor Union [3 SCLJ 1932 (1939)] it was observed that a dispute will be an industrial dispute if it arose out of an existing industry 'and the fact that the industry has since been closed can have no effect on it'. Similarly in U.P. Electric Supply Company Vs. Workmen (1971-II-LIJ 528 SC) the Hon'ble Mittal J. observed that there is no logic in the submission that the ascertainment of liability even with regard to the working of the industry in the past can take place only during the subsistence of the relationship of master and servant between the employer and the employee. It shall not lie in the mouth of the employer to say that as the industry has ceased to carry on business their obligation to pay for the services rendered in the past should be wiped out.

6. In the present case, the bonus is claimed for the year 1972-73 when the industry was existing and the employer and employee relationship was also in factual existence. Subsequent closure of the industry will not reflect against the validity of the reference and as such the plea raised in arguments is rejected as having no force.

7. Shri Chiranji Lal (M.W. 1) has proved by his statement that the industry came to existence in the year 1972 on 15th December and was closed on 13th November, 1974. Thus in the year 1972-73 for which accounting year profit sharing bonus has been claimed. It was a new establishment within the meaning of Sec. 16 of the Payment of Bonus Act and was protected by its provisions. A similar view has been taken in Alloy and Steel Project Vs. Their workmen (40 FJR 151 (SC) and in Workmen of Hindustan Machine Tools Ltd. Vs. National Industrial Tribunal, Calcutta (1973 Lab. I.C. 1043 SC).

8. It is clear from the perusal of Profit and Loss Accounts and the Balance-sheets for the relevant years that the Company did not make any profit. Section 16 does contemplate that for the purpose of calculating the profit with respect to a new establishment depreciation shall also be taken into account. When the Company—a new establishment did not make any profit the question of giving profit sharing bonus could not arise.

9. Moreover Shri Chiranji Lal has stated on oath that neither any worker nor the Union raised any demand with the employer about the profit sharing bonus. If no demand was made with the employer no industrial dispute could be said to have arisen between the parties and it was follows that no reference could be made. The leading case on this point is the case of Sindhu Resettlement Corporation Ltd. Vs. Industrial Tribunal, Gujarat and others (AIR 1968 SC. 529) wherein it has been observed that raising of a dispute with the employer in sine qua non for making it an industrial dispute and unless the dispute is so raised neither the Government assume jurisdiction to make a reference nor the Tribunal has a right to adjudicate upon it.

10. The reference is, therefore, answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

Dated : 1-7-1976.

{No. L-29011/2/75-DHIB(B)}

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 19th July, 1976

S.O. 2799.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Messrs G. Samonta, Mica Mines Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 16 of 1974

In the matter of an industrial dispute u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's order No. L-28011/6/73-LRIV dated 18-5-1974)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs G. Samonta, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—None.

On behalf of the workmen—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Mica Mine.

Dhanbad, 8th July, 1976

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi sent the above reference to this Tribunal for adjudication of the industrial dispute involved with the following issues framed :—

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen employed by Messrs G. Samonta, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh for payment of bonus at the rate of 20 per cent of the wages earned by them for the accounting year commencing in the year 1971 is justified? If not to what quantum of bonus are the workmen entitled for that year?"

On receipt of the Order of Reference notices were sent to both sides. After some adjournments written statement and rejoinders were filed by the parties. The case proceeded along its course. As time went by, it appears that the workmen started losing interest in their case. On the date fixed for hearing of the preliminary point, none was present for the workmen for any step was taken by them. The preliminary point was heard ex-parte in the absence of the workmen. Thereafter some adjournment was given at the instance of the workmen. The case was again fixed on 1-5-76 and the parties were sent notices for the same under registered post. On 1-5-76 none was present for the workmen nor any step was taken by them. The employers appeared. By this time the reference became more than two years old and it was all the more necessary that the disposal should be expedited. The case was fixed on 20-5-76 and 21-5-76 for evidence and argument. Due intimation was given to the parties about the date so fixed under registered post. On the date so fixed none was present either for the employers or for the workmen and no step was taken by either side. However for ends of justice I gave another opportunity to the parties and fixed the case for evidence and argument on 10-6-76. On 10-6-76 the parties did not appear and take any steps. The case was again fixed for evidence and argument on 25-6-1976 as a last chance. But none of the parties appeared on that date nor took any steps. If actually the parties had any genuine difficulty they could have prayed for adjournment which could have been considered on merit. There could be no justification for the absence of the parties on the dates fixed for evidence and argument without notice. In view of the oldness of the case, the Court cannot give indefinite time to the parties. In the facts and circumstances of the case I am inclined to believe that the parties are no longer interested to proceed with their case presumably because they do not have any industrial dispute subsisting. They have not come and pressed their dispute inspite of reasonable chances given to them, and as such it is evident that no industrial dispute exists any more between the parties.

In the result I pass a 'no dispute' award in respect of this Reference.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

[No. L-28011(6)/73-LR. IV/D-IV(B)]

S.O. 2800.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad in the industrial

dispute between the employers in relation to the management of Messrs Nund and Samonta Company (Private) Limited, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 15 of 1974

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's order No. L-28011/77/73-LR. IV dated 25-3-74)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Nund & Samonta Company (Private) Limited, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—None.

On behalf of the workmen—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Mica Mine.

Dhanbad, 7th July, 1976

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi sent the above reference to this Tribunal for adjudication of the industrial dispute involved with the following issues framed :

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen employed by Messrs Nund & Samonta Company (Private) Limited, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh for payment of bonus at the rate of 20 per cent of the wages earned by them for the accounting year commencing in 1971 is justified? If not, to what quantum of bonus are the workmen entitled for that year?"

On receipt of the Order of Reference notices were sent to both sides. After some adjournments written statement and rejoinders were filed by the parties. The case proceeded along its course. As time went by, it appears that the workmen started losing interest in their case. On the date fixed for hearing of the preliminary point, none was present for the workmen nor any step was taken by them. The preliminary point was heard ex-parte in the absence of the workmen. Thereafter some adjournment was given at the instance of the workmen. The case was again fixed on 1-5-1976 and the parties were sent notices for the same under registered post. On 1-5-1976 none was present for the workmen nor any step was taken by them. The employers appeared. By this time the reference became more than two years old and it was all the more necessary that the disposal should be expedited. The case was fixed on 20-5-1976 and 21-5-76 for evidence and argument. Due intimation was given to the parties about the date so fixed under registered post. On the date so fixed, none was present either for the employers or for the workmen and no step was taken by either side. However for ends of justice I gave another opportunity to the parties and fixed the case for evidence and argument on 10-6-1976. On 10-6-1976 the parties did not appear and take any steps. The case was again fixed for evidence and argument on 25-6-1976 as a last chance. But none of the

parties appeared on that date nor took any steps. If actually the parties had any genuine difficulty they could have prayed for adjournment which could have been considered on merit. There could be no justification for the absence of the parties on the dates fixed for evidence and argument without notice. In view of the oldness of the case, the Court cannot give indefinite time to the parties. In the facts and circumstances of the case I am inclined to believe that the parties are no longer interested to proceed with their case presumably because they do not have any industrial dispute subsisting. They have not come and pressed their dispute inspite of reasonable chances given to them, and as such it is evident that no industrial dispute exists any more between the parties.

In the result I pass a 'no dispute' award in respect of this Reference.

[No. L-28011(7)/73-LR IV /D-IV(B)]

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

New Delhi, the 20th July, 1976

S.O. 2801.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Air India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th July, 1976.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

Presiding Officer.

Reference No. CGIT-23 of 1975

PARTIES :

Employers in relation to The management of Air-India, Bombay and their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. K. Wadia, Solicitor.
Shri V. N. Malya, Dy. Industrial Relations Manager.

For the workmen—Shri S. H. Kapadia, Advocate.

STATE : Maharashtra. **INDUSTRY :** Air-Lines.
Bombay, the 3rd June, 1976

AWARD

By order No. L-11011(24)/74-LR. III/D(B), dated 8-5-1975, the Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the I.D. Act, 1947 referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Air-India, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the schedule mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Air-India, Bombay, in confirming Shri N. N. Vaishampayan as a Junior clerk, with effect from 1-6-1955 was legal

and justified ? If the answer is not in the affirmative, whether this has caused retrogression of seniority of Shri V. S. Rane, another Junior clerk and if so, to what relief is the aggrieved workman, Shri V. S. Rane entitled ?"

2. Shri M. Ghali, Vice-President of Air India Employees Guild in his claim statement on behalf of Shri V. S. Rane submits that Shri V. S. Rane joined Air India on 17-1-1955 as a Junior Clerk on a monthly salary of Rs. 80/- in the pay scale of Rs. 80—5—100—10—150—15—210 and he was confirmed as Junior Clerk in the Engineering Department on 1-8-1955, whereas Shri N. N. Vaishampayan joined Air India as a Telephone Operator in the Operation Department on 1-12-1954 at a salary of Rs. 90/- per month in the pay scale of Rs. 80—5—100—10—150—15—210 and he was transferred to Engineering Department on 1-4-1955 on his request to a fresh post of Jr. Clerk but he was confirmed as a Junior Clerk on 1-6-1955. It is stated both Shri V. S. Rane and Shri N. N. Vaishampayan were confirmed as Senior Clerks on 1-7-1961 and as Office Assistants on 1-1-1970. It is stated that in Air India, seniority is department-wise and that as a general rule when an employee is transferred from one department to another as in the present case his seniority in the department to which he is transferred begins from the date of his joining the department. It is further stated that Shri N. N. Vaishampayan's seniority in the Engineering Department must be reckoned from the date on which he joined the Engineering Department i.e. from the 1st April, 1955. It is submitted that the action of the Management of Air-India Bombay in confirming Shri N. N. Vaishampayan as Junior clerk with effect from 1-6-1955 was illegal and unjustified and the said action on the part of the management has caused retrogression of seniority of Shri V. S. Rane another junior clerk.

3. Shri S. K. Nanda, Chief Personnel Manager, on behalf of the employers states that the Union was not entitled to raise the question regarding the legality and justification of the confirmation of Shri N. N. Vaishampayan after a lapse of about 19 years and it was not open to the Central Government to refer and the Central Government was not justified in referring the said question to this Tribunal after a lapse of nearly 20 years and Shri V. S. Rane is not entitled to any relief. It is further stated that this reference is not maintainable and should be dismissed and in any event the demand should be rejected and no relief should be granted to Shri V. S. Rane. It is submitted that whilst undergoing probation Shri N. N. Vaishampayan sought a transfer to the Engineering Department as a clerk and his request was granted and he was transferred to the Engineering Department as a clerk on 1-4-1955. It is stated that on completion of probationary period of six months Shri Vaishampayan was confirmed as a Junior Clerk in the Engineering Department with effect from 1-6-1955. It is further stated that Shri V. S. Rane joined the service on 17-1-1955 as a Junior Clerk in the Engineering Department and he was confirmed as a Junior Clerk in the Engineering Department on 1-8-1955. It is submitted that the service rules which were in operation and in force at the time of the respective appointments and at the time of their respective confirmations in service were Air-India Ltd., Employees' Service Rules, 1949 and the confirmation of Shri N. N. Vaishampayan was done in accordance with the terms of his letter of appointment and was legal and justified and that there has been no retrogression of seniority of Shri V. S. Rane and he is not entitled to any relief.

4. In the rejoinder of Air-India to the statement of claim of Air-India Employees' Guild, it is stated that if an employee was transferred from one department to another he retained his seniority which he had acquired at the time of his confirmation. It is not correct that Shri Vaishampayan's seniority in the Engineering Department must be reckoned from the date on which he joined the Engineering Department. It is also not correct that Shri Vaishampayan should have been treated as a fresh recruit as and from 1-4-1955 when he was transferred as a Junior Clerk. It is stated that even assuming whilst denying that the contention of Air-India Employees Guild that Shri Vaishampayan was confirmed after less than six months' probation is correct, having regard to Rule 12 of Air India Ltd. Employees Services Rules, the Management was entitled to do so and that the confirmation of Shri Vaishampayan was valid and proper. It is submitted that having regard to the settlement dated 30-11-1961, the

seniority of Shri Vaishampayan over Shri Rane stands and cannot be questioned.

5. The Air-India Employees Guild in its rejoinder states that Shri V. S. Rane came to know sometime in the year, 1969 that Shri Vaishampayan was being treated as senior to him in service and as such Shri Rane immediately saw the Establishment Officer and raised objections with regard to the appointment of Shri Vaishampayan as senior to him in service.

6. The first preliminary objection taken by the management is that there is great delay in making the reference by the Government as Shri Vaishampayan was confirmed in the year 1955 and the reference is made in the year 1975 and this delay is sufficient to show that the reference is not maintainable. The learned Counsel for the employer relies on the judgement of the Andhra Pradesh High Court in the case between V. Waman Rao and Collector of Adilabad District and others, 1974, II, LLJ, Page 542, where it was observed that if a Government servant sleeps over his rights and allows the non-statutory seniority list to be acted upon he will thereafter be estopped from questioning the seniority list, that this is because he has allowed rights to be created in third parties by his own default and negligence and that where no rights have been created in third parties, there is no reason why matters should not be rectified. I find no force in this preliminary objection. In this case the workman Shri Rane came to know sometime in the year 1969 that Shri Vaishampayan was being treated as senior to him in service and he immediately raised objections, and then raised industrial dispute and there is also no third party involved in this dispute.

7. That takes me now to the merits of the case. It is contended by the learned Counsel for the Guild that Shri Vaishampayan joined Air-India as a Telephone Operator in the Operation Department on 1-12-1954 on a salary of Rs. 90/- per month in the Pay scale of Rs. 80—5—100—10—150—15—210. Thereafter, Shri Vaishampayan by his letter dated 6-1-1955, Exhibit E-6 made an application to the Personnel Manager, through the Asstt. Operations Manager for his appointment as a clerk. Shri Vaishampayan was transferred by the Personnel Officer by his letter dated 30-3-1955, Exhibit E-10 to the Engineering Department at Santacruz with effect from 1-4-1955 on the same salary and he was asked to report to the Dy. Chief Engineer on 1-4-1955 for further instructions. The Counsel for the Guild contends that Shri Rane was offered the post of junior clerk by letter dated 11-1-1955, Exhibit E-7 and he accepted the terms and conditions by his letter dated 14-1-1955, Exhibit E-8 and he was appointed as Junior Clerk by letter dated 19-1-1955 Exhibit E-9 with effect from 17-1-1955 and he was confirmed by letter dated 12-9-1955, Exhibit E-12 with effect from 1-8-1955. The learned Counsel for the Guild very vehemently canvasses that Shri Vaishampayan's confirmation on the basis of his first appointment as Telephone Operator was not legal and justified as he had not completed six months probationary period from the date of his appointment as Junior Clerk. It is argued that under rule 12 of the Air India Ltd. Employees' Service Rules, 1949, Exhibit E-24, he should have to complete six months probationary period as Junior Clerk before his confirmation. The Counsel for the Guild insists that Shri Vaishampayan should have completed six months as Junior Clerk before his confirmation, which he has not done and therefore his confirmation as Junior Clerk from 1-6-1955 was highly irregular, as the probationary period as Telephone Operator cannot be counted for confirmation as a Junior Clerk.

8. On the other hand it is submitted by the learned Counsel for the management that Shri Vaishampayan's confirmation with effect from 1-6-1955 was just and proper as he has completed six months probationary period of his appointment as Telephone Operator and the scale of pay of the Telephone Operator and the Junior Clerk are the same and no prejudice has been caused to Shri Rane. Both Shri Vaishampayan and Rane have been promoted as Office Assistant in the grade of Rs. 285—20—385—25—560 with effect from 1-7-1969 vide Exhibit E-13 and 14 and both have been confirmed as Office Assistant in the grade Rs. 285—20—385—25—560 vide Exhibit E-14A and 15.

9. The first point that arises for determination in this reference is whether the action of the management of Air India, Bombay in confirming Shri N. N. Vaishampayan as

a Junior Clerk with effect from 1-6-1955 was legal and justified. Shri Vaishampayan was appointed on a salary of Rs. 90 as a Telephone Operator with effect from 1-12-1954 in the operations Department. By Exhibit E-10 dated 30-3-1955 Shri Vaishampayan was transferred to the Engineering Department to work as Junior Clerk with effect from 1-4-1955. He was confirmed as Junior Clerk by order dated 14-7-1955 Ex. E-11 with effect from 1-6-1955 in the grade of Rs. 80—5—100—10—150—15—210. Clause 2 of the terms of appointment dated 26-11-1954, Ex. E-3 shows that Shri Vaishampayan was to be on probation for a period of six months from the date of his joining and clause 5 is to the effect that if his work and conduct are found satisfactory, he will be confirmed at the end of his probationary period as a permanent member of the staff on the salary plus dearness allowance in the salary grade of Rs. 80—5—100—10—150—210. and clause 6 mentions that on confirmation he may be required to serve in any department or at any station on its routes and he will always be subject to the general service rules of the Corporation from time to time and for the time being on force. Rule 12 Air India Ltd. Employees Service Rules, Ex. E-24, which governs the service conditions of Shri Vaishampayan and Rane lays down that the appointment of employees will be made on probation for a minimum period of six months with the exception of the Engineering staff who will normally undergo a 12 months' probationary period. In special cases the probationary period may be reduced at the discretion of the Department. During the probationary period employment is liable to termination at any time with 7 days' notice. Rule 12 of Ex. E-24 clearly shows that the appointment of the employees will be for a period of 6 months. Rule 12 does not say that the period of probation should be on a particular post. By Ex. E-3 Shri Vaishampayan had been made known that he will be on probation for six months. No rule has been cited by the learned Counsel for the Guild to show that Shri Vaishampayan should have served six months as Junior Clerk before his confirmation as Junior Clerk in the Engineering Department. Further it may be pointed out that the pay scales of Junior Clerk and the Telephone Operator are the same viz. 80—210. It was not incumbent on the management to have confirmed Shri Vaishampayan only after he completed six months service as Junior Clerk. An amusing and interesting arguments is advanced by the Counsel for the Guild that before confirmation of Shri Vaishampayan the management should have taken into consideration the interest of other persons serving in the Engineering Department prior to the transfer of Shri Vaishampayan. This argument is to be considered only to be rejected. While confirming a person it is not necessary for the management to consider the services of other employees in the department. Once an employee successfully completes his probationary period of six months he is entitled to be confirmed.

10. Even assuming for a moment that Shri Vaishampayan was confirmed before completing six month's probation as a Junior Clerk, it cannot be said that the management has violated rule 12 of Ex. E-24. Rule 12 enjoins that in special cases the probationary period may be reduced at the discretion of the management. It is not essential that Ex. E-11 should have mentioned the reasons for confirmation of Vaishampayan before the expiry of the probationary period. It is entirely depended on the management to use its discretion and this Tribunal cannot question its discretion. The conclusion is therefore, irresistible that the action of the management of Air India, Bombay in confirming Shri N. N. Vaishampayan as a Junior Clerk with effect from 1-6-1955 was legal and justified.

11. Although the determination of the second issue is not necessary in view of my findings on the first issue, but I proceed to deal with the second issue also. The second aspect of the dispute for determination is whether has caused retrogression of seniority of Shri V. S. Rane, another Junior Clerk. Shri Rane was appointed under Ex. E-9 dated 19-1-1955 and he was confirmed with effect from 1-8-1955 as Junior Clerk under Exhibit Ex. E-12. The rules of Seniority, Exhibit E-1 mention that the seniority will be determined by the date of confirmation in the grade. It is to be further noticed that both Shri Vaishampayan and Shri Rane have been promoted as Office Assistant in the grade of Rs. 285—20—385—25—560 with effect from 1-7-1969 vide Exhibit E-13 and E-14 and both have been confirmed as Office Assistant in the same grade with effect from 1-1-1970 vide Exhibit E-14A and 15. In the face of this it

cannot be legitimately argued that there have been any retrogression of seniority so far as Shri Rane is concerned. There is another aspect of the matter which cannot be altogether ignored. The Memorandum of Settlement Ex. E-12 dated 30-11-1961 arrived at between the management and the Air Corporation Employees' Union lays down under clause 1(vii) that the employees shall retain the inter-se seniority as it existed prior to the 7th November, 1960. In the face of the settlement it is not open to the Guild to challenge the seniority of Shri Vaishampayan. I, therefore, hold that the action of the management of Air India, Bombay in confirming Shri N. N. Vaishampayan as a Junior Clerk with effect from 1-6-1955 was legal and justified and it has not caused any retrogression of seniority of Shri V. S. Rane another Junior Clerk. Therefore, Shri Rane is not entitled to any relief. The reference is answered accordingly. I make no order as to costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer
[No. L-11011/24/74/LR III/D II(B)]
HARBANS BAHADUR, Section Officer (Spl.).

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई विल्ली, 24 जुलाई, 1976

का० आ० 2802.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, प्रबृ. एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 5 के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्रीबोगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रिकरण और प्रत्यापन नियम, 1952 से उत्पादन ग्रलप 49 को उस प्रलप के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसमें, इस आदेश की अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए उपक्रमों के बारे के सम्बन्ध में, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम 1969 (1969 का 54) की धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन सूचना दी जाएगी।

अनुसूची

नीचे उल्लिखित वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए उपक्रमों के सम्बन्ध में असता का स्वत. विकास :-

1. आटोमोबाइल सहायक सामान
2. डालन और बद डाइ फोर्जेंस
3. ट्रैक्टर
4. वाणिज्यिक यान
5. कुलाई उपस्कर
6. डीजल हंजन, पम्प
7. क्रेन
8. मिट्टी कुलाई, खनन और धारु कर्म उपस्कर
9. प्रबन्धालित उपस्कर
10. श्रीबोगिक मणीने जिसके अन्तर्गत गमायनिक संयंत्र और मणीने भी है।
11. मणीनी श्रीजार
12. टैक्सटाइल मणीने
13. बैंगुत परेशन और वितरण उपस्कर (केबलों और तारों से भिन्न)
14. बैंगुत ट्रांसफार्मर
15. स्विचिंगर

[फा० सं० 38/12/76-सी एल. 5]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 24th July, 1976

S.O. 2802.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 5 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby specifies Form IL annexed to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, as the Form in which a notice under sub-section (1) of section 21 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, (54 of 1969), shall be given in respect of the class of undertakings engaged in the production of articles specified in the Schedule to this Order.

SCHEDULE

Automatic growth of capacities in respect of undertakings engaged in the production of undermentioned articles.

1. Automobile ancillaries.
2. Castings and closed die forgings.
3. Tractors.
4. Commercial Vehicles.
5. Conveying equipment.
6. Diesel engines, pumps.
7. Cranes.
8. Earth moving, mining and metallurgical equipment.
9. Hydraulic equipment.
10. Industrial machinery, including Chemical Plant and machinery.
11. Machine Tools.
12. Textile machines.
13. Power transmission and distribution equipment (other than cables and wires).
14. Power transformers.
15. Switchgear.

[F. No. 38/12/76-CL-V]

आदेश

का० आ० 2803.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, प्रबृ. एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस आदेश की अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए उपक्रमों के बारे के सम्बन्ध में उक्त नियम के उपनियम (1) में निर्दिष्ट साधारण सूचना के प्रकाशन से, इस आदेश द्वारा, प्रभिमुकित प्रवान करती है।

अनुसूची

1. आटोमोबाइल सहायक सामान।
2. डालन और बद डाइ फोर्जेंस
3. ट्रैक्टर
4. वाणिज्यिक यान
5. कुलाई उपस्कर
6. डीजल हंजन, पम्प
7. क्रेन

8. मिट्टी तुलाई, खनन और धातुकर्म उपस्कर
9. व्रचनालित उपस्कर
10. श्रीयोगिक मशीनें, जिनके प्रत्यंत रामायनिक संग्रह और मणीने भी हैं।
11. मशीनी श्रीजार
12. टैक्सटाइल मशीनें
13. बैचूत प्रेषण और वितरण उपस्कर (केवलों और तारों से भिन्न)
14. बैचूत ट्रांसफार्मर
15. स्विचिंगर।

[का० स० 38/12/76-सी.एल.-5]

ORDER

S.O. 2803.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule, in respect of the class of undertakings engaged in the production of articles specified in the Schedule to this order.

SCHEDULE

1. Automobile ancillaries.
2. Castings and closed die forgings.
3. Tractors.
4. Commercial Vehicles.
5. Conveying equipment.
6. Diesel engines, pumps.
7. Cranes.
8. Earth moving, mining and metallurgical equipment.
9. Hydraulic equipment.
10. Industrial machinery, including Chemical Plant and machinery.
11. Machine Tools.
12. Textile machines.
13. Power transmission and distribution equipment (other than cables and wires).
14. Power transformers.
15. Switchgear.

[F. No. 38/12/76-CI -V]

आवेदन

का० आ० 2804.—केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है।

अब, अब, एकाधिकारी तथा अवरोधक अधिकारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 5 के उन्नियम (5) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार श्रीयोगिक उपकरणों का रजिस्ट्रेशन श्रीर अनुशासन नियम, 1952 में उपावल ग्रन्थ 49 को उम प्रस्तुप के रूप में विनिविल करनी है जिसमें, इस आवेदन की अनुसूची में विनिविल वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए उपकरणों के वर्ग के सम्बन्ध में, एकाधिकारी तथा अवरोधक अधिकारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 21 को उपधारा (1) के प्रधीन सूचना दी जाएगी।

अनुसूची

नीचे उल्लिखित वस्तुओं के सम्बन्ध में प्रत्येक शामता से भी अधिक इस्टाल की गई शामता का बिना किसी सीमा के उपयोगः—

1. विशेष मिशनात्, लौह और स्टील इस्पात डालन, एस० जी० लौह डालन, जगीरी इस्पात डालन और बंद डाई फोर्जन।
2. डीजल ईंजन (15 हार्स्पावर से अधिक) और पम्प (लघु उच्चोंगों के लिए आरंभित छोटे पम्पों से भिन्न)
3. विद्युत के प्रेषण और वितरण के लिए उपस्कर
4. विद्युत ट्रांसफार्मर
5. स्विचिंगर
6. विद्युत मोटर—विशेष प्रकार की (उदाहरणार्थ ज्वालामह मोटर)
7. बैचूत भट्टियां
8. बैचूत संघटक और उपस्कर
9. वाणिज्यिक ग्रान
10. ट्रैक्टर
11. स्कूटर
12. आटोमोबाइल सहायक सामान
13. श्रीयोगिक मशीनें
14. मशीनी श्रीजार
15. तुलाई उपस्कर
16. जैन
17. मिट्टी तुलाई, खनन और धातुकर्म उपस्कर
18. द्रवचालित उपस्कर
19. नाइट्रोजन और फास्टेट वांग उर्वरक
20. अकार्बनिक भारी रसायन
21. कार्बनिक भारी रसायन
22. अच्छे प्रकार के रसायन, जिनके प्रत्यंत फोटोप्राकी सम्बन्धी रसायन भी हैं।
23. सिलिंटर रबड़ और रबड़ रसायन
24. श्रीयोगिक विस्फोटक पदार्थ
25. कीटनाशी, कवकनाशी, अपतृणनाशी और तत्प्राप्त
26. कागज सथा लुगदी, जिसके प्रत्यंत रसायन हैं।
27. रिफैक्टरी और भट्टी लाइनिंग हैं।
28. पोर्टलैण्ड सीमेंट
29. आधारी श्रीदध्यार्यां

[का० स० 38/12/76-सी.एल.-5]

ORDER

S.O. 2804.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 5 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby specifies Form IL annexed to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, as the Form in which a notice under sub-section (1) of section 21 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, (54 of 1969), shall be given in respect of the class of undertakings engaged in the production of articles specified in the Schedule to this Order,

SCHEDULE

Utilisation of installed capacities without limit even in excess of licensed capacities in respect of the articles mentioned below:—

1. Special alloy, Iron and Steel Castings, S. G. Iron Castings, Stainless steel castings and closed die forgings.
2. Diesel engines (above 15 H.P.) and pumps (other than small pumps reserved for Small Scale Industries).
3. Equipment for transmission and distribution of electricity.
4. Power transformers.
5. Switch gears.
6. Electric motors—specialised types (e.g. flameproof motors).
7. Electric furnaces.
8. Electronic components and equipment.
9. Commercial vehicles.
10. Tractors.
11. Scooters.
12. Automobile ancillaries.
13. Industrial machinery.
14. Machine tools.
15. Conveying equipment
16. Cranes.
17. Earth-moving, mining and metallurgical equipment.
18. Hydraulic equipment.
19. Nitrogenous and Phosphatic fertilisers.
20. Inorganic heavy chemicals.
21. Organic heavy chemicals.
22. Fine chemicals including photographic chemicals.
23. Synthetic rubber and rubber chemicals.
24. Industrial explosives.
25. Insecticides, fungicides, weedicides and the like.
26. Paper and pulp including paper products.
27. Refractories and furnace-lining bricks.
28. Portland Cement.
29. Basic drugs.

[File No. 38/12/76-CL. V]

आदेश

कानूनों 2805.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

ग्रन्तः, ग्रन्त, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक अधिकार नियम, 1970 के नियम 4क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस आदेश की अनुसूची में विनिरिट वस्तुओं के उत्पादन में लगे हुए उपकरणों के बर्ग के सम्बन्ध में उक्त नियम के उपनियम (1) में निर्दिष्ट साधारण सूचना के प्रकाशन से, इस आदेश द्वारा, अभिमुक्ति प्रदान करती है:—

अनुसूची

नीचे उल्लिखित वस्तुओं के सम्बन्ध में अनुजाप्त क्षमता से भी अधिक इंस्टाल की गई क्षमता का बिना किसी सीमा के उपयोग:—

1. विशेष मिश्रधातु, लौह और स्टील इस्पात डालन, एस.जी. लौह डालन, जंगरोधी इस्पात डालन और बंद डाई फोर्जन।
2. डीजल इंजन (15 हार्स पावर से अधिक) और पम्प (लघु उद्दोगों के लिए आरक्षित छोटे पम्पों से भिन्न)
3. विद्युत के परेषण श्रीर वितरण के लिए उपस्कर
4. विद्युत ट्रांसफार्मर
5. स्विचगियर
6. निवृत मोटर—विशेष प्रकार की (उदाहरणार्थ, ज्ञालासह मोटर)।
7. बैचूत भट्टिया
8. बैचूत संषटक और उपस्कर
9. वाणिजिक यान
10. ट्रैक्टर
11. स्टूटर
12. आटोमोबाइल सहायक मामान
13. ग्रौषोगिक मशीनें
14. मशीनी शौजार
15. दूसाई उपस्कर
16. क्रेन
17. मिट्टी धूलाई, खनन और बातु कर्म उपस्कर
18. प्रभासालित उपस्कर
19. माइट्रोजन और फास्फेट माले उर्वरक
20. अकार्बनिक भारी रसायन
21. कार्बनिक भारी रसायन
22. अच्छे प्रकार के रसायन, जिनके अन्तर्गत फोटोग्राफी सम्बन्धी रसायन भी हैं
23. संश्लिष्ट रेड और रेड रसायन
24. ग्रौषोगिक विस्फोटक पदार्थ
25. कीटनाशी, कषकमाशी, मपतूणमाशी और तत्समान
26. कागज तथा लुगवी, जिसके अन्तर्गत कागज के उत्पाद भी हैं
27. रिफेक्टरी और भट्टी साइनिंग ईटे
28. पोर्टलैन्ड सीमेंट
29. घाघारी ग्रौषियाँ

ORDER

S.O. 2805.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule, in respect of the class of undertakings engaged in the production of articles specified in the Schedule to this Order:

SCHEDULE

Utilisation of installed capacities without limit even in excess of licensed capacities in respect of the articles mentioned below:

1. Special alloy, Iron and Steel Castings, S.G. Iron Castings, Stainless steel castings and closed die forgings.
2. Diesel engines (above 15 H.P.) and pumps (other than small pumps reserved for Small Scale Industries.)
3. Equipment for transmission and distribution of electricity.
4. Power transformers.
5. Switch gears.
6. Electric motors—specialised types (e.g. flame-proof motors.)
7. Electric furnaces.
8. Electronic components and equipment.
9. Commercial vehicles.
10. Tractors.
11. Scooters.
12. Automobile ancillaries.
13. Industrial machinery.
14. Machine tools.
15. Conveying equipment.
16. Cranes.
17. Earth moving, mining and metallurgical equipment.
18. Hydraulic equipment.
19. Nitrogenous and Phosphatic fertilisers.
20. Inorganic heavy chemicals.
21. Organic heavy chemicals.
22. Fine chemicals including photographic chemicals.
23. Synthetic rubber and rubber chemicals.
24. Industrial explosives.
25. Insecticides, fungicides, weedicides and the like.
26. Paper and pulp including paper products.
27. Refractories and furnace-lining bricks.
28. Portland Cement.
29. Basic drugs.

[F. No. 38/12/76-CL-V]

आदेश

का०आ० 2806.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, अब, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग हुए, केन्द्रीय सरकार, उन उपक्रमों के सम्बन्ध में जिनमें मनुष्यों द्वारा उपस्कर लगाने तथा आवृत्तिकरण के परिणामस्वरूप प्रतिक्रिया क्षमता उत्पन्न हो जाती है, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 21 की उपधारा (1) के प्रधीन सूचना वी जाएगी, या धारा 22 की उपधारा (2) के प्रधीन आवेदन किया जाएगा।

[फा० सं० 38/12/76-सी.ए.ल. 5]

ORDER

S.O. 2806.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule, in respect of undertakings in which additional capacity is created as a result of replacement and modernisation of obsolete equipment.

[F. No. 38/12/76-CL-V]

आदेश

का०आ० 2807.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, अब, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 5 के उपनियम (5) और नियम 6 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और मनुष्यापन नियम, 1952 से उपायद्वय प्रैलूप 49 को उस प्रैलूप के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसमें उन उपक्रमों के सम्बन्ध में जिनमें मनुष्यों द्वारा उपस्कर के स्थान पर दूसरा उपस्कर लगाने तथा आवृत्तिकरण के परिणामस्वरूप प्रतिक्रिया क्षमता उत्पन्न हो जाती है, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 21 की उपधारा (1) के प्रधीन सूचना वी जाएगी, या धारा 22 की उपधारा (2) के प्रधीन आवेदन किया जाएगा।

[फा० सं० 38/12/76-सी.ए.ल. 5]

ORDER

S.O. 2807.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 5, and sub-rule (3) of rule 6, of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby specifies Form II annexed to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, as the Form in which a notice under sub-section (1) of Section 21, or an application under sub-section (2) of section 22, of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, (54 of 1969), shall be given or made in respect of the undertakings in which additional capacity is created as a result of replacement and modernisation of obsolete equipment.

[F. No. 38/12/76-CL-V]

आदेश

का०आ० 2808.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, अब, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस आदेश की अनुसूची में विनियिष्ट क्षेत्रों में उत्पादन में लगे हुए उपकरणों के सम्बन्ध में उक्त नियम के उपनियम (1) में नियिष्ट साधारण सूचना के प्रकाशन से, इस आदेश द्वारा, अधिसूचित प्रवान कर सके।

अनुसूची

1. सांताक्रूज इलेक्ट्रोनिक्स नियांति प्रसंस्करण क्षेत्र।
2. कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र।

[फा० सं० 38/12/76-सा०एल० 5]

कान्तमणि शर्मा, प्रब्रह्म सचिव

ORDER

S.O. 2808.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby dispenses with the publication of the general notice referred to in sub-rule (1) of the said rule, in respect of the undertakings engaged in production in the areas specified in the Schedule to this Order.

SCHEDULE

1. Santa Cruz Electronics Export Processing Zone.
2. Kandla Free Trade Zone.

[File No. 38/12/76-CL-V]

आदेश

का०आ० 2809.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है,

अतः, अब, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 5 के उपनियम (5), और नियम 6 के उपनियम (3), द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, औषोड़ियक उपकरणों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 से उपार्थ प्रलैप 49 को उस प्रलैप के रूप में विनियिष्ट करती है जिसमें इस आदेश की अनुसूची में विनियिष्ट क्षेत्रों में उत्पादन में लगे हुए उपकरणों के वर्ग के सम्बन्ध में, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन सूचना दी जाएगी जो इस आदेश की अनुसूची में विनियिष्ट उद्योगों में प्रयोग कार्यकलापों का परिवर्तन करते हैं।

अनुसूची

1. सांताक्रूज इलेक्ट्रोनिक्स नियांति प्रसंस्करण क्षेत्र।
2. कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र।

[फा० सं० 38/12/76-सा०एल० 5]

ORDER

S.O. 2809.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 5, and sub-rule (3) of rule 6, of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby specifies Form IL annexed to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, as the Form in which a notice under sub-section (1) of Section 21, or an application under sub-section (2) of Section 22, of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, (54 of 1969), shall be given or made in respect of the undertakings engaged in production in the areas specified in the schedule to this Order.

SCHEDULE

1. Santa Cruz Electronics Export Processing Zone.
2. Kandla Free Trade Zone.

[F. No. 38/12/76/CL-V]

आदेश

का०आ० 2810.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, अब, एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 5 के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार औषोड़ियक उपकरणों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 से उपार्थ प्रलैप 49 को उस प्रलैप के रूप में विनियिष्ट करती है जिसमें इस आदेश की अनुसूची में एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन सूचना दी जाएगी जो इस आदेश की अनुसूची में विनियिष्ट उद्योगों में प्रयोग कार्यकलापों का परिवर्तन करते हैं।

अनुसूची

1. समीचीन उद्योग
2. समीचीन औजार उद्योग
3. समीचीन उद्योग से मणीन औजार उद्योग में तथा उसके विपरीत
4. बैधुत उपस्कर उद्योग (अनुसूचित उद्योग) 5(1), और 5(2)
5. सीमेंट विनिर्माताओं द्वारा सीमेंट समीचीनों का तैयार किया जाना
6. याकाकार उद्योग
7. अक्रेस मिथ्र धातुएं, सेमिस उद्योग
8. इस्पात पाइप और द्रूब उद्योग
9. दो पहियों वाली गाड़ी उद्योग

[फा० सं० 38/12/76-सी०एल० 5]

कान्तमणि शर्मा, प्रब्रह्म सचिव

ORDER

S.O. 2810.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) or rule 5 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby specifies Form IL annexed to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, as the Form in

which a notice under sub-section (1) of section 21 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), shall be given in respect of all undertakings diversifying their activities in industries specified in the Schedule to this Order.

SCHEDULE

1. Machinery Industry.
2. Machine Tool Industry.
3. Machinery Industry to Machine Tool Industry and vice-versa.
4. Electrical Equipment Industry [Scheduled Industry 5(1) and 5(2)].
5. Fabrication of Cement machinery by cement manufacturers.
6. Passenger Car Industry.
7. Non-ferrous alloys, Semis Industries.
8. Steel pipes and tubes Industry.
9. Two-wheeler Industry.

[F. No. 38/12/76-CL-V]

K. M. SHARMA, Under Secy.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1976

आदेश

स्टाम्प

का० आ० 2811.—भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के बंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, उस शुल्क से जो हरियाणा वित्तीय निगम द्वारा जारी किये जाने वाले विवासी लाख पक्षास हजार रुपये मूल्य के बचतपक्षों के रूप में बन्धपक्षों पर उक्त प्रधिनियम के अधीन प्रभावी है, छूट देती है।

[सं० 37/76-स्टाम्प-का० सं० 471/94/75-सीमा शुल्क 7]

ओ० पी० मेहरा, उप-सचिव

DEPARTMENT OF REVENUE & BANKING

(Revenue Wing)

New Delhi, the 17th July, 1976

ORDER

STAMPS

S.O. 2811.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of eighty-two lakhs and fifty thousand of rupees to be issued by the Haryana Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 37/76-Stamps/F. No. 471/94/75-Cus. VII]

O. P. MEHRA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1976

सीमा शुल्क

का० आ० 2812.—सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन नियुक्त लकड़ीप द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक और उक्त द्वीप समूह के कलकट्टा-एवं-विकास आयोजन तथा पुलिस प्रभीक्षक को, उक्त प्रधिनियम की धारा 122 के बंड (ख) के अधीन कृत्य को छोड़ कर, सहायक सीमाशुल्क कलकट्टा के सभी कृत्य व्यस्त करती है, जिनका निर्वहन उक्त द्वीप समूह में सीमा-शुल्क और टट्वर्ती पत्तनों के भीतर किया जायेगा।

[प्रधिनियम सं० 382/का० सं० 437/4/76-सीमाशुल्क 4]

ए० के० सरकार, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 31st July, 1976

CUSTOMS

S.O. 2812.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby entrusts to the Administrator of the Union territory of Lakshadweep Islands appointed under article 239 of the Constitution, and the Collector-cum-Development Commissioner and the Superintendent of Police of the said Islands, all the functions of an Assistant Collector of Customs, except the function under clause (b) of section 122 of the said Act, to be performed within the customs and coastal ports in the said Islands.

[Notification No. 382/F. No. 437/4/76-Cus. IV]

A. K. SARKAR, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1976

का० आ० 2813.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रेल प्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 की उपधारा (3) के भन्दरण में, निम्न-लिखित नियमों को, जो कि परेविती या स्वामी की ओर से मुम्बई पत्तन व्यास रेल पर चल-स्टाक और इंजन के उपयोग को विनियमित करते के लिए और उक्त रेल के द्वारा माल के भाष्यागारण और निरोध के लिए, उक्त धारा 47 की उपधारा (1) के बंड (च) और (छ) के अधीन, उक्त रेल द्वारा, इस विधय पर सभी पूर्वसन प्रधिसूचनाओं को प्रधिकांत करते हुए, बनाए गए हैं, मंजूर करती है और प्रकाशित करती है,

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम मुम्बई पत्तन व्यास रेल (डेमरेज और स्थान भाड़ा) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. बैगनो पर डेमरेज —(1) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, बैगनो पर डेमरेज निम्नलिखित दरों पर प्रभारित किया जाएगा, अर्थात्—

परिस्थितिया	नि शुल्क अनुशासत किया गया समय	नि शुल्क समय के अनियंत्रित, बैगन की प्रति घटा या उसके भाग के लिए वहन समता पर प्रति मीटरी टन या उसके भाग के लिए दर	टिप्पणिया
-------------	-------------------------------	---	-----------

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

(1) परेषको द्वारा लदान के लिए प्रार्डर किए गए या परेषण नोट के लिए अथवा परेषक के किसी अविकलन के कारण या उसके अनुरोध पर अन्यथा रोके गए बैगनों पर।

उस समय में 5 काम के घटे जिस समय बैगन के लिए उपयुक्त स्थान पर लगा दिए जाते हैं, और डाक साइडिंग पर उस समय में 4 काम के घटे, जिस समय बैगन डाक साइडिंग में लदान के लिए उपयुक्त स्थान पर लगा दिए जाते हैं।

(2) परेषिती द्वारा उत्तराई के लिए प्रतीक्षाधीन या परेषिती के किसी अविकलन के कारण या उसके अनुरोध पर रोके गए भरे द्वारा बैगनों पर।

उस समय से पब्लिक या प्राइवेट साइडिंग में 5 काम के घटे जिस समय बैगन उत्तराई के लिए उपयुक्त स्थान पर लगा दिए जाते हैं 3, और डाक साइडिंग में उस समय से 4 काम के घटे, जिस समय बैगन डाक साइडिंग में उत्तराई के लिए उपयुक्त स्थान पर लगा दिए जाते हैं या उस समय से जिस समय वे उपयुक्त स्थान पर लगाए जाते के लिए तैयार हो तभी तक जब तक वे खाली यातूबारा बुक नहीं किए जाते हैं।

(2) जिस समय से उग-नियम(1) के अधीन डेमरेज का प्रोद्भूत होना प्रारम्भ होता है, डेमरेज प्रत्येक घटे के लिए, जिसमें छुट्टी के घटे, रविवार, राजपत्रित और डाक अवकाश विन सम्मिलित है, प्रभारित किया जाएगा।

(3) यदि कोई बैगन किसी विन काम के घटों की समाप्ति पर किसी कारण से डेमरेज के अधीन है, तो उस पर डेमरेज तथा तक, जब तक इसे विन के काम के घटे प्रारम्भ नहीं हो जाते हैं या जब तक बैगन उपलब्ध नहीं करा दिया जाता है, इनमें से जो भी अवधि दीर्घीतर हो, प्रभारित किया जाएगा।

(4) लदान या उत्तराई के लिए उपयुक्त स्थान पर लगाई गई बैगन की आवत, अनब्रित नि शुल्क समय वा योंग भाग अगले विन के लिए ले जाया जाएगा।

(5) किसी ऐसे खाली बैगन पर, जिसकी परेषक अध्ययेका कारता है और बाद में उसे रद्द कर देता है डेमरेज 24 घटे के लिए प्रभारित किया जाएगा।

टिप्पण —ऐसे बैगन को, जिसका लदान उसके प्रदाय के दिन नहीं किया गया है, उसी विन काम के घटों की समाप्ति पर रद्द समझा जाएगा।

(6) यदि लदान या उत्तराई रात्रि के घटा के दोगन अनुज्ञात की जाती है, तो 17.30 और 24.00 वर्षे के दोगन कम स कम 4 घटे का नि शुल्क समय अनुशासत किया जाएगा।

(7) यदि इस आधार पर कि माल अतिग्रस्त है या परेषण का केवल एक भाग माल ही प्राया है, परेषिती ऐसे माल या ऐसे परेषण के भाग उपलब्ध है, परिवान नहीं लेता है और माल रेत बैगनों में पड़ा रहता है, तो उस पर प्रायिक डेमरेज प्रभारित होता है।

(8) मुख्य पत्तन-न्यास रेत को डेमरेज के लिए माल पर वही लियन प्राप्त होगा जो माल भाड़े पर होता है।

3 मात्र पर स्थान भाड़ा — (1) स्थान भाड़ा निम्नलिखित वर्गे पर प्रभारित किया जाएगा प्रथम् —

परिस्थिति	अनुशासन समय	वस्तुएः	स्थान भाड़े की दर
1	2	3	4

(1) परेषित किए जाने के लिए उस दिन का समापन समय, जिसको (क) (ख) में प्रगणित माल को निःशुल्क समय के प्रतिरिक्षत, प्रत्येक प्रतीक्षावीन प्रेषणार्थ माल पर। भोड़ कर, हर वर्षन के माल के लिए 50 किंवद्धा० या उसके भाग के लिए 40 पैसे। प्रतिविन या उसके भाग के लिए कपास की प्रति गांठ 1.35 रु० गांठ का औसत भार 1.80 किंवद्ध होगा।

<p>(ख) खुले माल के लिए, जिस पर माल भाड़ा प्रति किंवद्ध प्रभारित नहीं किया जाता है।</p>	<p>(1) चार पैरियां वाले प्रति बैगन के लिए 48 रु०</p>
	<p>(2) बोगी बैगन (बोचौपहिया) के लिए प्रतिविन या उसके भाग 96 रु० के लिए</p>
	<p>(3) बोगी बैगन (बोचौपहिया) के लिए 120 रु०</p>

(2) परिदान के लिए उपलब्ध माल पर उस दिन से, जिसको माल परिदान के मद (1) के सामने, (क) और (ख) में लिए उपलब्ध किया जाता है, अगले प्रगणित माल के लिए। मद (1) के सामने, (क) और (ख) में प्रगणित माल को लागू हरे। दिन का समापन समय।

(2) सभी मामलों में, ऐसे माल को, जिस पर स्थान भाड़ा उपगत होता है, आषाढ़ावित या खुले स्थान में, जैसा भी स्थान उपलब्ध हो, भाण्डारित किया जाएगा।

(3) यदि इस आधार पर कि माल धर्तिग्रस्त है या परेषण का केवल भाग माल ही आया है, परेषिती ऐसे माल या ऐसे परेषण के भाग का, जो उपलब्ध है, परिदान नहीं नेता है और माल रेल बैगनों में पड़ा रहता है, तो उस पर प्रायिक डेमरेज प्रभारित होगा।

(4) मुम्भई पत्तन न्यास रेल को डेमरेज के लिए माल पर वही लियन प्राप्त होगा जो माल भाड़े पर होता है।

[स०टी०सी० 1/201/70/2]

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, 22nd July, 1976

S.O. 2813.—In pursuance of sub-section (3) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby sanctions and publishes the following rules, made, in supersession of all previous notifications on the subject, by the Bombay Port Trust Railway under clauses (f) and (g) of sub-section (1) of the said section 47 for regulating the use of rolling stock and engine on, and for the warehousing and detention of goods by, the said Railway on behalf of the consignee or owner, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Bombay Port Trust Railway (Demurrage and Wharfage) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Demurrage on wagons :—(1) Save as otherwise provided in these rules, demurrage on wagons shall be charged at the following rates namely :—

Circumstances	Time allowed free	Rate per tonne or part of a tonne on carrying capacity of the wagon per hour or part of an hour in excess of free time	Remarks
1	2	3	4
(1) On wagons ordered to be loaded by the consignors or detained for consignment note or otherwise owing to any default of or at the request of the consignor	5 working hours from the time at which the wagons are placed in position for loading at public or private siding; and 4 working hours at the Dock Siding from the time at which the wagons are placed in position for loading in the Dock siding.	(i) On wagons other than tank wagons—25 paise; (ii) On tank wagons other than vegetable oil tank wagons—40 paise; (iii) On vegetable oil tank wagons—60 paise.	

1	2	3	4
(ii) On loaded wagons waiting to be unloaded by a consignee or detained owing to any default of or at the request of the consignee.	5 working hours at public or private siding from the time at which the wagons are placed in position for unloading; and 4 working hours at the Dock Siding from the time the wagons are placed in position for unloading in the Dock Siding or from the time they are ready to be so placed until they are unloaded or rebooked.	(i) On wagons other than tank wagons—25 paise; (ii) On tank wagons other than vegetable oil tank wagons—40 paise; (iii) On vegetable oil tank wagons—60 paise.	

(2) From the time demurrage begins to accrue under sub-rule (i), it shall be charged for every hour including non-working hours, Sundays, gazetted and dock holidays.

(3) If a wagon is under demurrage for any reason on the expiry of working hours on any day, the demurrage shall be charged thereon until the commencement of working hours of the succeeding day or until the wagon is made available whichever may happen to be a longer period.

(4) In respect of a wagon placed in position for loading or unloading the balance of the unexpired free time shall be carried forward to the following day.

(5) Demurrage shall be charged for 24 hours on an empty wagon which a consignor requisitions and subsequently cancels.

Note :—A wagon not loaded on the day of supply shall be considered as cancelled at the end of working hours on the same day.

(6) In case loading or unloading is allowed during night hours a minimum of 4 hours free time shall be allowed during 17.30 and 24.00 hrs.

(7) If, on the ground that the goods are damaged or only part of the consignment has arrived, a consignee does not take delivery of such goods or part of such consignment which is available and the goods lie in the railway wagons, they shall be subject to the usual demurrage.

(8) The Bombay Port Trust Railway shall have the same lien on goods for demurrage as for freight.

3. Wharfage on goods :—(1) Wharfage shall be charged at the following rates, namely :—

Circumstances	Time allowed	Commodities	Rate of Wharfage	
			1	2
(i) On goods for despatch waiting to be consigned.	Closing time of the day on which good are brought to station	(a) For goods of every description except goods enumerated in (b). (b) For goods in bulk on which freight is not charged per quintal.	40 paise per day or part of a day, for every 50 kg. or part thereof in excess of free time. Rs. 1.35 per bale of cotton per day or part of a day, a bale being of an average weight of 1.80 quintals.	
(ii) On goods available for delivery.	Closing time of the day following that on which goods are made available for delivery.	For goods enumerated at (a) and (b) against item (i)	Rates as applicable to goods enumerated at (a) and (b) against item (i).	

(2) In all cases, goods incurring wharfage shall be warehoused either under cover or in the open as space may be available.

(3) If on the ground that the goods are damaged or only part of the consignment has arrived, as consignee does not take delivery of such goods or part of such consignment which is available and the goods lie in the railway premises, they shall be subject to the usual wharfage.

(4) The Bombay Port Trust Railway shall have the same lien on goods for wharfage as for freight.

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1976

का० आ० 2814.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 56B की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करने हुये, केन्द्रीय सरकार, अपना यह समाप्तान हो जाने पर कि विसी रेलवे स्टेशन तक केवल माल को ऐ जाने के लिये आशयित रेल गाड़ियों द्वारा बुक किये गये माल का, ऐसे स्टेशन से अविलम्ब हटाया जाना आवश्यक है और उस उपधारा के परन्तुक से विनिश्चित बातों को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित रेल स्टेशनों को 1-8-76 से 6 महीने की अवधि के लिये “अधिसूचित स्टेशन” घोषित करती है, अर्थात्—

1. मुम्बई(बांडी बन्दर)
2. नागपुर
3. हावड़ा गुड्स
4. इलाहाबाद
5. कानपुर सेन्ट्रल गुड्स गैड (बाड गेज)
6. नई दिल्ली
7. मद्रास साल्ट कोटास
8. एण्टकुलम गुड्स
9. बंगलौर सिटी जंक्शन
10. मालीमार
11. काकरिया
12. बड़ीदा जंक्शन
13. अमरबला जंक्शन
14. मुम्बई (फार्मिक ब्रिज)
15. रांपी
16. टाटा नगर
17. न्यू गुड्साहाडी
18. न्यू जलपाईगुड़ी

[संख्या दी० सी० 1/1680/75/1]

बी० मोहनी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd July, 1976

S.O. 2814.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 56B of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government, being satisfied that it is necessary that the goods booked by trains intended solely for the carriage of goods to any railway station should be removed without delay from such railway station and having regard to the factors specified in the proviso to that sub-section, hereby declares the following railway stations as “notified stations” for a further period of six months with effect from the 1st August 1976, namely:—

1. Bombay (Wadi Bunder)
2. Nagpur
3. Howrah Goods
4. Allahabad

5. Kanpur Central Goods Shed (Broad Gauge)
6. New Delhi.
7. Madras Salt Cottars
8. Ernakulam Goods
9. Bangalore City Junction
10. Shalimar
11. Kankaria
12. Baroda Junction
13. Asarva Junction
14. Bombay (Carnac Bridge)
15. Ranchi
16. Tatanagar
17. New Gauhati
18. New Jalpaiguri.

[No. TCI/1680/75/2.]

B. MOHANTY, Secy.

संचार मंत्रालय

(बाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1976

का० आ० 2815.—स्थायी भारतीय संख्या 627, विनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार मियम, 1951 के नियम 434 के खंड III केरीरा (क) के अनुसार बाक-तार महानिवेशक ने, कोलार टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-8-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्ठय किया है।

[संख्या 5-6/76-पी०एच०वी०)]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिवेशक (पी०एच०वी०)

MINISTRY OF COMMUNICATION

(P&T Board)

New Delhi, Dated the 21st July, 1976

S.O. 2815.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-8-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kolar Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5-6/76-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General (PHB)